



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-24032025-261891
CG-DL-E-24032025-261891

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 85]
No. 85]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 21, 2025/ फाल्गुन 30, 1946
NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 21, 2025/PHALGUNA 30, 1946

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
(व्यापार उपचार महानिदेशालय)
अंतिम जांच परिणाम
नई दिल्ली, 21 मार्च, 2025
मामला सं. एडी (ओआई) - 04/2024

विषय : चीन जन. गण., रूस और ताइवान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “एसिटोनाइट्राइल” के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच।

फा. सं. 06/04/2024- डीजीटीआर.— समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे इसके बाद “अधिनियम” के रूप में कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित तत्संबंधी सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संग्रहण तथा क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे इसके बाद “पाटनरोधी नियमावली” अथवा “नियमावली” के रूप में कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए ;

क. मामले की पृष्ठभूमि

- जबकि अल्काइल एमाइंस केमिकल्स (जिसे इसके बाद “आवेदक” अथवा “घरेलू उद्योग” के रूप में भी कहा गया है) ने सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार चीन जन. गण., रूस और ताइवान से एसिटोनाइट्राइल (जिसे इसके बाद “विचाराधीन उत्पाद” या “संबद्ध वस्तु” के रूप में भी कहा गया है) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरूआत करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद “प्राधिकारी” के रूप में भी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है।
- और जबकि, आवेदक द्वारा दायर किए गए विधिवत प्रमाणित आवेदन को देखते हुए, प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र में प्रकाशित दिनांक 26 मार्च, 2024 की अधिसूचना फा. संख्या 6/04/2024- डीजीटीआर के तहत एक सार्वजनिक सूचना जारी की है, जिसमें पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के अनुसार चीन जन. गण., रूस और ताइवान (जिसे इसके बाद “संबद्ध देश” के रूप में भी कहा गया है) से विचाराधीन उत्पाद के आयातों की पाटनरोधी जांच शुरू की गई, ताकि संबद्ध वस्तुओं के किसी भी कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके, जिसे यदि लगाया जाता है, तो वह घरेलू उद्योग की कथित क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी।

ख. प्रक्रिया

- जांच के संबंध में नीचे दी गई प्रक्रिया का पालन किया गया है :

- प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार जांच की शुरूआत करने से पहले वर्तमान पाटनरोधी आवेदन के प्राप्त होने के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को सूचित किया।
- प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरूआत करने के लिए दिनांक 26 मार्च 2024 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की, जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया।
- प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार, भारत में उनके दूतावासों के माध्यम से संबद्ध देशों की सरकारों, संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/ प्रयोक्ताओं के साथ-साथ अन्य हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 26 मार्च 2024 की जांच शुरूआत अधिसूचना की एक प्रति भेजी और उनसे निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।
- प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों तथा संबद्ध देशों की सरकारों को भारत में उनके दूतावासों के माध्यम से आवेदन के अगोपनीय पाठ की एक प्रति उपलब्ध कराई। आवेदन के अगोपनीय पाठ की एक प्रति, जहां कहीं भी अनुरोध किया गया, अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराई गई।

v. भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों से यह भी अनुरोध किया गया कि वे निर्यातकों/ उत्पादकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत करने की सलाह दें। ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी उन्हें संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों के नाम और पतों के साथ भेजी गई।

vi. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली भेजी:

क्र. सं.	देश	विचाराधीन उत्पाद के उत्पादकों के नाम
1	चीन	बीटीपी फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड
2	चीन	फार्मासिनो फार्मास्युटिकल जियांग्सू कंपनी लिमिटेड
3	चीन	फॉर्मोसा प्लास्टिक कॉर्पोरेशन
4	चीन	हांगजो इंश्योर केमिकल कंपनी लिमिटेड
5	चीन	आइडेंटिटी साइंस कंपनी लिमिटेड
6	चीन	इंपीरियल केमिकल कॉर्पोरेशन
7	चीन	जियांग्सू जीटिग हुआताई कंपनी लिमिटेड
8	चीन	लेवाकेम कंपनी लिमिटेड
9	चीन	माइक्रोकेम स्पेशलिटीज ट्रेड लिमिटेड
10	चीन	मित्सुबिशी गैस केमिकल ट्रेडिंग इंक.
11	चीन	मित्सुया बोएकी लिमिटेड
12	चीन	नागासे कंपनी लिमिटेड
13	चीन	नानजिंग बेइनुओ फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड
14	चीन	नानटोंग लियांग केमिकल्स कंपनी लिमिटेड
15	चीन	किंगदाओ ब्राइटफ्यूचर हेल्थकेयर कंपनी लिमिटेड
16	चीन	किंगदाओ शिडा केमिकल कंपनी लिमिटेड
17	चीन	रिच अप (एचके) ट्रेडिंग लिमिटेड
18	चीन	शांडोंग कुंडा बायोटेक्नोलॉजी कंपनी
19	चीन	शंघाई कोवन केमिकल कंपनी लिमिटेड
20	चीन	शंघाई फ्रीमेन केमिकल्स एचके कंपनी लिमिटेड
21	चीन	शंघाई यानकुई इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्टएक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन
22	चीन	सिनोकेम फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड
23	चीन	वेफांग झांगहुई केमिकल कंपनी
24	चीन	जियान युआनफ़र इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी
25	चीन	झेजियांग कैमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन
26	चीन	झेजियांग हेंगडियन अपेलोआ इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
27	चीन	झेजियांग हुआकांग फार्मास्युटिकल कंपनी

28	चीन	झेजियांग मेडिसिन्स हेल्थ प्रोडक्ट्स इम्पो एक्सपो कंपनी लिमिटेड
29	रुस	अकडेनिज केमसन एडिटिव्स एजी
30	रुस	एटलस केम एजी
31	रुस	एवेस्ट्रा केमिकल डीएमसीसी
32	रुस	एवेस्ट्रा केमिकल (सुइस) एसए
33	रुस	इंटरचिम लिमिटेड
34	रुस	कसन एसआईए
35	रुस	पेट्रोकिम ट्रेडिंग मिडिल ईस्ट एंड एशिया डीएमसीसी
36	रुस	वेल इंटरनेशनल ट्रेडिंग डीएमसीसी
37	रुस	यांकुई कीमिया ग्रुप ओयू
38	ताइवान	एस्क्स इंटरनेशनल (एस) प्राइ. लिमिटेड
39	ताइवान	फॉर्मोसा प्लास्टिक कॉर्पोरेशन
40	ताइवान	इंपीरियल केमिकल कॉर्पोरेशन

vii. जांच आरंभ अधिसूचना के उत्तर में, संबद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों/ निर्यातकों ने जांच में हितबद्ध पक्षकारों के रूप में स्वयं को पंजीकृत कराया :

क्र. सं.	देश	विचाराधीन उत्पाद के उत्पादकों के नाम
1	चीन	नान्चाँना लियांग केमिकल कंपनी लिमिटेड
2	चीन	वेफांग झोंगहुई केमिकल कंपनी लिमिटेड
3	चीन	शांडोंग कुंडा बायोटेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
4	रुस	सरतोवोर्गिजेज एलएलसी
5	ताइवान	फॉर्मोसा प्लास्टिक कॉर्पोरेशन

viii. भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों से अनुरोध किया गया कि वे अपने देश के निर्यातकों/ उत्पादकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें।

ix. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों को आयातक/ प्रयोक्ता प्रश्नावली भेजी तथा नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक जानकारी की मांग की।

क्र. सं.	विचाराधीन उत्पाद के ज्ञात प्रयोक्ताओं और आयातकों के नाम
1	एडवेट केमिकल प्राइवेट लिमिटेड
2	अरबिंदो फार्मा लिमिटेड
3	अवंतोर परफॉर्मेंस मैटेरियल्स इंडिया लिमिटेड
4	बायोकॉन बायोलॉजिक्स इंडिया लिमिटेड
5	केमिकल कॉर्प प्राइवेट लिमिटेड
6	डेक्न फाइन केमिकल्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड

7	डीवीज लैबोरेटरीज लिमिटेड
8	डॉ. रेहुनीज लैबोरेटरीज लिमिटेड
9	फिनार लिमिटेड
10	ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज लिमिटेड
11	हेटरो इंडस्ट्रीज लिमिटेड
12	के. उत्तमलाल एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
13	कैरव केमोफार्म इंडस्ट्रीज लिमिटेड
14	लॉरस लैब्स लिमिटेड
15	मर्क लाइफ साइंस प्राइवेट लिमिटेड
16	माइलान लैबोरेटरीज लिमिटेड
17	एनएसीएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
18	न्यूलैंड लैबोरेटरीज लिमिटेड
19	पारिकेम रिसोर्सेज एलएलपी
20	पीएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
21	आर. नंदलाल एंड संस
22	आरआर इनोवेटिव प्राइवेट लिमिटेड
23	साई लाइफ साइंसेज लिमिटेड
24	संजय केमिकल्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
25	शाह सी जे वर्ल्ड एलएलपी
26	शक्ति केमिकल्स
27	एसआरएफ लिमिटेड
28	उजिन फार्मार्किम
29	उर्मि केमिकल्स

x. अधिसूचना जारी होने के प्रत्युत्तर में, निम्नलिखित आयातकों/ प्रयोक्ताओं ने स्वयं को हितबद्ध पक्षकारों के रूप में पंजीकृत कराया:

क्र. सं.	विचाराधीन उत्पाद के ज्ञात प्रयोक्ताओं और आयातकों के नाम
1	संदीप ऑर्गेनिक्स
2	सत्यन फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
3	कैरव केमोफार्म इंडस्ट्रीज लिमिटेड

xi. जांच शुरुआत अधिसूचना की एक प्रति और आवेदन का अगोपनीय पाठ ज्ञात एसोसिएशनों को भेजा गया था।

xii. निर्यातिक, विदेशी उत्पादक और अन्य हितबद्ध पक्षकार जिन्होंने इस जांच के लिए संगत सूचना का उत्तर नहीं दिया है अथवा उसकी आपूर्ति नहीं की है, उन्हें असहयोगी हितबद्ध पक्षकार के रूप में माना गया है।

xiii. प्राधिकारी ने सभी ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों, आयातकों और आवेदक को एक आर्थिक हित प्रश्नावली जारी की। आर्थिक हित प्रश्नावली को प्रशासनिक लाइन मंत्रालय के साथ भी साझा किया गया था। केवल आवेदक और कैरव केमोफार्ब इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आर्थिक हित प्रश्नावली दायर की है। किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने आर्थिक हित प्रश्नावली दायर नहीं की है।

xiv. वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि (पीओआई) 1 अक्टूबर 2022 से 30 सितंबर 2023 (12 माह) की है। क्षति अवधि में जांच की अवधि और तीन पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष 2020-21, 2021-22, 2022-23 शामिल होंगे।

xv. क्षति अवधि और जांच की अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में लेन देन वार विवरण उपलब्ध कराने के लिए डीजीसीआईएंडएस से अनुरोध किया गया था। प्राधिकारी ने आयातों की मात्रा की गणना और लेन देनों की उचित रूप से जांच किए जाने के बाद आवश्यक विश्लेषण करने के लिए डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों पर भरोसा किया है।

xvi. सभी हितबद्ध पक्षकारों की सूची डीजीटीआर की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई थी और साथ ही सभी हितबद्ध पक्षकारों से अनुरोध किया गया था कि वे अपने अनुरोध के अगोपनीय पाठ को सभी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ईमेल करें।

xvii. इस जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों, साक्ष्यों के साथ समर्थित और वर्तमान जांच के लिए जहां तक वे संगत पाए गए, उन पर इस अंतिम जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा उचित रूप से विचार किया गया है।

xviii. प्राधिकारी ने आवश्यक समझी गई सीमा तक और भी सूचना की मांग की है। घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों का वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था। प्राधिकारी ने वर्तमान मामले में अपने विश्लेषण में घरेलू उद्योग के सत्यापित आंकड़ों पर विचार किया है।

xix. प्राधिकारी ने अन्य हितबद्ध पक्षकारों से आवश्यक समझी गई सीमा तक और भी सूचना की मांग की है। अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों का वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया।

xx. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए वास्तविक आंकड़ों/ सूचना के आधार पर क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) का निर्धारण किया गया है। घरेलू उद्योग द्वारा हासिल किए जाने के लिए अनुमानित किए गए अधिकतम क्षमता उपयोग के आधार पर अनुकूलन किया जाता है। घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर और सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) और नियमावली के अनुबंध III के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन और विक्री की अनुकूलतम लागत के आधार पर एनआईपी तैयार की गई है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।

xxi. नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 16 अक्टूबर 2024 को हुई एक सार्वजनिक सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचारों को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत किए और उनसे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित अनुरोधों के रूप में दाखिल करने और उसके बाद उसके प्रत्युत्तर अनुरोध दाखिल करने का अनुरोध किया गया।

xxii. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की गोपनीयता के दावे के पर्याप्त होने के संबंध में जांच की गई। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर, जहां भी आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावों को स्वीकार कर लिया है और ऐसी सूचना को गोपनीय मान लिया गया है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को इसका पक्टन नहीं किया गया है। जहां कहीं भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ प्रदान करने का निर्देश दिया गया।

xxiii. जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्ष ने वर्तमान जांच के दौरान आवश्यक सूचना तक पहुंच से इनकार किया है अथवा अन्यथा उपलब्ध नहीं कराई है अथवा जांच में महत्वपूर्ण वादा उत्पन्न की है, प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असह्योगी माना है तथा उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने विचार/ टिप्पणियां दर्ज किए हैं।

xxiv. प्राधिकारी ने इस स्तर पर सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए सभी तर्कों तथा उपलब्ध कराई गई सूचना पर, इस सीमा तक विचार किया है कि वे साक्ष्यों द्वारा समर्थित हैं तथा वर्तमान जांच के लिए संगत पाए गए हैं।

xxv. प्राधिकरण ने 12 फरवरी 2025 को सभी इच्छुक पक्षों को केंद्र सरकार को अंतिम सिफारिशें करने के लिए विचाराधीन सभी आवश्यक तथ्यों से युक्त प्रकटीकरण विवरण प्रसारित किया। प्राधिकरण ने प्रासंगिक समझी गई सीमा तक इन अंतिम निष्कर्षों में इच्छुक पक्षों द्वारा की गई सभी प्रकटीकरण-पश्चात टिप्पणियों की जांच की है। कोई भी प्रस्तुतिकरण जो केवल पिछले प्रस्तुतिकरण का पुनरुत्पादन था, और जिसकी प्राधिकरण द्वारा पर्याप्त रूप से जांच की गई थी, उसे संक्षिप्तता के लिए दोहराया नहीं गया है।

xxvi. इस अंतिम जांच परिणाम में '***', हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना को दर्शाता है तथा नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इस पर विचार किया गया है।

xxvii. संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विनिमय दर 1 अमेरिकी डॉलर = 83.21 रुपए है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

4. जांच शुरुआत की अवस्था में, विचाराधीन उत्पाद को इस प्रकार से परिभाषित किया गया था :

“3. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद एसिटोनाइट्राइल को *MeCN* (मिथाइल साइनाइड), साइनो मीथेन, इथेन नाइट्राइल, एथिल नाइट्राइल और मीथेन कार्बोनिट्राइल के नाम से भी जाना जाता है। विचाराधीन उत्पाद में किसी भी नाम से जाना जाने वाला एसिटोनाइट्राइल शामिल है। विचाराधीन उत्पाद को एक स्पष्ट और रंगहीन तरल के रूप में उत्पादित और बेचा जाता है।

4. विचाराधीन उत्पाद का कोई समर्पित टैरिफ कोड नहीं है। तथापि, विचाराधीन उत्पाद को टैरिफ वर्गीकरण के उप शीर्ष 292690 के तहत सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अंतर्गत आयात किया जाता है।

5. उत्पाद को विभिन्न शुद्धताओं के साथ आयात किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद की शुद्धता आयातित घोल में एसिटोनाइट्राइल की मात्रा के अलावा और कुछ नहीं है। सबसे पहले, कम शुद्धता वाले एसिटोनाइट्राइल का उत्पादन किया जाता है, और फिर इसे उच्च शुद्धता वाला एसिटोनाइट्राइल बनाने के लिए संसाधित किया जाता है।

विभिन्न श्रेणियों के कम शुद्धता वाले एसिटोनाइट्राइल को आयातकों द्वारा भारत में आयात किया जाता है, जो फिर उच्च शुद्धता वाले एसिटोनाइट्राइल (99.9%) में परिवर्तित करने के लिए एक छोटी आसवन प्रक्रिया करते हैं। जांच के उद्देश्य से, विभिन्न शुद्धताओं में आयातित एसिटोनाइट्राइल को 99.9% शुद्धता वाले एसिटोनाइट्राइल में परिवर्तित किया गया है।"

ग.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

5. अन्य पक्षकारों द्वारा विचाराधीन उत्पाद के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- 98% अथवा उससे कम शुद्धता का एसिटोनाइट्राइल घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित 99.9% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल के समान वस्तु नहीं है और इसे बाहर रखा जाना चाहिए।
- कम शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल को उच्च शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल में परिवर्तित करने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली अनुचित है।
- आवेदक सिंथेटिक मार्ग के ज़रिए केवल 99.9% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल का उत्पादन और बिक्री करता है। 98% अथवा उससे कम शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल का निर्माण घरेलू उद्योग की तरह अलग लाइन पर नहीं किया जाता है। 98% अथवा उससे कम शुद्धता का एसिटोनाइट्राइल एक्रिलोनाइट्राइल के निर्माण में एक उप-उत्पाद के रूप में प्राप्त होता है।
- आवेदक के पास 98% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल को निकालने की सुविधा नहीं है और उन्हें अंतिम आउटपुट के रूप में सीधे 99.9% शुद्धता का एसिटोनाइट्राइल मिलता है।
- 98% अथवा उससे कम शुद्धता का एसिटोनाइट्राइल व्यावसायिक रूप से 99.9% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल के साथ प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है। 98% अथवा उससे कम शुद्धता का एसिटोनाइट्राइल एक कच्ची सामग्री है जिसका उपयोग 99.9% अथवा उससे अधिक शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल के निर्माण में किया जाता है और इसका अपने आप में कोई उपयोग नहीं है।
- सिंथेटिक मार्ग के ज़रिए प्राप्त 99.9% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल के निर्माण में प्रयुक्त कच्ची सामग्री और उत्प्रेरक, और एक्रिलोनिट्राइल के निर्माण में उप-उत्पाद के रूप में प्राप्त 98% अथवा उससे कम शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल अलग-अलग हैं।
- 98% अथवा उससे कम शुद्धता का एसिटोनाइट्राइल आसानी से 99.9% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल में परिवर्तित नहीं हो सकता है। उत्पादकों ने 98% अथवा उससे कम शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल को 99% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल में डिस्टिलिंग करने की प्रौद्योगिकी और कार्यप्रणाली का पेटेंट कराया है।
- 98% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल को 99.9% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल में परिवर्तित करने पर 19% की मात्रा हानि और 20% की रूपांतरण लागत आती है।
- केसीआईएल को 99.9% अथवा उससे अधिक शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल के निर्माण के लिए 98% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल के आयातों के लिए वास्तविक प्रयोक्ता आधारित छूट प्रदान की जानी चाहिए। प्राधिकारी ने चीन जन. गण. से डाइमिथाइलएसिटामाइड [एन, एन-डाइमिथाइलएसिटामाइड] (डीएमएसी) की पाटनरोधी जांच और चीन जन. गण., कोरिया, यूरोपीय संघ, दक्षिण अफ्रीका, ताइवान, थाईलैंड और यूएसए के मूल के अथवा वहां से निर्यातित स्टेनलेस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों के आयातों के संबंध में प्रबंचना रोधी जांच में प्रयोक्ता - आधारित छूट प्रदान की है।

ग.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

6. घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं।

- i. आवेदक के पास 98% अथवा उससे कम शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल का उत्पादन करने की क्षमता है।
- ii. आवेदक पहले चरण में अर्थात् 42-44% से 99.9% के बीच किसी भी शुद्धता में उत्पाद की आपूर्ति कर सकता है।
- iii. आवेदक ने 99.9% शुद्धता की सामग्री की आपूर्ति करने के लिए संयंत्र की स्थापना की है क्योंकि प्रयोग किया जाने वाला अंतिम उत्पाद 99.9% शुद्धता का एसिटोनाइट्राइल है।
- iv. एसिटोनाइट्राइल की 98% शुद्धता एसिटोनाइट्राइल की बिना फ़िल्टर/बिना शुद्धता की अवस्था के अलावा और कुछ नहीं है।
- v. 98% से 99.9% शुद्धता अथवा शुद्धता के अधिक के प्रतिशत में रूपांतरण में न्यूनतम मूल्य संवर्धन शामिल है और अशुद्धियों को दूर करने के लिए कई डिस्टिलेशन प्रक्रियाओं का पालन किया जाता है।
- vi. उत्पादन प्रक्रिया के कारण पहले उत्पाद का उत्पादन 42-44% शुद्धता में होता है। कंपनी प्रतिक्रिया में उत्पन्न पानी की अशुद्धियों को दूर करने और शुद्धता में वृद्धि करने के लिए कई डिस्टिलेशन प्रक्रियाओं का पालन करती है। अंतिम चरण में डिस्टिलेशन 99.9% दिखाता है। 98% शुद्धता के उत्पाद को प्राप्त करने के लिए उत्पाद को अंतिम चरण से निकाला जा सकता है।
- vii. 98% शुद्धता के उत्पाद के लिए कोई बाजार नहीं है। भारत में आयातक रूस से आयात किए जा रहे उत्पाद के अशुद्ध रूप को डिस्टिलेशन करने के लिए अपनी सुविधा का उपयोग कर रहा है और उसे बेचता है।
- viii. आवेदक ने डिस्टिलेशन लागत [***] % से कम आने के बारे में बताया है। ये 98% से 99.9% तक शामिल डिस्टिलेशन लागत के आधार पर हैं। डिस्टिलेशन को छोड़कर, कोई अन्य लागत नहीं है। पहले चरण के कड़े उत्पाद से लेकर अंतिम चरण के 99.9% उत्पाद तक की संपूर्ण शुद्धिकरण लागत लगभग 10% आती है।
- ix. उत्पाद को 98% शुद्धता का उत्पाद प्राप्त करने के लिए अंतिम से पहले के चरण से निकाला जा सकता है। अशुद्ध और शुद्ध चरण के उत्पादों को अलग-अलग उत्पाद के रूप में नहीं कहा जा सकता।
- x. आवेदक सहित भारतीय उद्योग द्वारा आपूर्ति किया गया उत्पाद रूस से आयातित एसिटोनाइट्राइल के समान वस्तु है क्योंकि 98% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल का एकमात्र उद्देश्य 99.9% अथवा उससे अधिक प्रतिशत की शुद्धता में परिवर्तित करना है।
- xi. आयातक 98% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल का आयात करता है और इसे 99.9% एसिटोनाइट्राइल बनाने के लिए परिवर्तित करता है।
- xii. ग्राहक भारतीय उत्पादकों और अन्य देशों के उत्पादकों द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद का परस्पर उपयोग कर रहे हैं।

xiii. आयातक ने इस बात पर तर्क नहीं किया है कि उसका उत्पाद घरेलू उत्पादकों द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद के साथ प्रतिस्पर्धा करता है।

xiv. चूंकि भारत में कोई भी उत्पादक 98% शुद्ध सामग्री की आपूर्ति नहीं करता है, इसलिए 99.99% वाले एसिटोनाइट्राइल में आयातित उत्पाद के सबसे नजदीकी गुण होते हैं।

xv. 98% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल के आयातों पर अंतिम प्रयोक्ता आधारित छूट प्राप्त करने के लिए डाइमेथिलैसिटामाइड [एन, एन-डाइमेथिलैसिटामाइड] के आयातों के संबंध में पाठनरोधी जांच पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई निर्भरता के संबंध में, बहिष्कार का अनुरोध ऐसे उत्पाद के लिए था जो घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित नहीं था और साथ ही विचाराधीन उत्पाद के लिए उद्योग से अलग उद्योग में भी इसका उपयोग किया गया था। तथापि, वर्तमान मामले में, कम शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल को केवल उच्च शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल में परिवर्तित किया जाना है और उसी फार्मा उद्योग में उपयोग किया जाना है।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

7. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद एसिटोनाइट्राइल है। एसिटोनाइट्राइल को MeCN (मिथाइल साइनाइड), साइनो मीथेन, इथेन नाइट्राइल, एथिल नाइट्राइल और मीथेन कार्बोनिट्राइल के नाम से भी जाना जाता है। विचाराधीन उत्पाद में किसी भी नाम से जाना जाने वाला एसिटोनाइट्राइल शामिल है। विचाराधीन उत्पाद एक स्पष्ट और रंगहीन तरल के रूप में उत्पादित और बेचा जाता है।

8. सभी हितबद्ध पक्षकारों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे और पीसीएन पद्धति पर टिप्पणी करने का अवसर दिया गया था। विचाराधीन उत्पाद और पीसीएन के संबंध में टिप्पणियाँ दाखिल की गई थीं और हितबद्ध पक्षकारों को अपनी अनुरोधों के संबंध में समझाने के लिए दिनांक 29 अप्रैल 2024 को एक बैठक आयोजित की गई। हितबद्ध पक्षकारों ने पीसीएन पद्धति के संबंध में अपने अनुरोधों को विस्तार से बताया। हितबद्ध पक्षकारों को संगत सहायक साक्ष्य प्रदान करने का और अवसर प्रदान किया गया था। विचार-विमर्श के समय अपने विचारों को प्रस्तुत करने वाले सभी पक्षकारों से लिखित रूप में अपने अनुरोधों को दाखिल करने के लिए कहा गया था।

9. विचाराधीन उत्पाद के दायरे को उसी तरह स्पष्ट किया गया था जैसा कि जांच शुरुआत अधिसूचना में माना गया था। निष्पक्ष तुलना के लिए निम्नलिखित पीसीएन पद्धति अपनाई गई थीं।

क्र. सं.	पीसीएन मापदंड	विवरण	पीसीएन कोड
1	एसिटोनाइट्राइल की शुद्धता	99.9% शुद्धता	ए
		98% शुद्धता	बी
		कोई अन्य शुद्धता	सी

10. हितबद्ध पक्षकारों को सूचना प्रस्तुत करने के लिए 31 मई 2024 तक का समय दिया गया था।

11. संबद्ध वस्तुओं के आयातक कैरव केमोफार्बे इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने रूस से संबद्ध वस्तुओं को 98% शुद्धता के साथ आयात किया है और आयातित वस्तुओं को 99.9% अथवा उससे अधिक की उच्च शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल में परिवर्तित किया है। कैरव केमोफार्बे इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने इस आधार पर उत्पाद को बाहर करने की मांग की है कि यह घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित नहीं है। उत्पाद को विभिन्न शुद्धताओं के साथ आयात किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद की शुद्धता कुछ और नहीं बल्कि सोल्यूशन में एसिटोनाइट्राइल की मात्रा है। सबसे पहले, कम शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल का उत्पादन किया जाता है और उसके बाद उसे उच्च शुद्धता का एसिटोनाइट्राइल बनाने के लिए संसाधित किया जाता है। विभिन्न श्रेणियों के कम शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल को आयातकों द्वारा भारत में आयात किया जाता है, जिसे उसके बाद उच्च शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल (99.9%) में परिवर्तित करने के लिए एक छोटी डिस्ट्रिलेशन प्रक्रिया की जाती है। जांच के प्रयोजन के लिए, विभिन्न शुद्धताओं में आयातित एसिटोनाइट्राइल को 99.9% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल में परिवर्तित किया गया है। यह विवादित नहीं है कि कम शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल का कोई स्वतंत्र उपयोग नहीं है और इसे आगे के उपयोग के लिए उच्च शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल में परिवर्तित किया जाता है।

12. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि एसिटोनाइट्राइल की 98% शुद्धता एसिटोनाइट्राइल का एक अनफिल्टर/अशुद्ध चरण है, और यदि आवश्यक हुआ, तो यह 98% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल की आपूर्ति कर सकता है। अशुद्ध और शुद्ध चरण के उत्पादों को अलग-अलग उत्पाद नहीं कहा जा सकता है। यह भी नोट किया गया है कि उत्पाद के अशुद्ध रूप के लिए कोई बाजार नहीं है। यहां तक कि रूस से आयातित उत्पाद को भी पहले शुद्ध किया जाता है और उसके बाद इच्छित उपयोग के लिए बिक्री की जाती है। अतः यह देखा गया है कि एसिटोनाइट्राइल की 98% शुद्धता एसिटोनाइट्राइल के अनफिल्टर/अशुद्ध चरण के अलावा और कुछ नहीं है।

13. घरेलू उद्योग ने यह प्रदर्शित किया है कि भारत में ग्राहक भारतीय उद्योग और संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद का परस्पर उपयोग कर रहे हैं।

14. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि कम शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल का उत्पादन केवल रूसी उत्पादकों तक ही सीमित नहीं है और संबद्ध वस्तुओं के प्रत्येक उत्पादक को पहले कम शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल का उत्पादन करना होता है। शुद्धिकरण का अगला चरण या तो उत्पादक द्वारा स्वयं किया जाता है या फिर किसी अन्य पक्ष द्वारा किया जाता है। रूस से आयातित विचाराधीन उत्पाद को आयातक द्वारा भारत में शुद्ध किया जाता है और उसके बाद स्थानीय रूप से उपलब्ध समान वस्तु के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए घरेलू बाजार में उसकी बिक्री की जाती है।

15. यहां तक अंतिम प्रयोक्ता -आधारित बहिष्करण का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस बात से संतुष्ट होने के बाद कि 98% शुद्धता का एसिटोनाइट्राइल 99.9% एसिटोनाइट्राइल का अशुद्ध रूप है और इसका कोई स्वतंत्र उपयोग नहीं है, अतः कोई बहिष्करण अपेक्षित नहीं है।

16. उपरोक्त को देखते हुए, प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के दायरे की पुष्टि करने का प्रस्ताव करते हैं।

17. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद और संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद भौतिक और रासायनिक गुणों, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय हैं। आयातित वस्तु और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु का परस्पर उपयोग किया जाता है। इसे देखते हुए, घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित उत्पाद को भारत में आयातित उत्पाद के समान वस्तु के रूप में माने जाने का प्रस्ताव किया गया है।

घ. घरेलू उद्योग का दायरा और आधार

घ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

18. अन्य पक्षकारों ने घरेलू उद्योग और दायरे के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- i. बालाजी अमाइंस लिमिटेड और जिंदल स्पेशियलिटी केमिकल्स लिमिटेड को वर्तमान जाँच में समर्थकों के रूप में नहीं कहा जा सकता है। आवेदन के समर्थन में केवल एक पत्र दाखिल करना ही पर्याप्त नहीं होता है।
- ii. आवेदन के लिए समर्थन व्यक्त करने वाले समर्थकों को अनिवार्य रूप से दिनांक 27 सितंबर 2018 की व्यापार सूचना संख्या 13/2018 और दिनांक 1 अक्टूबर 2018 की व्यापार सूचना संख्या 14/2018 द्वारा अधिसूचित फार्मेट में सूचना प्रस्तुत करना आवश्यक है।

घ.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

19. घरेलू उद्योग ने घरेलू उद्योग और आधार के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- i. आवेदक के अलावा, भारत में वस्तुओं के तीन अन्य उत्पादक हैं, अर्थात् बालाजी अमाइंस लिमिटेड, जिंदल स्पेशियलिटी केमिकल्स और दीपक नोवोकेम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड।
- ii. बालाजी अमाइंस लिमिटेड और जिंदल स्पेशियलिटी केमिकल्स ने आवेदन का समर्थन किया है।
- iii. आवेदक ने संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है और न ही वह कथित पाटित की गई वस्तुओं के किसी निर्यातक अथवा आयातक से संबद्ध है।
- iv. दिनांक 16 जून 2021 की व्यापार सूचना संख्या 4/2021 के तहत समर्थकों को क्षमता, उत्पादन और विक्री से संबंधित सूचना प्रदान करने के बाद समर्थन प्रदर्शित करने की अनुमति है।
- v. यहां तक कि यदि समर्थकों के उत्पादन को छोड़ भी दिया जाए, तो आवेदक का उत्पादन नियमावली के तहत आधार की अपेक्षा को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

20. पाठनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के तहत घरेलू उद्योग को इस प्रकार से परिभाषित किया गया है :

“(ख) “घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन

उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक कथित पारित वस्तु के नियांतिकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” शेष उत्पादकों को समझा जाएगा।

21. वर्तमान आवेदन अल्काइल एमाइंस केमिकल्स लिमिटेड द्वारा दायर किया गया था। आवेदक के अलावा, देश में संबद्ध वस्तुओं के तीन अन्य भारतीय उत्पादक हैं। बालाजी एमाइंस लिमिटेड और जिंदल स्पेशियलिटी केमिकल दो अन्य उत्पादक हैं जिन्होंने आवेदन का समर्थन किया है। दीपक नोवोकेम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड भारत में एक अन्य उत्पादक है। तथापि, उत्पादक ने वर्तमान आवेदन पर अपनी राय व्यक्त नहीं की है।

22. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि समर्थकों द्वारा दायर पत्र को अनदेखा किया जाना चाहिए, क्योंकि इनमें व्यापार सूचना 13/2018 और 14/2018 के तहत निर्धारित अपेक्षाओं का पालन नहीं किया गया है। प्राधिकारी का यह मानना है कि व्यापार सूचना 13/2018 और 14/2018 के तहत घरेलू उत्पादक को कुछ सूचना प्रदान करने की आवश्यकता है। प्राधिकारी ने दिनांक 16 जून 2021 की व्यापार सूचना 4/2021 के तहत समर्थकों को क्षमता, उत्पादन और बिक्री से संबंधित सूचना प्रदान करने के बाद समर्थन व्यक्त करने की अनुमति दी है। वर्तमान मामले में समर्थकों ने ऐसी सूचना प्रदान की है। अतः प्रदान किए गए समर्थन की उपेक्षा नहीं की जा सकती।

23. प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि आवेदक के उत्पादन में भारतीय उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा [***%] है। इसके अलावा, आवेदक और समर्थकों का संचयी रूप से कुल भारतीय उत्पादन में [***%] हिस्सा है।

24. आवेदक ने यह कहा है कि उसने विचाराधीन उत्पाद को संबद्ध देशों से आयात नहीं किया है। इसके अलावा, यह संबद्ध देशों में किसी नियांतिक अर्थात् भारत में किसी आयातक से संबद्ध नहीं है। इस संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई आरोप नहीं लगाया गया है। इसके अलावा, जांच से यह नहीं पता चला है कि आवेदक विचाराधीन उत्पाद का आयातक है अथवा किसी आयातक अथवा नियांतिक से संबद्ध है।

25. उपर्युक्त के आधार पर, प्राधिकारी यह मानने का प्रस्ताव करते हैं कि आवेदक नियमावली के नियम 2(ख) के तहत परिभाषित घरेलू उद्योग में आता है और यह आवेदन नियमावली के नियम 5(3) की अपेक्षाओं को पूरा करता है।

उ. गोपनीयता और विविध अनुरोध

उ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

26. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं: -

- आवेदक ने अविश्वसनीय आयात डेटा का उपयोग किया है।
- आवेदक ने पीसीएन वार डेटा प्रस्तुत नहीं किया है।

इ.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

27. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं: -

- i. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह दर्शने के लिए कोई साक्ष्य नहीं दिया गया है कि आयात डेटा कैसे अविश्वसनीय है। प्राधिकारी वैसे भी डीजीसीआईएंडएस अथवा डीजी सिस्टम से आयात संबंधी डेटा की मांग करेंगे और आयात की मात्रा और कीमत की जांच के लिए उसी पर भरोसा करेगा।
- ii. घरेलू उद्योग द्वारा पीसीएन वार डेटा के संबंध में, आवेदक ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि उसने 99.9% से कम शुद्धता के साथ उत्पाद की आपूर्ति की है और इसीलिए पीसीएन वार सूचना प्रदान किए जाने की आवश्यकता नहीं थी।

इ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

28. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार विभिन्न पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना का अगोपनीय पाठ अन्य सभी हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराया है। किसी भी पक्षकार ने गोपनीयता के संबंध में कोई तर्क नहीं दिया है। अतः सभी पक्षकारों द्वारा दावा की गई गोपनीयता को स्वीकार कर लिया गया है।
29. हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग ने अविश्वसनीय आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है। प्राधिकारी ने जांच की शुरूआत करने के प्रयोजन के लिए डीजीसीआईएंडएस के लेन-देन-वार आंकड़ों पर भरोसा किया है और आवेदन में सूचित किए गए आयातों की मात्रा और कीमत में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया तथा प्राधिकारी ने जांच की शुरूआत करने के चरण में इसकी मात्रा निर्धारित की है। घरेलू उद्योग द्वारा सूचित किए गए आयातों की मात्रा और मूल्य तथा डीजीसीआईएंडएस के लेन-देन-वार आंकड़ों का मिलान किया गया है, जिससे इस संबंध में आवेदन में पर्याप्त साक्ष्य दिखाई दिए।

च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

च.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

30. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
 - i. चीन जन. गण. को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिया जाना चाहिए और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2 के अनुसार सामान्य मूल्य की गणना की जानी चाहिए।

च.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

31. घरेलू उद्योग ने सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
 - i. एक्सेसन प्रोटोकॉल और प्राधिकारी की प्रथा के अनुसार, चीन को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जाना चाहिए। बाजार अर्थव्यवस्था उपचार की अनुमति केवल तभी दी जा सकती है जब इसका दावा किया जाए और इसकी उपयुक्तता प्रदर्शित की जाए।

- ii. चीन के 4 उत्पादकों ने भाग लिया है, लेकिन वर्तमान जांच में चीन के किसी भी उत्तर देने वाले उत्पादक ने एमईटी दाखिल नहीं किया है। सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार किया जाना चाहिए।
- iii. रूस और ताइवान के उत्पादकों ने वर्तमान जांच में हितबद्ध पक्षकार के रूप में पंजीकरण कराया है, लेकिन उन्होंने कोई उत्तर दाखिल नहीं किया है। जहां तक रूस और ताइवान का संबंध है, पाटन मार्जिन के लिए उनके दावे निर्विवाद हैं।
- iv. जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हुई है और पाटन में तेजी आई है। औसत विशेषण भी अनुचित होगा, क्योंकि भाग लेने वाले उत्पादकों में से एक उत्पादक ने जांच की अवधि में केवल एक माह में ही निर्यात किया है। पूरी जांच की अवधि के लिए सामान्य मूल्य/ क्षति रहित कीमत की तुलना किसी विशेष जांच की अवधि के लिए निवल निर्यात कीमत तथा पहुंच कीमत से करना अत्यधिक भ्रामक होगा।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

32. अधिनियम की धारा 9क(1)(ग) के तहत किसी वस्तु के सामान्य मूल्य से तात्पर्य यह है :

“(ग) किसी वस्तु के संबंध में “सामान्य मूल्य” का तात्पर्य है—

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित निर्यातिक देश या भू-भाग में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातिक देश या भू-भाग के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातिक देश या भू-भाग की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्र के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा-
- (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातिक देश या भू-भाग से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

33. निर्यातकों की प्रश्नावली का उत्तर निम्नलिखित उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा दाखिल किया गया है:

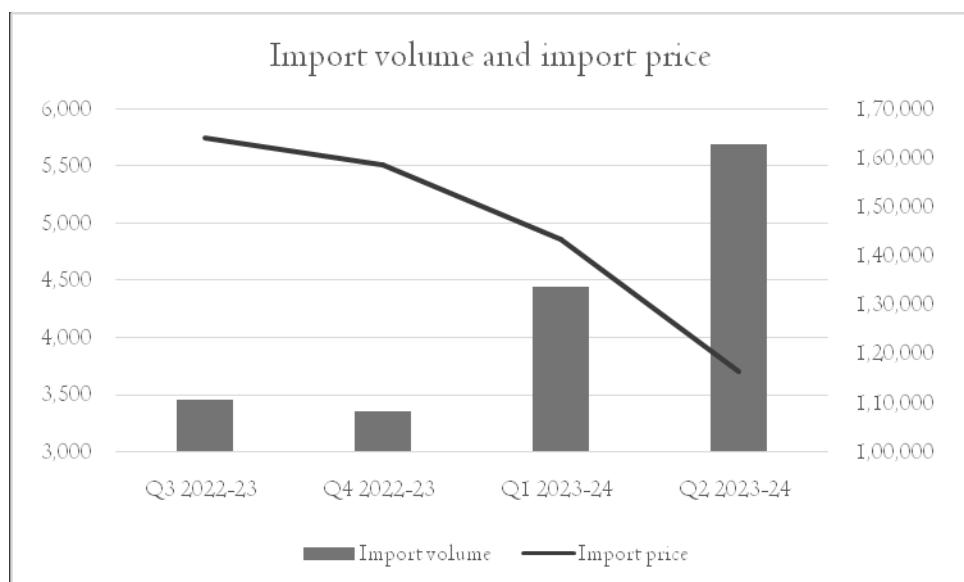
- i. शांदोंग कुंडा बायोटेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण.
- ii. नानटोंग लियांग केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण.
- iii. वेफांग झांगहुई केमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण.

34. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित आधारों पर पाटन मार्जिन के तिमाही निर्धारण का अनुरोध किया है : -

- i. जांच की अवधि में आयात मूल्य में भारी गिरावट आई है।
- ii. उत्पादकों में से एक उत्पादक ने जांच की अवधि में केवल एक माह में निर्यात किया है और औसत सामान्य मूल्य के साथ औसत निर्यात मूल्य की तुलना उचित नहीं होगी।

35. नीचे दी गई तालिका जांच की अवधि में तिमाही आयात मात्रा और आयात मूल्य को दर्शाती है: -

क्र. सं.	विवरण	यूओएम	तीसरी तिमाही 2022-23	चौथी तिमाही 2022-23	पहली तिमाही 2023-24	दूसरी तिमाही 2023-24
क	आयात की मात्रा					
1	चीन जन. गण.	मी टन	2,579	2,080	2,314	3,770
2	रूस	मी टन	522	320	792	414
3	ताइवान	मी टन	38	466	498	740
ख	आयात कीमत					
4	चीन जन. गण.	रु./ मी टन	170,241	159,658	139,656	118,832
5	रूस	रु./ मी टन	130,389	134,390	137,947	112,300
6	ताइवान	रु./ मी टन	178,797	178,098	135,856	118,968



36. यह देखाने में आया है कि आयातों की कीमत में गिरावट आने के साथ ही आयात की मात्रा में भी तेजी से वृद्धि हुई है। यह देखा गया है कि जांच की अवधि के दौरान समय अवधि के साथ आयात कीमत में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ है। प्राधिकारी ने प्रतिभागी उत्पादकों द्वारा संबद्ध देशों से सूचित किए गए आयातों की भी अतिरिक्त जांच की है। यह देखा गया है कि उत्पादकों में से एक उत्पादक ने केवल दो माह में निर्यात की सूचना दी है। अतः प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला है कि औसत आधार पर विश्लेषण करना उचित नहीं होगा।

क्र. सं.	तिमाही	यूओएम	नानटोंग लियांग	शानडोंग कुंडा	वेइफांग झोंगझाई
1	तीसरी तिमाही 2022-23	मी टन	***	***	***
2	चौथी तिमाही 2022-23	मी टन	***	***	***
3	पहली तिमाही 2023-24	मी टन	***	***	***
4	दूसरी तिमाही 2023-24	मी टन	***	***	***

क्र. सं.	तिमाही	यूओएम	नानटोंग लियांग	शानडोंग कुंडा	वेइफांग झोंगझुई
1	तीसरी तिमाही 2022-23	\$/ मी टन	***	***	***
2	चौथी तिमाही 2022-23	\$/ मी टन	***	***	***
3	पहली तिमाही 2023-24	\$/ मी टन	***	***	***
4	दूसरी तिमाही 2023-24	\$/ मी टन	***	***	***

37. पाटन मार्जिन का तिमाही निर्धारण करने के लिए पर्याप्त औचित्य है। तदनुसार, प्राधिकारी ने तिमाही आधार पर पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का निर्धारण किया है।

I. चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

क. चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य

38. प्राधिकारी चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में निम्नलिखित संगत प्रावधानों को नोट करते हैं। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध I के पैरा 7 और पैरा 8 के तहत प्रावधान इस प्रकार हैं :

“7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश से आयात के मामले में, सामान्य मूल्य का निर्धारण उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान की गई अथवा भुगतान योग्य कीमत सहित, आवश्यकतानुसार विधिवत समायोजन करके, तीसरे देश की बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं हैं, तो किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबंधित देश के विकास के स्तर तथा विचाराधीन उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति से एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा। चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समान मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हों, समय-सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विषय में सूचित किया जाएगा और उसे अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयावधि प्रदान की जाएगी।”

8. (1) “गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश” वाक्यांश का अर्थ है कि ऐसा देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धान्तों को लागू नहीं करने वाले देश के रूप में मानते हैं, जिसके कारण ऐसे देश में पर्याप्त वस्तुओं कि बिक्रियों उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य को नहीं दर्शाती है।”

(2) यह कहना पूर्वनुमान लगाना होगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यू.टी.ओ. के किसी सदस्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित किया गया है अथवा माना गया है, एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। तथापि, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट-प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य

उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर बाजार अर्थ-व्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या : (क) ऐसे देश में कहीं सामग्रियों की प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं; (ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतों तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाये गये विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है, खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसम्पत्तियों के मूल्यहास, अन्य बढ़े खाते वस्तु विनियम व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में; (ग) ऐसी फर्म दिवालियापन तथा सम्पत्ति कानून के अधीन होती है जो कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्वता की गारंटी देता है; (घ) विनियम दर के परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं; तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्यास साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसी अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धान्तों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धान्तों को लागू कर सकते हैं।

(4) उप पैराग्राफ (2) में किसी बात के होते हुए भी, निर्दिष्ट प्राधिकारी जो संगत मापदंड के अद्यतन विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर ऐसे देश को बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मान सकते हैं, जिसमें उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदंड में किसी सार्वजनिक दस्तावेज में ऐसे मूल्यांकन का प्रकाशन शामिल हो, जिसे विश्व व्यापार संगठन के किसी सदस्य देश द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माने जाने के लिए माना या निर्धारित किया हो।

39. जांच शुरुआत के चरण में, प्राधिकारी ने चीन जन. गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के देश के रूप में मानने की धारणा के साथ आगे की कार्रवाई की। जांच शुरू होने पर, प्राधिकारी ने चीन जन. गण. में उत्पादकों/ निर्यातकों को यह परामर्श दिया कि वे जांच शुरू होने की सूचना का उत्तर दें और इस संबंध में सूचना प्रदान करें कि क्या उनके डेटा/ सूचना को सामान्य कीमत निर्धारण के लिए अपनाया जा सकता है। प्राधिकारी ने इस संबंध में संगत सूचना प्रदान करने के लिए चीन जन. गण. में सभी ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था उपचार/ पूरक प्रश्नावली की प्रतियां भेजीं।

40. विश्व व्यापार संगठन में चीन के एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 में निम्नलिखित प्रावधान हैं:

"(क) जीएटीटी का अनुच्छेद-VI, टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता, 1994 ("पाटनरोधी समझौता") के अनुच्छेद-VI के कार्यान्वयन पर समझौता तथा एससीएम समझौता निम्नलिखित के अनुरूप डब्ल्यूटीओ सदस्यों में चीन मूल के आयातों वाली कार्यवाहियों पर लागू होंगे :

(क) जीएटीटी के अनुच्छेद-VI और पाटनरोधी समझौते के तहत मूल्य की तुलना का निर्धारण करने में आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांच अधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे या उस पद्धति को उपयोग करेंगे जो निम्नलिखित के आधार पर चीन में घरेलू मूल्यों अथवा लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने में आधारित नहीं है :

यदि जांच अधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती हैं तो निर्यात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।

आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सछत् अनुपालन पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पादन करने वाले उद्योग हैं।

(ब) एससीएम समझौते के पैरा II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राजसहायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए तब पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखती है और चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बैंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती हैं। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों का उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यामान निबंधन और शर्तों को ठीक करना चाहिए।

(ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-पैरा (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी कार्य समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को कमिटी ऑन सब्सिडीज और काउंटरवेलिंग उपायों के लिए अधिसूचित करेगा।

(घ) आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को राष्ट्रीय कानून के तहत चीन ने एक बार यह सुनिश्चित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, तो उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्राप्ति की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ (क) (ii) के प्रावधान प्राप्ति की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त होंगे। इसके अलावा, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए आगे लागू नहीं होंगे।"

41. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यद्यपि चीन जन. गण. के एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 (क) (ii) के अंतर्गत प्रावधान दिनांक 11 दिसंबर 2016 से समाप्त हो चुके हैं, लेकिन एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 (क) (i) के अंतर्गत अनिवार्यता के साथ पठित पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.2.1.1 के तहत प्रावधान के लिए एमईटी स्थिति का दावा करने के लिए अनुपूरक प्रश्नावली में प्रदान की जाने वाली सूचना/ आंकड़ों के माध्यम से पसटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 में निर्धारित मानदंड को पूरा करना आवश्यक है।

42. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन जन. गण. के किसी भी उत्पादक/ निर्यातक ने नियमावली के अनुबंध- 1 के पैरा 8 में उल्लिखित आकलनों का खंडन करने के लिए अनुपूरक प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया है। इन परिस्थितियों में, प्राधिकारी को नियमावली के अनुबंध -1 के पैरा 7 के अनुसार आगे कार्रवाई करनी होगी।

43. यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध -1 के पैरा 7 में गैर-बाजार अर्थव्यवस्थाओं के लिए सामान्य मूल्य की गणना करने के तीन तरीके निर्धारित किए गए हैं: (क) किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा निर्मित कीमत के आधार पर; (ख) किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों को निर्यात कीमत; और (ग) किसी अन्य उपयुक्त आधार पर। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के

अनुबंध- 1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अंतर्गत, सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए सर्वप्रथम किसी सरोगेट देश में कीमत अथवा निर्मित कीमत के आधार पर अथवा ऐसे किसी देश से भारत सहित अन्य देशों को निर्यात कीमत के आधार पर किया जाना चाहिए।

44. आवेदन दाखिल किए जाने के चरण में, घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया कि चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्माण भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तव में भुगतान की गई कीमत अथवा भुगतान योग्य कीमत के आधार पर किया जाना चाहिए, जिसे उचित लाभ मार्जिन शामिल किए जाने के लिए, आवश्यकता के अनुसार विधिवत समायोजित किया जाना चाहिए।

45. पहले और दूसरे तरीके के आधार पर सामान्य मूल्य के विचार के लिए पक्षकारों द्वारा कोई सूचना/ साक्ष्य प्रदान नहीं किया गया है। अतः प्राधिकारी ने तीसरे तरीके, अर्थात् किसी अन्य उचित आधार पर सामान्य मूल्य का निर्माण करने का निर्णय लिया है। इसके तहत, सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान की जाने वाली कीमत के आधार पर किया जा सकता है। इस प्रयोजन के लिए, प्राधिकारी विक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्यय तथा लाभ को उपयुक्त रूप से शामिल किए जाने के साथ ही घरेलू उद्योग के उत्पादन की अनुकूलन लागत पर विचार करने का प्रस्ताव करते हैं। जांच की अवधि की प्रत्येक तिमाही के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है।

ख. चीन जन. गण. के लिए निर्यात कीमत

i. वेफांग झोंगहुई केमिकल कंपनी लिमिटेड

46. उत्पादक ने जांच की अवधि के दौरान भारत को विचाराधीन उत्पाद के निर्यात के रूप में [***] मीट्रिक टन मूल्य [***] अमरीकी डॉलर की सूचना दी है। उत्पादक ने यह दावा किया है कि उसने सीधे भारत में उत्पाद का निर्यात किया है और विचाराधीन उत्पाद के निर्यात में कोई अन्य संबद्ध/ असंबद्ध पक्षकार शामिल नहीं है। उत्पादक/ निर्यातक ने निर्यात कीमत में विभिन्न समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने उत्पादक द्वारा प्रदान की गई सूचना का डेस्क सत्यापन किया। जहाँ तक आवश्यक समझा गया, अतिरिक्त/ अनुपूरक सूचना की मांग की गई। इन अंतिम जांच परिणामों के प्रयोजन के लिए केवल आवश्यक सुधार के साथ ऐसी सत्यापित सूचना पर ही भरोसा किया गया है। इस प्रकार निर्धारित निवल निर्यात कीमत नीचे दी गई तालिका में दर्शाई गई है।

ii. शेडोंग कुंडा बायोटेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड

47. उत्पादक ने जांच अवधि के दौरान भारत को विचाराधीन उत्पाद के निर्यात के रूप में [***] मीट्रिक टन मूल्य [***] अमेरिकी डॉलर की रिपोर्ट की है। उत्पादक ने यह दावा किया है कि उसने सीधे भारत में उत्पाद का निर्यात किया है और विचाराधीन उत्पाद के निर्यात में कोई अन्य संबद्ध/ असंबद्ध पक्षकार शामिल नहीं है। उत्पादक/ निर्यातक ने निर्यात कीमत में विभिन्न समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने उत्पादक द्वारा प्रदान की गई सूचना का डेस्क सत्यापन किया। जहाँ तक आवश्यक समझा गया, अतिरिक्त/ अनुपूरक सूचना की मांग की गई। इन अंतिम

जांच परिणामों के प्रयोजन के लिए, जहां भी लागू हो, आवश्यक सुधार के साथ केवल ऐसी सत्यापित सूचना पर ही भरोसा किया गया है। इस प्रकार निर्धारित निवल निर्यात कीमत नीचे दी गई तालिका में दर्शाई गई है।

iii. नानटोंग लियांग केमिकल कंपनी लिमिटेड

48. उत्पादक ने जांच की अवधि के दौरान भारत को विचाराधीन उत्पाद के निर्यात के रूप में [***] मीट्रिक टन मूल्य [***] अमेरिकी डॉलर की सूचना दी है। उत्पादक ने यह दावा किया है कि उसने सीधे भारत में उत्पाद का निर्यात किया है और विचाराधीन उत्पाद के निर्यात में कोई अन्य संबद्ध/ असंबद्ध पक्षकार शामिल नहीं है। उत्पादक/ निर्यातक ने निर्यात कीमत में विभिन्न समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने उत्पादक द्वारा प्रदान की गई सूचना का डेस्क सत्यापन किया। जहाँ तक आवश्यक समझा गया, अतिरिक्त/ अनुपूरक सूचना की मांग की गई। इन अंतिम जांच परिणामों के प्रयोजन से केवल ऐसी सत्यापित सूचना पर ही भरोसा किया गया है, जिसमें जहाँ भी लागू हो, आवश्यक सुधार किया गया है। इस प्रकार निर्धारित निवल निर्यात कीमत नीचे दी गई तालिका में दर्शाई गई है।

ग. चीन जन. गण. से सभी असहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

49. चीन से अन्य असहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत नियमों के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित की गई है।

II. रूस के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

50. रूस से एक उत्पादक साराटोवोर्जिनेजेज एलएलसी ने पंजीकरण कराया था, लेकिन कोई उसने कोई उत्तर दाखिल नहीं किया था। रूस से उत्तर प्राप्त न होने के चलते, नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर रूस के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है।

51. हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि रूस से आयात कम शुद्धता के एसीटोनाइट्राइल का है, जिसकी आपूर्ति घरेलू उद्योग ने नहीं की है। कैरव केमोफार्बें इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने एसीटोनाइट्राइल को कम शुद्धता से उच्च शुद्धता (यानी, 98% से 99.9% शुद्धता) में परिवर्तित करने में प्रति किलोग्राम [***] रुपये की प्रसंस्करण लागत का दावा किया है, जबकि आवेदक ने इसी तरह के रूपांतरण के लिए प्रति किलोग्राम [***] रुपये की आसवन लागत प्रदान की है। इसके अलावा, कैरव केमोफार्बें इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने एसीटोनाइट्राइल को कम शुद्धता से उच्च शुद्धता में परिवर्तित करने में [***] % की मात्रा हानि का दावा किया है। आवेदक ने इस तर्क का खंडन किया है और दावा किया है कि संपूर्ण आसवन (शुद्धिकरण) संचालन में मात्रा की हानि [***] % है, तथा 98% से 99.9% शुद्धता तक [***] % से कम है। कैरव केमोफार्बें इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने भारत सरकार की मानदंड समिति के कार्यवृत्त पर भरोसा किया है, जो कम शुद्धता से उच्च शुद्धता में एसीटोनाइट्राइल के रूपांतरण के लिए तदर्थ मानदंड प्रदान करता है और प्राधिकरण ने उसी पर भरोसा किया है।

52. घरेलू उद्योग केवल 99.9% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल का उत्पादन करता है, अतः 98% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल का डेटा घरेलू उद्योग के पास उपलब्ध नहीं है और 98% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल के लिए सामान्य मूल्य की गणना नहीं की जा सकती है। निष्पक्ष तुलना के प्रयोजनों के लिए, प्राधिकारी रूस से आयात कीमत में 98% से 99.9% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल में होने वाली मात्रा की हानि और कनवर्सन तागत का समायोजन किए जाने का प्रस्ताव करते हैं, जो कि 98% शुद्धता का एसिटोनाइट्राइल है।

53. डीजीसीआईएंडएस के लेन देन वार आंकड़ों से निवल निर्यात कीमत की गणना की गई है। चूंकि सूचित किया गया डेटा सीआईएफ स्तर पर है, अतः समुद्री मालभाड़ा, समुद्री बीमा कमीशन, स्वदेशी मालभाड़ा, बंदरगाह व्यय और बैंक शुल्क के लिए समायोजन किए गए हैं। इसके अलावा, निर्यात कीमत की गणना में ऊपर उल्लिखित समायोजन किए गए हैं। इस प्रकार निर्धारित निवल निर्यात कीमत का नीचे पाटन मार्जिन तालिका में उल्लेख किया गया है।

III. ताइवान के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

54. ताइवान के एक उत्पादक, फॉर्मोसा प्लास्टिक कॉर्पोरेशन ने पंजीकरण कराया था, लेकिन कोई उत्तर दाखिल नहीं किया है। ताइवान से उत्तर प्राप्त न होने के चलते, ताइवान के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित की गई है। इस प्रकार निर्धारित किया गया सामान्य मूल्य नीचे पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित किया गया है।

IV. पाटन मार्जिन का निर्धारण

55. वर्तमान जांच में निर्धारित सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन नीचे दिया गया हैं :

क्र. सं.	उत्पादक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन		
		यूएसडी/ मी टन	यूएसडी/ मी टन	यूएसडी/ मी टन	%	(₹/ज)
क	चीन					
1	शानडोंग कुडा बायोटेक्नॉलोजी कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	10-20%
2	नानटोंग लियांग कैमिकल कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	10-20%
3	वेइफांग झोंगहुई कैमिकल कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	20-30%
4	कोई अन्य	***	***	***	***	20-30%
ख	रूस					
1	कोई उत्पादक	***	***	***	***	20-30%
ग	ताइवान					
1	कोई उत्पादक	***	***	***	***	20-30%

छ. क्षति और कारणात्मक संबंध का आकलनछ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

56. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- i. वर्ष 2021-22 एक असामान्य अवधि थी और आपूर्ति शृंखला में व्यवधान के चलते क्षति का निर्धारण करने के लिए इस पर विचार नहीं किया जाना चाहिए।
- ii. वर्ष 2022 से 2024 तक एसिटिक एसिड की कीमत में कमी आने के कारण आयातों की कीमतों में गिरावट आई है।
- iii. क्षमता विस्तार के कारण आवेदक के प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ा है।
- iv. प्राधिकारी को यह जांच करनी चाहिए कि आवेदक ने वर्ष 2022-23 में क्षमता विस्तार क्यों किया, जिससे निश्चित उत्पादन लागत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
- v. प्राधिकारी को उद्योग द्वारा अर्जित आरओसीई को उस समय उचित लाभ मार्जिन के रूप में अपनाना चाहिए, जबकि पाटन का कोई आरोप नहीं था, न कि 22% आरओसीई को।
- vi. क्षति विश्लेषण के लिए रूस से किए गए निर्यातों को संचित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि प्रतिस्पर्धा की शर्तों के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत अंतिम आवश्यकता पूरी नहीं होती है। रूस द्वारा उत्पादित 98% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल और घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री किए जाने वाले तथा चीन और ताइवान से आयात किए जाने वाले 99% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल के बीच कोई सीधी प्रतिस्पर्धा नहीं है।
- vii. उपभोक्ता रूस से आयात किए गए उत्पाद और आवेदक द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद का परस्पर उपयोग नहीं कर रहे हैं। 99% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल को फार्मास्युटिकल उद्योग को बेचा जा रहा है, जबकि 98% शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल को निर्माताओं द्वारा कच्ची सामग्री के रूप में उपयोग किया जा रहा है, जो इसे 99% अथवा उससे अधिक शुद्धता के एसिटोनाइट्राइल का उत्पादन करने के लिए आगे डिस्टिल करते हैं।
- viii. रूसी आयात कीमत निरंतर अन्य देशों की कीमतों से कम है। डब्ल्यूटीओ पैनल ने यूरोपीय समुदाय - ब्राजील से मेलिएबल कास्ट आयरन ट्यूब अथवा पाइप फिटिंग पर पाटनरोधी शुल्क मामले में माना कि कीमतों में समानांतर वृद्धि अथवा कमी प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को निर्धारित करने के लिए एक आवश्यक संकेतक नहीं है। अतः रूसी आयातों की कीमत को संचित नहीं किया जा सकता है।
- ix. घरेलू उद्योग की बिक्री में पूरी क्षति अवधि के दौरान केवल वृद्धि हुई है और यह संबद्ध आयातों से प्रभावित अथवा प्रेरित नहीं हुई है।
- x. घरेलू उद्योग संबद्ध देशों से आयातों से स्वतंत्र रह कर क्षति अवधि के दौरान अपनी क्षमता का विस्तार करने में सक्षम रहा है।
- xi. जांच की अवधि में उत्पादन और क्षमता के उपयोग में विगत वर्ष की तुलना में पुनः वृद्धि हुई है, यह तब भी, जब संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हुई है, जो यह दर्शाता है कि आयात और उत्पादन के बीच कोई संबंध नहीं है।

- xii. वर्ष 2021-22 में लाभ में गिरावट केवल क्षमता के विस्तार के कारण मूल्यहास, ब्याज और अन्य स्थिर लागतों में वृद्धि होने के कारण विक्री की लागत में वृद्धि होने के कारण है।
- xiii. मौखिक सुनवाई में घरेलू उद्योग ने यह स्वीकार किया कि कुरकुम्हण में पुराना संयंत्र पुरानी तकनीक के कारण अकुशल है और पुराने संयंत्र को बंद कर दिया गया है और नए संयंत्र का उपयोग उत्पादन के लिए किया गया है।
- xiv. प्राधिकारी को घरेलू उद्योग की लाभप्रदता की गणना करने के लिए परियोजना रिपोर्ट में अनुमानित क्षमता उपयोग द्वारा नए संयंत्र के मूल्यहास, ब्याज और अन्य निश्चित खर्चों को विधिवत समायोजित करना चाहिए।
- xv. पहुंच कीमतों में गिरावट को कच्ची सामग्री की लागत में वैश्विक कमी, विशेष रूप से एसिटिक एसिड की कीमतों में कमी के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।
- xvi. आवेदक ने मांग में समान वृद्धि किए बिना वर्ष दर वर्ष अपनी उत्पादन क्षमता का विस्तार किया है, जिससे अकुशलताएं हुई हैं।
- xvii. अति क्षमता होने के कारण स्थिर लागत में वृद्धि हुई है और उपयोग की दर कम हो गई है, जिससे लाभप्रदता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

छ.2 घरेलू उद्योग के विचार

57. घरेलू उद्योग द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. वर्ष 2021-22 में आयातों में वृद्धि हुई, लेकिन 2022-23 में इनमें गिरावट आई। यह गिरावट (क) मांग में कमी और (ख) क्षमता विस्तार होने के कारण हुई। जांच की अवधि में आयातों में फिर से वृद्धि हुई है।
- ii. आवेदक और अन्य उत्पादकों द्वारा किए गए क्षमता विस्तार के कारण खपत के संबंध में आयातों में कमी आई है।
- iii. आयात कीमत आवेदक की विक्री कीमत से कम है, जिसके कारण सकारात्मक कीमत कटौती हुई है।
- iv. यहां तक कि क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की परिवर्तनीय लागत में वृद्धि हुई है, लेकिन पहुंच कीमत में गिरावट आई है। जैसे-जैसे आयात की कीमत में गिरावट आई है, आयातों की मात्रा में भी वृद्धि हुई है।
- v. आयात कीमत और विक्री लागत दोनों में गिरावट आई है, लेकिन आयात कीमत में गिरावट बहुत अधिक है। आयात कीमत घरेलू उद्योग की विक्रियों लागत से कम है।
- vi. कम कीमत के आयातों के चलते घरेलू उद्योग निरंतर कीमत सूची से कम कीमत पर बेचने के लिए मजबूर हुआ है। जांच की अवधि के दौरान 8 माह में, आवेदक को कीमत सूची में तय की गई कीमत से भी कम कीमतों पर विक्री करने के लिए मजबूर किया गया है।
- vii. उपभोक्ताओं ने निश्चित आपूर्ति करने के लिए घरेलू उद्योग के साथ अनुबंध किया था, लेकिन अंततः उन निर्यातकों से खरीद की जो कम कीमतों पर पेशकश करते थे।
- viii. आवेदक को घरेलू बाजार में विक्री करने के अवसरों का तेजी से नुकसान हो रहा है।
- ix. आवेदक का उत्पादन और क्षमता उपयोग स्थापित क्षमता से काफी कम है। जांच की अवधि के कम से कम [***] माह में क्षमता उपयोग [***%] से कम रहा है।

x. कुरकुंभ संयंत्र को केवल बाजार की बाधाओं के कारण [***] दिनों तक बंद रखना पड़ा है।

xi. जबकि हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि क्षति नए संयंत्र के कारण हुई है, आवेदक ने पुराने संयंत्र की तुलना में नए संयंत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है।

xii. जबकि जांच की अवधि में आवेदक के बाजार अंश में गिरावट आई है, लेकिन संबद्ध देशों के बाजार अंश में वृद्धि हुई है।

xiii. आवेदक अपनी स्थापित क्षमता के संबंध में अपने बाजार अंश में वृद्धि करने में असमर्थ है।

xiv. उत्पादन को रोके जाने के बाद भी आवेदक के पास महत्वपूर्ण निष्क्रिय वस्तुसूची शेष है।

xv. आवेदक ने ब्याज से पूर्व नकदी लाभ और हानि में गिरावट देखी है, जिसके बाद नियोजित पूंजी पर प्रतिफल में महत्वपूर्ण गिरावट आई है।

xvi. यद्यपि आवेदक के अधिकांश मात्रात्मक मापदंडों में सुधार आया है, लेकिन अपेक्षित स्तर से कम है और कीमत मापदंडों में भारी गिरावट आई है।

xvii. भारतीय बाजार में किए गए क्षमता विस्तार के कारण भारतीय उद्योग के बाजार अंश में गिरावट आई है।

xviii. अन्य उत्पादक की घरेलू विक्रियों में वर्ष 2021-22 में वृद्धि हुई है, उसके बाद जांच की अवधि में गिरावट आई है।

xix. चीन के उत्पादक अत्यधिक निर्यातोन्मुख हैं और जिस भी कीमत पर पेशकश की जाती है, उस पर वे निर्यात करते हैं।

xx. चीन से भारत में आयातों की कीमत और अंतर्राष्ट्रीय कच्ची सामग्री की कीमतों के बीच के अंतर में क्षति अवधि के दौरान 90% के आश्चर्यजनक स्तर तक की गिरावट आई है। यहां तक कि जब अंतर की गणना चीन की कीमतों पर विचार करके की जाती है, तो यह देखा जा सकता है कि आयात कीमत और कच्ची सामग्री की कीमतों के बीच अंतर में तेजी से कमी आई है। यह चीन के उत्पादकों द्वारा किए गए पाटन की मात्रा को दर्शाता है।

xxi. आवेदक की आंतरिक व्यवहार्यता रिपोर्ट से यह देखा जा सकता है कि इसने वर्ष 2023-24 तक करीब [***] मीट्रिक टन की घरेलू विक्री की संभावना थी, लेकिन यह जांच की अवधि में घरेलू बाजार में [***] मीट्रिक टन बेचने में भी सक्षम रहा है।

xxii. आवेदक को [***] करोड़ रुपये] के लाभ के लिए संभावना थी, लेकिन वर्तमान लाभ केवल [***] लाख रुपये] है।

xxiii. जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के प्रदर्शन में निरंतर गिरावट आई है और क्षति की तिमाही जांच किए जाने की आवश्यकता है।

xxiv. हितबद्ध पक्षकार ने कोई कारण नहीं बताया है कि वर्ष 2021-22 एक असामान्य अवधि क्यों थी। देश में मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को देखते हुए आवेदक द्वारा क्षमता विस्तार किया गया है।

xxvi. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि 22% के प्रतिफल पर विचार नहीं किया जाना चाहिए, तो घरेलू उद्योग इस बात से सहमत है कि प्राधिकारी को आवेदक द्वारा अर्जित नियोजित पूंजी पर प्रतिफल के संबंध में विचार करना चाहिए, जब कोई पाटन नहीं था। प्राधिकारी वर्ष 2021-22 और 2020-21 के दौरान आवेदक द्वारा अर्जित की गई नियोजित पूंजी पर औसत प्रतिफल पर विचार कर सकते हैं।

xxvii. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि संचयी आकलन नहीं किया जाना चाहिए, रूसी आयात घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद और अन्य संबद्ध देशों से किए गए आयात के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं और संचयी आकलन की शर्तें पूरी होती हैं।

छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

58. अनुबंध II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 के तहत यह प्रावधान है कि क्षति निर्धारण करने में उन कारकों की जांच शामिल होगी जो घरेलू उद्योग को क्षति होने का संकेत दे सकते हैं, "... सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, जिनमें पाठित किए गए आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनका प्रभाव और ऐसे आयातों का ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर उसका परिणामी प्रभाव शामिल है..."। कीमतों पर पाठित किए गए आयातों के प्रभाव पर विचार करते हुए, यह जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाठित किए गए आयातों से महत्वपूर्ण कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों को अन्यथा महत्वपूर्ण मात्रा में कम करने के लिए अथवा कीमत वृद्धि को रोकने के लिए है, जो अन्यथा महत्वपूर्ण मात्रा में हो सकती थी। भारत में घरेलू उद्योग पर पाठित किए गए आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए, उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले ऐसे संकेतकों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, वस्तुसूची, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि पर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II के अनुसार विचार किया गया है।

59. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों और प्रतितर्कों की जांच की है। प्राधिकारी द्वारा किया गया क्षति विश्लेषण यहां हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न आवेदनों को संबोधित करता है।

60. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि दावा की गई क्षति नई क्षमता के कारण है जो इष्टतम स्तर पर संचालन नहीं कर रही है। नीचे दी गई तालिका दोनों संयंत्रों के लिए घरेलू उद्योग की प्रति इकाई लाभप्रदता को दर्शाती है। जबकि प्राधिकारी को घरेलू समान उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग के संचालन को होने वाली क्षति की समग्र रूप से जांच किए जाने की आवश्यकता है, अतः यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग को दोनों संयंत्रों के संबंध में लाभप्रदता में महत्वपूर्ण गिरावट का सामना करना पड़ा है। यह भी देखने में आया है कि घरेलू उद्योग ने पुराने संयंत्र की तुलना में नए संयंत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है। अतः यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाता।

क्र. सं.	विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
1	कुरकुम्भ संयंत्र	₹/ मी टन	***	***	***	(***)
2	दाहेज संयंत्र	₹/ मी टन	***	***	***	***

61. हितबद्ध पक्षों द्वारा यह भी तर्क दिया गया है कि दावा की गई क्षति क्षमता विस्तार के कारण से हुई है जिसके कारण अधिक मूल्यहास और ब्याज लागत हुई है। नीचे दी गई तालिका में ब्याज लागत, ब्याज पूर्व लाभ, मूल्यहास, नकदी लाभ और मूल्यहास एवं ब्याज पूर्व लाभ को दर्शाया गया है। यह देखने में आया है कि आवेदक द्वारा क्षमता विस्तार किए जाने पर ब्याज और मूल्यहास लागत वर्ष 2021-22 में कम हुई, वर्ष 2022-23 में वृद्धि हुई लेकिन जांच की अवधि के दौरान पुनः कम हो गई। यह भी देखने में आया है कि जांच की अवधि में ब्याज पूर्व

लाभ और नकदी लाभ में भी गिरावट आई है। अतः यह तर्क कि घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का कारण क्षमता विस्तार है, इसके समर्थन में कोई डेटा नहीं है।

क्र. सं.	विवरण	यूआएम	2020-21	2021-22	2022-23	जाच की अवधि
1	ब्याज लागत	₹/ मी टन	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	49	57	50
3	ब्याज पूर्व लाभ	₹/ मी टन	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	16	8	0
5	मूल्यहास	₹/ मी टन	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	116	235	183
7	नकदी लाभ	₹/ मी टन	***	***	***	***
8	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	19	14	5
9	मूल्यहास और ब्याज पूर्व लाभ	₹/ मी टन	***	***	***	***
10	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	19	15	5

62. हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि क्षतिरहित कीमत का निर्धारण करने के लिए नियोजित पूँजी पर 22% प्रतिफल पर विचार नहीं किया जाना चाहिए। घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया था कि वे उस अवधि के दौरान, जब कोई पाटन नहीं हुआ था। घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित प्रतिफल पर विचार करें। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध III के अंतर्गत इस संबंध में संगत दिशानिर्देश अच्छी तरह से निर्धारित किए गए हैं। प्राधिकारी ने निरंतर नियोजित पूँजी पर 22% प्रतिफल की अनुमति दी है और चूंकि उन्हें अपनी स्थापित प्रथा से हटकर काम करने का कोई उचित कारण नहीं दिखाई देता, अतः वर्तमान जांच में भी इसे ही अपनाया गया है।

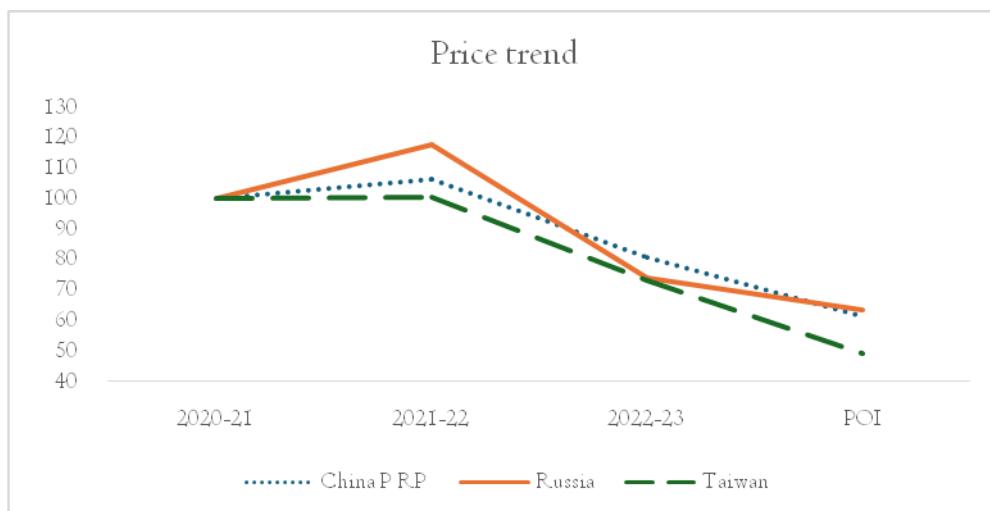
63. डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद 3.3 और नियमावली के अनुबंध II के पैरा (iii) में यह प्रावधान है कि ऐसे मामले में जहां पर एक से अधिक देशों से किसी उत्पाद के आयात पर एक साथ पाटनरोधी जांच की जा रही हो, प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी तौर पर आकलन करेंगे, यदि यह निर्धारित किया जाता है कि :

क. प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में स्थापित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों का तीन प्रतिशत (या अधिक) है अथवा जहां पर अलग-अलग देशों का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है, वहां पर संचित तौर पर आयात समान वस्तु के आयातों का सात प्रतिशत से अधिक है, और

ख. आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी तौर पर आकलन किया जाना उचित है।

64. रूस में प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के संबंध में, प्राधिकारी ने यह पाया है कि रूस से आयातित विचाराधीन उत्पाद को प्रसंस्करण किए जाने के बाद घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद के साथ प्रतिस्पर्धा में बेचा जाता है। यह घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद के समान वस्तु है और दोनों ही तकनीकी और वाणिज्यिक दृष्टि से तुलनात्मक हैं।

रिकॉर्ड पर उपलब्ध सूचना से यह पता चलता है कि आयातित उत्पाद को शुद्ध किया जाता है और उसके बाद उसे घरेलू उद्योग, भारत में अन्य उत्पादकों और अन्य संबद्ध देशों से आयात करके बेचे गए उत्पाद के साथ प्रतिस्पर्धा में बेचा जाता है। इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सभी संबद्ध देशों से आयात कीमत में समान वृद्धि हुई है, जैसा कि नीचे दिए गए ग्राफ में दर्शाया गया है।



65. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि :

- क. संबद्ध वस्तुओं को संबद्ध देशों से भारत में पाटित किया जा रहा है। प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन नियमावली के तहत निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है।
- ख. प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा आयातों की कुल मात्रा के 3% से अधिक है।
- ग. आयातों के प्रभावों का संचयी रूप से आकलन किया जाना उचित है क्योंकि संबद्ध देशों से आयातों की न केवल उनमें से प्रत्येक देश द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली समान वस्तुओं के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा होती हैं, बल्कि भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली समान वस्तुओं के साथ भी प्रतिस्पर्धा होती हैं।

66. उपरोक्त को देखते हुए, प्राधिकारी इस पर विचार करते हैं कि घरेलू उद्योग पर चीन जन. गण., रूस और ताइवान से संबद्ध वस्तुओं के पाटित किए गए आयातों के प्रभाव का संचयी रूप से आकलन करना उचित है।

छ.3.1 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

क) मांग/ स्पष्ट खपत का आकलन

67. प्राधिकारी ने भारत में संबंधित उत्पाद की मांग अथवा स्पष्ट खपत को घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री, समर्थकों की घरेलू बिक्री, अन्य भारतीय उत्पादकों की अनुमानित बिक्री और सभी स्रोतों से आयातों के योग के रूप में परिभाषित किया है। रूस के लिए आयातों मात्रा पर कैरव केमोफार्ब इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा सूचित की गई मात्रात्मक हानि पर विचार किए जाने के बाद विचार किया गया है। चूंकि अन्य देशों से कम शुद्धता के आयातों के लिए भी कोई सूचना प्रदान नहीं की गई है, अतः उसी मात्रात्मक हानि पर विचार किया गया है।

68. इस प्रकार आकलित मांग नीचे दी गई तालिका में दी गई है।

क्र. सं.	विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
1	घरेलू उद्योग की विक्री	मी टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	135	163
2	समर्थकों की विक्रियां	मी टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	55	38	31
3	अन्य उत्पादक	मी टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	678	374	329
4	संबद्ध देशों से आयात	मी टन	13,192	13,499	9,960	14,700
5	अन्य देशों से आयात	मी टन	3,954	4,342	2,259	3,551
6	कल मांग	मी टन	***	***	***	***

69. यह देखने में आया है कि वर्ष 2021-22 में मांग में वृद्धि हुई, 2022-23 में कमी आई और जांच की अवधि में पुनः वृद्धि हो गई। घरेलू उद्योग ने यह कहा कि कोविड के बाद रिकवरी के चलते वर्ष 2021-22 में कुछ खपत में वृद्धि हुई थी, साथ ही वर्ष 2021-22 में भी पक्षकारों द्वारा कुछ अधिक खरीद भी की गई थी और वास्तविक खपत के आंकड़ों में दर्शाई गई सीमा तक वृद्धि नहीं हुई। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि 2021-22 के अंत में उपभोक्ताओं के पास कुछ सामग्री स्टॉक में रह गई थी, जिसका उपभोग वर्ष 2022-23 में किया गया था, जिससे वर्ष 2022-23 में खपत के आंकड़ों में कमी आई। हितबद्ध पक्षकारों का घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध पर कोई विवाद नहीं है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि क्षति अवधि में मांग में वृद्धि हुई है।

ख) संबद्ध देशों से आयात की मात्रा

70. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी को यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयात में, चाहे निरपेक्ष रूप से हो अथवा भारत में उत्पादन या खपत के सापेक्ष हो, कोई उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। क्षति विश्लेषण के प्रयोजन के लिए, प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त लेनदेन-वार आयात संबंधी आंकड़ों पर भरोसा किया है। क्षति जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा और पाटित आयात का हिस्सा इस प्रकार है :

क्र. सं.	विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
1	संबद्ध देश	मी टन	13,192	13,499	9,960	14,700
क	चीन जन. गण.	मी टन	9,851	9,853	7,278	10,743
ख	रूस	मी टन	1,276	1,798	1,732	2,215
ग	ताइवान	मी टन	2,065	1,847	951	1,742

2	अन्य देश	मी टन	3,954	4,342	2,259	3,551
3	निम्नलिखित के संबंध में आयात					
क	भारतीय उत्पादन	%	***	***	***	***
ख	भारतीय मांग	%	***	***	***	***
ग	कुल आयात	%	***	***	***	***

71. यह देखा गया है कि वर्ष 2021-22 में संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हुई है। आयात में वृद्धि मांग में वृद्धि के अनुरूप थी। वर्ष 2022-23 में आयातों में गिरावट आई लेकिन जांच की अवधि में पुनः वृद्धि हुई है। आयातों में यह वृद्धि विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि से अधिक है। जहां मांग में *** % की वृद्धि हुई है, वहीं आयातों में ***% की वृद्धि हुई है।

72. यह बताया गया है कि देश में मांग और आपूर्ति के अंतर की मौजूदगी के कारण वर्ष 2020-21 और 2021-22 में आयातों की मात्रा अधिक थी। रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से यह देखा गया है कि वर्ष 2020-21 में क्षमता करीब [***] मी टन] थी। घरेलू उद्योग ने [***] करोड़] रुपये के निवेश के साथ [***] मी टन] का एक नया संयंत्र स्थापित करके अपनी क्षमता का विस्तार किया है। समर्थक जिंदल स्पेशियलिटी केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड ने भी [***] करोड़] रुपये से अधिक का निवेश किया है और [***] मी टन] की एक नई क्षमता की स्थापना की है। इस प्रकार, देश में नई और पर्याप्त क्षमताओं की स्थापना किए जाने के बाद भी, जांच की अवधि में संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हुई है।

73. यह भी देखा गया है कि उत्पादन और खपत के संबंध में आयात वर्ष 2021-22 में कम हुए हैं और वर्ष 2022-23 में और भी कमी आई है तथा जांच की अवधि में पुनःवृद्धि हो गई है। जबकि आधार वर्ष की तुलना में खपत के संबंध में आयात में कमी आई है, ऐसा घरेलू उद्योग और अन्य उत्पादकों द्वारा की गई क्षमता वृद्धि के कारण हुआ है। तत्काल पूर्व के वर्ष की तुलना में, संबद्ध देशों से आयातों में उत्पादन के संबंध में *** % की वृद्धि हुई है, जबकि खपत के संबंध में *** % की वृद्धि हुई है।

छ.3.2 पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

74. नियमावली के अनुबंध II (ii) के अनुसार, पाटित आयातों की कीमतों पर प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी को यह विचार करना आवश्यक है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित किए गए आयातों के कारण कीमत में महत्वपूर्ण कटौती हुई है, अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों को महत्वपूर्ण सीमा तक कम करने अथवा कीमत वृद्धि को रोकने के लिए है, जो अन्यथा महत्वपूर्ण मात्रा में हो सकती थी।

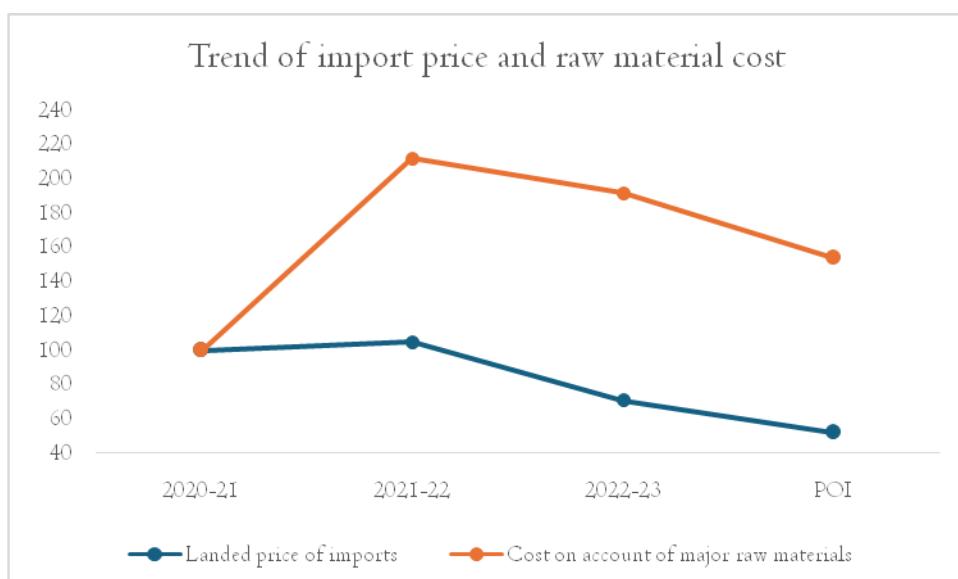
क) मूल्य का विकास

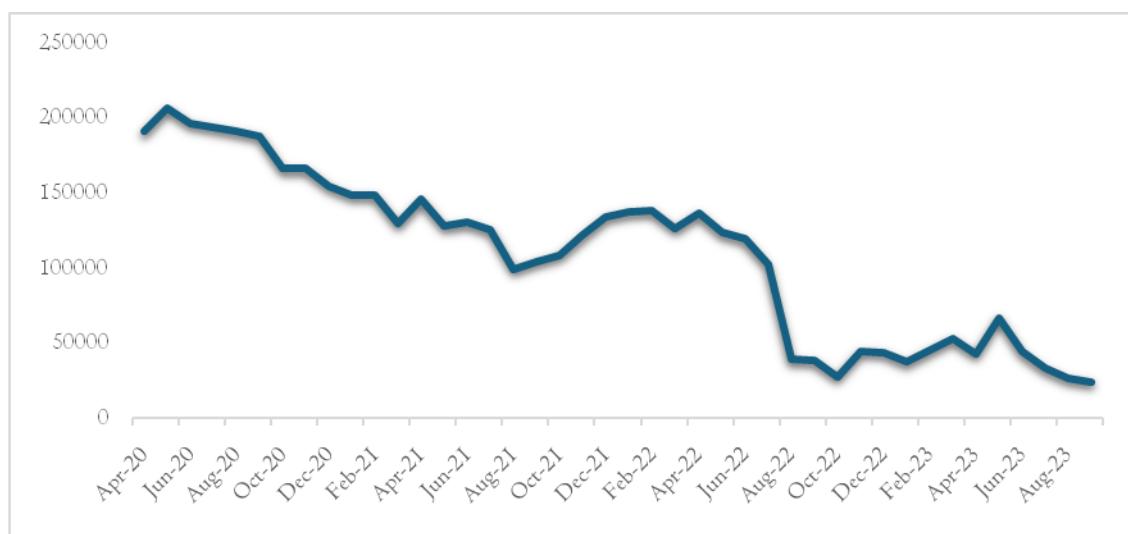
75. नीचे दी गई तालिका में भारत में आयात कीमत और दो प्रमुख कच्ची सामग्रियों की वैश्विक कीमतों के संबंध में सूचना को दर्शाया गया है।

क्र. सं.	विवरण	यूआईएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
1	आयातों की पहुंच कीमत	यूएसडी/ मीटन	3,378	3,586	2,480	1,822
2	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	73	54
3	वैश्विक एसिटिक एसिड की कीमतें	यूएसडी/ मीटन	446	911	718	610
4	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	204	161	137
5	वैश्विक एनहाइड्रस अमोनिया की कीमतें	यूएसडी/ मीटन	268	699	1,033	709
6	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	261	385	265
7	प्रमुख कच्ची सामग्रियों के संबंध में लागत	यूएसडी/ मीटन	833	1,768	1,600	1,286
8	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	212	192	154

स्रोत ट्रेडमैप डेटा के अनुसार वैश्विक आयात कीमत

76. यह देखने में आया है कि वर्ष 2021-22 में कच्ची सामग्री की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है, लेकिन आयातों की पहुंच कीमत में उसी दर से वृद्धि नहीं हुई। वर्ष 2022-23 में कच्ची सामग्री की कीमतों में गिरावट आई है। तथापि, पहुंच कीमत में भी गिरावट आई है। जांच की अवधि में गिरावट की प्रवृत्ति जारी रही है।





ख) कीमत कटौती

77. कीमत कटौती का निर्धारण करने के लिए जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की तुलना आयातों की पहुंच कीमत से की गई है। नीचे दी गई तालिका में प्रत्येक संबद्ध देश के लिए कीमत कटौती दर्शाई गई है। इसके अलावा, कीमत कटौती जांच की अवधि की प्रत्येक तिमाही के लिए निर्धारित की गई है।

चीन

क्र. सं.	विवरण	यूओएम	तीसरी तिमाही 2022-23	चौथी तिमाही 2022-23	पहली तिमाही 2023-24	दूसरी तिमाही 2023-24	जांच की अवधि
1	आयात मात्रा	मी टन	2,579	2,080	2,314	3,770	10,743
2	बिक्री कीमत	₹/ मी टन	***	***	***	***	
3	पहुंच कीमत	₹/ मी टन	184,286	172,830	151,178	128,635	155,406
4	कीमत कटौती	₹/ मी टन	***	***	***	***	***
5	कीमत कटौती	%	***	***	***	***	***
6	कीमत कटौती	रेंज	0-10%	0-10%	0-10%	0-10%	0-10%

ताइवान

क्र. सं.	विवरण	यूओएम	तीसरी तिमाही 2022-23	चौथी तिमाही 2022-23	पहली तिमाही 2023-24	दूसरी तिमाही 2023-24	जांच की अवधि
1	आयात मात्रा	मी टन	38	466	498	740	1,742
2	बिक्री कीमत	₹/ मी टन	***	***	***	***	
3	पहुंच कीमत	₹/ मी टन	193,548	192,791	147,064	128,783	152,557
4	कीमत कटौती	₹/ मी टन	***	(***)	***	***	***
5	कीमत कटौती	%	***	(***)	***	***	***

6	कीमत कटौती	रेंज	0-10 %	(0-10) %	0-10%	0-10%	0-10%
---	------------	------	--------	----------	-------	-------	-------

रुप

क्र. सं.	विवरण	यूओएम	तीसरी तिमाही 2022-23	चौथी तिमाही 2022-23	पहली तिमाही 2023-24	दूसरी तिमाही 2023-24	जांच की अवधि
1	आयात मात्रा	मी टन	542	351	868	454	2,215
2	बिक्री कीमत	₹/ मी टन	***	***	***	***	
3	पहुंच कीमत	₹/ मी टन	139,481	134,602	138,116	112,777	132,697
4	कीमत कटौती	₹/ मी टन	***	***	***	***	***
5	कीमत कटौती	%	***	***	***	***	***
6	कीमत कटौती	रेंज	30-40%	30-40%	10-20%	20-30%	20-30%

समग्र रूप से संबद्ध देश

क्र. सं.	विवरण	यूओएम	तीसरी तिमाही 2022-23	चौथी तिमाही 2022-23	पहली तिमाही 2023-24	दूसरी तिमाही 2023-24	जांच की अवधि
1	आयात मात्रा	मी टन	3,159	2,897	3,679	4,964	14,700
2	बिक्री कीमत	₹/ मी टन	***	***	***	***	
3	पहुंच कीमत	₹/ मी टन	176,713	171,412	147,541	127,207	151,648
4	कीमत कटौती	₹/ मी टन	***	***	***	***	***
5	कीमत कटौती	%	***	***	***	***	***
6	कीमत कटौती	रेंज	0-10%	0-10%	0-10%	0-10%	0-10%

78. यह देखा गया है कि जांच की अवधि के दौरान कीमत कटौती में उतार-चढ़ाव आया है। समग्र रूप से, यह देखा गया है कि कीमत कटौती सकारात्मक है।

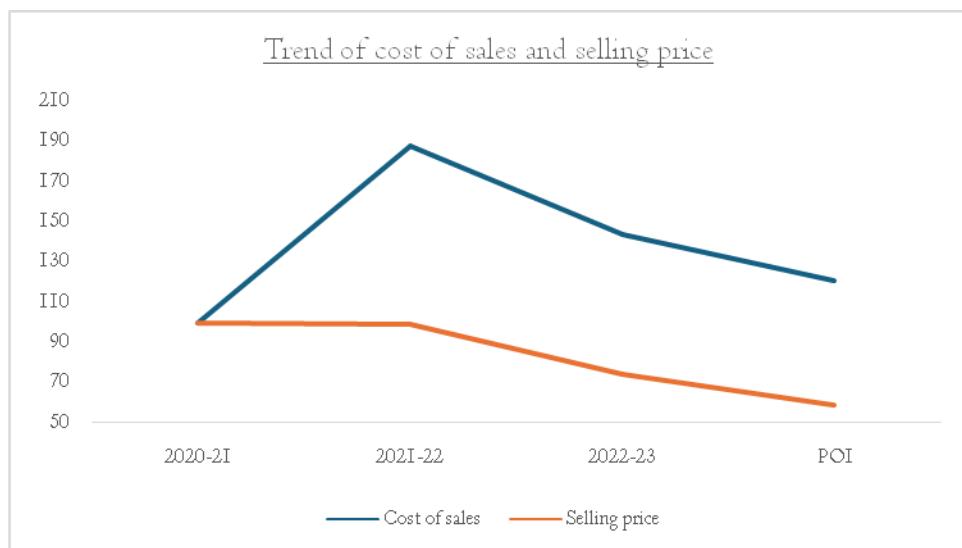
ग) कीमत दबाव/ कमी

79. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयातों से घरेलू कीमतों में कमी आ रही है और क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों को महत्वपूर्ण रूप से कम करने के लिए है अथवा कीमत वृद्धि को रोकने के लिए है जो अन्यथा सामान्य रूप से हो गई होती, क्षति अवधि के दौरान लागत और कीमतों में हुए परिवर्तनों की तुलना नीचे दी गई है।

क्र. सं.	विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
1	बिक्रियों की लागत	₹/ मी टन	***	***	***	***

2	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	188	144	121
3	परिवर्तन	₹/ मी टन		***	(***)	(***)
4	बिक्री कीमत	₹/ मी टन	***	***	***	***
5	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	74	59
6	परिवर्तन	₹/ मी टन		(***)	(***)	(***)

80. यह देखने में आया है कि वर्ष 2021-22 में घरेलू उद्योग की बिक्री लागत में [***] रुपये प्रति मीट्रिक टन की वृद्धि हुई है, बिक्री कीमत में [***] रुपये प्रति मीट्रिक टन की गिरावट आई है। वर्ष 2022-23 में बिक्री लागत में [***] रुपये प्रति मीट्रिक टन की गिरावट आई है और बिक्री कीमत में [***] रुपये प्रति मीट्रिक टन की और भी गिरावट आई है। जांच की अवधि में बिक्री लागत में [***] रुपये प्रति मीट्रिक टन की और भी गिरावट आई है और बिक्री कीमत में भी [***] रुपये प्रति मीट्रिक टन की गिरावट आई है। क्षति अवधि के दौरान बिक्री लागत में वृद्धि हुई है लेकिन बिक्री कीमत में गिरावट आई है। अतः आयातों के कारण क्षति अवधि के दौरान बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव और कमी आई है।



छ.3.3 घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

81. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में यह आवश्यक है कि क्षति का निर्धारण करने में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव की एक उद्देश्यपरक जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में, नियमावली में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव ढालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों का उद्देश्यपरक और निष्पक्ष आकलन करना शामिल होना चाहिए, जिसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार अंश, उत्पादकता, निवेश पर प्रतिफल अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट शामिल है; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन के मार्जिन की मात्रा; नकदी प्रवाह, वस्तुसूची, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों के संबंध में नीचे उल्लेख किया गया है।

क) उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा

82. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग इस प्रकार थे:

क्र. सं.	विवरण	इकाई	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
1	स्थापित क्षमता	मीटन	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	147	245	238
3	उत्पादन	मीटन	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	134	163
5	क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	82	55	68
7	घरेलू बिक्रियां	मीटन	***	***	***	***
8	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	135	163
9	निर्यात बिक्रियां	मीटन	***	***	***	***
10	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	172	157

83. यह देखा गया है कि :

- क. घरेलू उद्योग ने 150 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 16,500 मीट्रिक टन के एक नए संयंत्र की स्थापना की है। यह बताया गया है कि देश में मांग और आपूर्ति के अंतर की पूर्ति करने के लिए क्षमता स्थापित की गई थी।
- ख. घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में वर्ष 2022-23 तक कमी आई है लेकिन जांच की अवधि में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग जांच की अवधि में महत्वपूर्ण निष्क्रिय क्षमता के साथ काम कर रहा है।
- ग. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन में लगातार वृद्धि हुई है। तथापि, उत्पादन में वृद्धि उन स्तरों से काफी कम है जो घरेलू उद्योग द्वारा हासिल किए जा सकते थे, यदि यह आधार वर्ष के समान क्षमता उपयोग के स्तर पर संचालित होता।
- घ. घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में भी क्षति अवधि के दौरान वृद्धि देखने में आई है। तत्काल पूर्व वर्ष 2022-23 की तुलना में, जांच की अवधि में घरेलू बिक्री में [***] मीट्रिक टन की वृद्धि हुई है लेकिन मांग में [***] मीट्रिक टन की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, जांच अवधि में घरेलू बिक्री की मात्रा में वृद्धि विगत वर्ष की तुलना में संबद्ध आयातों में वृद्धि की तुलना में काफी कम है।
- ड. घरेलू उद्योग ने यह बताया है कि प्रतिकूल बाजार स्थितियां होने के कारण, कुरुकुंभ संयंत्र को [***] दिनों तक बंद रखना पड़ा और कई ग्राहक ऐसे निर्यातकों के पास चले गए जो पाटित कीमतों पर बिक्री कर रहे हैं।

84. नीचे दी गई तालिका में जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन और घरेलू बिक्री के तिमाही विकास को दर्शाया गया है।

क्र. सं.	विवरण	इकाई	तीसरी तिमाही 2022-23	चौथी तिमाही 2022-23	पहली तिमाही 2023-24	दूसरी तिमाही 2023-24
1	स्थापित क्षमता	मी टन	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	94	94
3	उत्पादन	मी टन	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	103	101
5	क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	109	108
7	घरेलू विक्रियां	मी टन	***	***	***	***
8	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	106	103
9	निर्यात विक्रियां	मी टन	***	***	***	***
10	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	64	120	97

85. यह देखा गया है कि वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही (जो जांच अवधि की दूसरी तिमाही है) में उत्पादन और घरेलू विक्रियों में वृद्धि हुई है। उसके बाद की दो तिमाहियों में उत्पादन में गिरावट आई है। घरेलू विक्रियों में भी इसी प्रकार की पद्धति रही है।

ब) बाजार अंश

86. घरेलू उद्योग, समर्थकों, अन्य घरेलू उत्पादक, संबद्ध देशों से आयातों और अन्य देशों से आयातों का बाजार अंश नीचे दी गई तालिका में दिया गया है :

क्र. सं.	विवरण	इकाई	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
1	घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	147	137
3	समर्थक	%	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	51	41	26
5	अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	625	407	275
7	संबद्ध देश	%	***	***	***	***
8	अन्य देश	%	13%	13%	8%	10%

87. यह देखा गया है कि:

क. घरेलू उद्योग के बाजार अंश में वर्ष 2021-22 और 2022-23 में वृद्धि हुई है। विगत वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में घरेलू उद्योग के बाजार अंश में गिरावट आई है।

ख. जबकि घरेलू उद्योग के बाजार अंश में क्षति अवधि की तुलना में जांच की अवधि में वृद्धि देखने में आई है, जो केवल घरेलू उद्योग द्वारा स्थापित नए संयंत्र के कारण है।

ग. समर्थकों के बाजार अंश में क्षति अवधि के दौरान निरंतर गिरावट आई है।

घ. भारतीय उद्योग के बाजार अंश में वर्ष 2021-22 और 2022-23 में वृद्धि हुई है, लेकिन भारतीय बाजार में किए गए क्षमता विस्तार के बावजूद जांच की अवधि में इसमें गिरावट आई है। जबकि उद्योग में देश में पूरी मांग को पूरा करने की क्षमता है, आयातों से मांग की करीब 50% पूर्ति होती है।

ड. जबकि आयातों के बाजार अंश में वर्ष 2021-22 और 2022-23 में कमी आई है, इनमें जांच की अवधि में वृद्धि हुई है।

88. नीचे दी गई तालिका में जांच की अवधि के दौरान तिमाही बाजार अंश दर्शाया गया है।

क्र. सं.	विवरण	इकाई	तीसरी तिमाही 2022-23	चौथी तिमाही 2022-23	पहली तिमाही 2023-24	दूसरी तिमाही 2023-24
1	घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	90	76
3	समर्थक	%	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	85	74
5	अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	85	74
7	संबद्ध देश	%	***	***	***	***
8	अन्य देश	%	6%	8%	12%	12%

89. यह देखा गया है कि आवेदक के बाजार अंश में वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में वृद्धि हुई है, उसके बाद वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में कमी आई है और वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में और भी कमी आई है। जांच की अवधि की अंतिम तिमाही में आयातों के बाजार अंश में महत्वपूर्ण वृद्धि हो रही है।

ग) वस्तुसूची

90. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की वस्तुसूची की स्थिति नीचे दी गई तालिका में दी गई है:

क्र. सं.	विवरण	यूआई	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
1	प्रारंभिक वस्तुसूची	मी टन	***	***	***	***
2	अंतिम वस्तुसूची	मी टन	***	***	***	***
3	औसत वस्तुसूची	मी टन	***	***	***	***

4	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	284	374	232
---	-----------	----------	-----	-----	-----	-----

91. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के पास में वस्तुसूची में वर्ष 2021-22 में वृद्धि हुई जब उसने नए संयंत्र के लिए उत्पादन शुरू किया। तथापि, वर्ष 2022-23 में वस्तुसूची में वृद्धि हुई लेकिन जांच की अवधि में पुनः वृद्धि हुई है।

92. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि वस्तुसूची में वृद्धि इस तथ्य के कारण कम हुई है कि उसे अपने उत्पाद की मांग में कमी होने के कारण [***] दिनों के लिए एक संयंत्र के उत्पादन को रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा।

93. नीचे दी गई तालिका में क्षति अवधि में वस्तुसूची के तिमाही विकास को दर्शाया गया है।

क्र. सं.	विवरण	यूओएम	तीसरी तिमाही 2022-23	चौथी तिमाही 2022-23	पहली तिमाही 2023-24	दूसरी तिमाही 2023-24
1	प्रारंभिक वस्तुसूची	मी टन	***	***	***	***
2	अंतिम वस्तुसूची	मी टन	***	***	***	***
3	औसत वस्तुसूची	मी टन	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	145	173	181

94. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की औसत वस्तुसूची में वृद्धि हुई है।

घ) लाभप्रदता, नकदी लाभ और नियोजित पूँजी पर प्रतिफल

95. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, निवेश पर प्रतिफल और नकदी लाभ नीचे दी गई तालिका में दिए गए हैं:

क्र. सं.	विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
1	लाभ/ (हानि)	₹ लाख	***	***	***	(***)
2	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	18	11	0
3	पीबीआईटी	₹ लाख	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	18	11	1
5	नकदी लाभ	₹ लाख	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	21	19	8
7	निवेश पर प्रतिफल	%	***	***	***	***
8	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	9	5	0

96. यह देखने में आया है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है। जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में काफी गिरावट आई है, जिसके कारण हानि हुई है।

97. यह भी देखने में आया है कि घरेलू उद्योग को नकद लाभ और नियोजित पूँजी पर प्रतिफल में काफी गिरावट आई है। जबकि ब्याज और कर पूर्व लाभ, नकदी लाभ और निवेश पर प्रतिफल सकारात्मक हैं, जो बहुत कम हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने यह आरोप लगाया है कि घरेलू उद्योग को होने होने वाली क्षति घरेलू उद्योग द्वारा किए गए क्षमता विस्तार के कारण हो सकती है। जैसा कि पहले उल्लेख किया जा चुका है, मूल्यह्रास और ब्याज के प्रभाव को हटाने के बाद भी उद्योग की लाभप्रदता में काफी गिरावट आई है। अतः घरेलू उद्योग को हुई क्षति को किए गए क्षमता विस्तार के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

98. नीचे दी गई तालिका में क्षति अवधि में तिमाही लाभप्रदता को दर्शाया गया है।

क्र. सं.	विवरण	यूओएम	तीसरी तिमाही 2022-23	चौथी तिमाही 2022-23	पहली तिमाही 2023-24	दूसरी तिमाही 2023-24
1	लाभ/ (हानि)	₹/ मी टन	***	***	(***)	(***)
2	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	-44	-170
3	लाभ/ (हानि)	₹ लाख	***	***	(***)	(***)
4	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	-38	-159
5	पीबीआईटी	₹ लाख	***	***	66	-622
6	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	8	-76
7	नकदी लाभ	₹ लाख	***	***	(***)	(***)
8	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	-38	-159
9	निवेश पर प्रतिफल	%	***	***	***	***
10	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	9	5	0

99. यह देखने में आया है कि घरेलू उद्योग वर्ष 2022-23 की तीसरी और चौथी तिमाही (जांच अवधि की पहली दो तिमाहियों) में लाभ में था। वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही (जांच अवधि की तीसरी तिमाही) में हानि नकारात्मक हो गई है। जांच की अवधि की अंतिम तिमाही के दौरान हानियों में वृद्धि हो गई है।

100. यह भी देखने में आया है कि ब्याज और कर पूर्व लाभ और नकदी लाभ समग्र रूप से जांच की अवधि में सकारात्मक थे। जो 2023-24 की पहली तिमाही (जांच अवधि की तीसरी तिमाही) और जांच अवधि की अंतिम तिमाही के दौरान नकारात्मक हो गए हैं। जांच की अवधि के अंत में नियोजित पूँजी पर प्रतिफल भी काफी नकारात्मक है।

इ) रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी

101. रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी नीचे दी गई तालिका में दर्शाई गई है: -

क्र. सं.	विवरण	यूओएम	2020-21	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
1	वेतन एवं मजदूरी	₹ लाख	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	80	74
3	कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	218	218	218
5	प्रति दिन उत्पादकता	मीटन / दिन	***	***	***	***
6	प्रतिदिन	सूचीबद्ध	100	161	134	163
7	प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मीटन/ संख्या	***	***	***	***
8	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	55	61	75

102. यह देखने में आया है कि उत्पादन में वृद्धि होने के साथ ही प्रति दिन और प्रति कर्मचारी उत्पादकता में सुधार आया है। इसके अलावा, आवेदक द्वारा क्षमता विस्तार किए जाने के कारण रोजगार उत्पन्न हुआ है क्योंकि कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने इस संबंध में क्षति का दावा नहीं किया है।

च) वृद्धि

103. वृद्धि के संबंध में सूचना नीचे दी गई तालिका में दी गई है:-

क्र. सं.	विवरण	यूओएम	2021-22	2022-23	जांच की अवधि
1	क्षमता	%	***	***	(***)
2	संयंत्र उत्पादन	%	***	***	***
3	घरेलू बिक्री	%	***	***	***
4	औसत वस्तुसूची	%	***	***	(***)
5	प्रति इकाई लाभ/ (हानि)	%	(***)	(***)	(***)
6	लाभ/ (हानि) लाख रुपये	%	(***)	(***)	(***)
7	कर पूर्व लाभ लाख रुपये	%	(***)	(***)	(***)
8	नकदी लाभ लाख रुपये	%	(***)	(***)	(***)
9	नियोजित पूँजी पर प्रतिफल	%	(***)	(***)	(***)

104. यह देखने में आया है कि लाभप्रदता, नकदी लाभ, पीवीआईटी और नियोजित पूँजी पर प्रतिफल सहित कीमत मापदंडों में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है।

छ) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

105. यह देखने में आया है कि घरेलू उद्योग ने दाहेज में संबद्ध वस्तुओं के लिए एक नया संयंत्र स्थापित किया था, जिसने वर्ष 2021-22 की तीसरी तिमाही में उत्पादन शुरू किया था। तथापि, आयातों के कारण आवेदक के प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित प्रतिफल [***] % से कम है, जो यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग की पूंजी जुटाने की क्षमता कमजोर हो गई है।

ज) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

106. यह देखने में आया है कि संबद्ध आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों और लागतों में कमी आ रही है। इसके परिणामस्वरूप, आयातों से घरेलू उद्योग को अपनी लागत से कम कीमतों पर बिक्री करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। घरेलू उद्योग भारत में अपनी लक्षित कीमत हासिल करने में असमर्थ है। यह तथ्य कि आयात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम कीमत पर आ रहे हैं तथा घरेलू उद्योग को लाभप्रदता में महत्वपूर्ण गिरावट का सामना करना पड़ा है, अतः यह पाटित किए गए आयातों के प्रतिकूल प्रभाव को स्थापित करता है। अतः संबद्ध देशों से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

i) पाटन की मात्रा

107. पाटन की मात्रा इस बात का सूचक है कि आयातों का भारत में किस सीमा तक पाटन किया जा रहा है। जांच से पता चला है कि जांच की अवधि के दौरान पाटन मार्जिन सकारात्मक और महत्वपूर्ण है।

छ.3.4 क्षति का समग्र आकलन

108. संबद्ध उत्पाद के आयातों और घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से पता चलता है कि:

- क. संबद्ध देशों से आयातों में जांच की अवधि में पिछले वर्ष की तुलना में निरपेक्ष और सापेक्ष दोनों ही दृष्टि से महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। जांच की अवधि की तिमाही अवधि के साथ तुलना में आयातों की मात्रा में अधिक वृद्धि देखने में आई है। समग्र रूप से, संबद्ध देशों से आयातों में क्षति अवधि के दौरान मामूली वृद्धि हुई है।
- ख. आयात कीमत आवेदक की बिक्री कीमत से कम है, जिसके कारण सकारात्मक कीमत कटौती हुई है।
- ग. जांच की अवधि में बिक्री की लागत में कमी आई है, जबकि बिक्री कीमत में गिरावट अधिक है। घरेलू उद्योग की कीमतों में कमी आई हैं।
- घ. आवेदक का उत्पादन और क्षमता उपयोग आवेदक की स्थापित क्षमता से काफी कम है।
- च. जांच की अवधि में आवेदक के बाजार अंश में कमी आई है, जबकि संबद्ध देशों के अंश में वृद्धि हुई है। आवेदक अपनी स्थापित क्षमता के अनुरूप अपने बाजार अंश में वृद्धि करने में असमर्थ है।
- च. उत्पादन को रोके जाने के बावजूद आवेदक के पास काफी मात्रा में अतिरिक्त वस्तुसूची बची हुई है।
- छ. आवेदक को वित्तीय हानि हुई है।
- ज. आवेदक के नकदी लाभ में गिरावट आई है और नियोजित पूंजी पर प्रतिफल में भी महत्वपूर्ण गिरावट आई है।
- झ. आवेदक की वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, क्योंकि अधिकांश मात्रात्मक मापदंडों में सुधार आया है, लेकिन अपेक्षित स्तर से नीचे हैं तथा कीमत संबंधी मापदंडों में भी महत्वपूर्ण गिरावट आई है।

ज. तिमाही आधार पर आवेदक की लाभप्रदता में निरंतर गिरावट आई है। आवेदक पहली दो तिमाहियों (जो कम थीं) में लाभ में था। जांच की अवधि की अंतिम दो तिमाहियों में गंभीर हानि में आ गया है।

ट. ब्याज पूर्व लाभ, नकदी लाभ और नियोजित पूंजी पर प्रतिफल जांच की अवधि में मामूली रूप से सकारात्मक रहा है, लेकिन तिमाही आधार पर देखा जाए तो पिछली दो तिमाहियों में नकारात्मक हो गया है।

ठ. पूंजी जुटाने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

ज. जे. गैर-आरोपण विश्लेषण

109. नियमावली के अनुसार, प्राधिकारी को अन्य के साथ-साथ, पाटित आयातों के अलावा ऐसे किसी अन्य ज्ञात कारक की जांच करने की आवश्यकता है जिसके कारण उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति हो रही हो ताकि इन अन्य कारकों से होने वाली क्षति को पाटित आयातों के लिए जिम्मेदार न ठहराया जा सके। इस संबंध में जो कारक संगत हो सकते हैं, उनमें अन्य के साथ-साथ, पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमतें, मांग में कमी अथवा उपभोग की पद्धति में परिवर्तन, विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में विकास और निर्यात प्रदर्शन तथा घरेलू उद्योग की उत्पादकता शामिल हैं। नीचे यह जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों के अलावा अन्य कारकों का भी क्षति में योगदान हो सकता है, जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

क. तीसरे देशों से आयात की मात्रा और कीमत

110. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि असंबद्ध देशों से आयात महत्वपूर्ण मात्रा में नहीं हैं। अतः क्षति तीसरे देशों से आयातों के कारण नहीं है।

ख. मांग में कमी

111. विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि देखने में आई है। अतः मांग में गिरावट क्षति का कारण नहीं हो सकती। इस प्रकार, मांग में संभावित कमी होने के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

ग. खपत की पद्धति में परिवर्तन

112. विचाराधीन उत्पाद की खपत की पद्धति में कोई ज्ञात भौतिक परिवर्तन नहीं हुआ है।

घ. व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएँ

113. संबद्ध वस्तुओं की विक्री पर किसी भी तरह से प्रतिबंध नहीं है और कोई प्रतिबंधात्मक प्रथाएँ प्राधिकारी के ध्यान में नहीं लाई गई हैं।

इ. प्रौद्योगिकी में विकास

114. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई ज्ञात भौतिक परिवर्तन नहीं हुआ है।

च. उत्पादकता

115. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है। अतः घरेलू उद्योग को इस कारण से क्षति नहीं हुई है।

छ. निर्यात निष्पादन

116. आवेदक ने समान उत्पाद की घरेलू विक्री की तुलना में काफी कम निर्यात किया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के क्षति विक्षेपण के प्रयोजन के लिए घरेलू और निर्यात परिचालनों के लिए अलग-अलग आंकड़ों पर भरोसा किया है। इस प्रकार, निर्यात निष्पादन में संभावित गिरावट उपरोक्त मानी गई क्षति का कारण नहीं है।

ज. अन्य उत्पादों का निष्पादन

117. प्राधिकारी ने केवल संबद्ध वस्तुओं के निष्पादन के संबंध में आंकड़ों पर विचार किया है। अतः उत्पादित और विक्री किए गए अन्य उत्पादों का निष्पादन घरेलू उद्योग को क्षति होने का संभावित कारण नहीं है।

झ. कारणात्मक संबंध पर निष्कर्ष

118. जबकि नियमों के तहत सूचीबद्ध अन्य ज्ञात कारकों ने घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचाई है, अतः प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि निम्नलिखित मापदंड यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

- आयात कीमत में कच्ची सामग्री की लागत में परिवर्तन की प्रवृत्ति का अनुसरण नहीं किया गया है। जबकि क्षति अवधि के दौरान कच्ची सामग्री की लागत में वृद्धि हुई है, आयात कीमत में क्षति अवधि के दौरान अत्यधिक गिरावट आई है।
- जांच अवधि के दौरान देखा जाए तो आयात कीमत में गिरावट आई है और आयात की मात्रा में वृद्धि हुई है।
- भारतीय बाजार में निर्यात कीमत सामान्य मूल्य से कम है।
- जांच की अवधि में आयातों की पहुंच कीमत आवेदक की विक्री कीमत से कम रही है, जिसके परिणामस्वरूप सकारात्मक कीमत कटौती हुई है।
- जांच की अवधि में आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की विक्री लागत से कम है, जिसके कारण घरेलू उद्योग पर्याप्त लाभकारी कीमतों पर विक्री करने में असमर्थ रहा है।

- vi. पाठित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। जांच की अवधि में आवेदक को हानि हुई है।
- vii. आयातों के बाजार अंश में वृद्धि हुई है और आवेदक के अंश में कमी आई है।
- viii. आवेदक का उत्पादन तथा क्षमता उपयोग आवेदक की स्थापित क्षमता से काफी कम है।
- ix. चूंकि तिमाही आधार पर आयात कीमत में गिरावट आई है, अतः आयात मात्रा में वृद्धि हुई है।
- x. तिमाही आधार पर आयात मात्रा में वृद्धि होने के साथ, ही घरेलू उद्योग के बाजार अंश में गिरावट आई है।
- xi. आयात कीमत में अत्यधिक गिरावट आने के साथ ही, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भी गिरावट आई है। घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि की अंतिम दो तिमाहियों में हानि, नकदी हानि और नियोजित पूंजी पर नकारात्मक प्रतिफल दर्ज किया है।

119. अतएव प्राधिकारी का मानना है कि घरेलू उद्योग को क्षति डंपिंग के कारण हुई है।

ज्ञ. क्षति मार्जिन की मात्रा

- 120. प्राधिकारी ने संशोधित अनुबंध III के साथ पठित नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत का निर्धारण किया है। विचाराधीन उत्पाद की क्षतिरहित कीमत का निर्धारण जांच की अवधि के लिए उत्पादन की लागत से संबंधित सत्यापित सूचना/ आंकड़ों को अपनाकर किया गया है। क्षति मार्जिन की गणना के लिए संबद्ध देश से प्राप्त कीमत की तुलना करने के लिए क्षतिरहित कीमत पर विचार किया गया है। क्षतिरहित कीमत का निर्धारण करने के लिए, क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा कच्ची सामग्री के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। यूटिलिटी के साथ भी यही व्यवहार किया गया है। क्षति अवधि के दौरान उत्पादन क्षमता के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। यह सुनिश्चित किया गया है कि उत्पादन की लागत पर कोई असाधारण अथवा अनावर्ती व्यय नहीं लगाया जाए। विचाराधीन उत्पाद के लिए औसत नियोजित पूंजी (अर्थात औसत निवल अचल संपत्तियां तथा औसत कार्यशील पूंजी) पर उचित प्रतिफल (कर-पूर्व @ 22%) को कर-पूर्व लाभ के रूप में अनुमत किया गया था, ताकि नियमावली के अनुबंध III में निर्धारित क्षतिरहित कीमत प्राप्त की जा सके तथा उसका पालन किया जा सके।
- 121. सहकारी निर्यातकों के लिए पहुंच कीमत निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर निर्धारित की गई है। संबद्ध देशों के सभी गैर-सहकारी उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए, प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पहुंच कीमत का निर्धारण किया है।
- 122. रूस के मामले में, आयातित विचाराधीन उत्पाद 98% शुद्धता का है, अतः निष्पक्ष तुलना के प्रयोजनों के लिए, प्राधिकारी रूस की आयात कीमत में 98% से 99.9% शुद्धता वाले एसिटोनाइट्राइल में हुई मात्रात्मक हानि और कनवर्सन लागत का समायोजन करने का प्रस्ताव करते हैं तथा तदनुसार पहुंच कीमत की गणना करते हैं।
- 123. उपर्युक्तानुसार निर्धारित पहुंच कीमत और क्षतिरहित कीमत के आधार पर, प्राधिकारी द्वारा उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन निर्धारित किया गया है और उसे नीचे दी गई तालिका में दिया गया है:

क्र. सं.	उत्पादक	एनआईपी	पहुंच	क्षति मार्जिन		
		यूएसडी/ मी टन	यूएसडी/ मी टन	यूएसडी/ मी टन	%	(रेंज)
क	चीन					
1	शेडोंग कुंडा बायोटेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	10-20%
2	नान्चाँना लियांग केमिकल कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	10-20%
3	वेफांग झोंगहुई केमिकल कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	10-20%
4	कोई अन्य उत्पादक	***	***	***	***	20-30%
ख	रूस					
1	कोई उत्पादक	***	***	***	***	10-20%
ग	ताइवान					
1	कोई उत्पादक	***	***	***	***	10-20%

ज. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

ज.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

124. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने भारतीय उद्योग के हित के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान किए गए प्रभाव की मात्रात्मकता गलत है क्योंकि उसने जान बूझकर अधिक कीमत के डाउनस्ट्रीम उत्पादों पर विचार किया है।

ज.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

125. घरेलू उद्योग ने भारतीय उद्योग के हित के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- पाटनरोधी के प्रयोजन को माननीय उच्चतम न्यायालय ने पिछले मामलों में अच्छी तरह से मान्यता दी है।
- आवेदक के अलावा भारत में संबद्ध वस्तुओं के तीन अन्य उत्पादक हैं। इस प्रकार, कोई एकाधिकार नहीं होगा।
- भारत में असंबद्ध देशों से भी आयात होते हैं।
- पाटनरोधी शुल्क जारी रहने से यह प्रतिस्पर्धा और भी अधिक अधिक तेज हो जाएगी।
- डाउनस्ट्रीम उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव नगण्य है और 0.10% से 0.73% की रेंज में है।
- संबद्ध वस्तुएँ किसी भी उत्पाद के उत्पादन के लिए आवश्यक मूल कच्ची सामग्री नहीं हैं और इसे केवल अन्य उत्पादों के प्रसंस्करण में सोल्वेंट के रूप में शामिल किया जाता है।

- vii. एसिटोनाइट्राइल को अंततः प्रतिक्रिया प्रक्रिया समाप्त होने के बाद प्रतिक्रिया मिश्रण से रिकवर किया जाता है।
- viii. आवेदक ने यह दिखाने के लिए साक्ष्य दिए हैं कि लागू सोल्वेंट का 95% उत्पादक द्वारा रिकवर किया जाता है।
- ix. यदि निर्धारित उपभोग मापदंडों पर विचार किया जाता है, तो भी पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव नगण्य रहेगा।
- x. आवेदक ने *** करोड़ रुपये के निवेश के साथ *** मीटन का एक नया संयंत्र स्थापित करके अपनी क्षमता का विस्तार किया है और जिंदल स्पेशियलिटी केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड ने *** करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है।
- xi. आवेदक और समर्थकों की स्थापित क्षमता भारत में मांग से अधिक है।
- xii. विगत में संबद्ध आयातों की कीमतें जांच की अवधि की आयात संबंधी कीमतों में पाटनरोधी शुल्क को शामिल किए जाने के बाद प्राप्त कीमत की तुलना में अधिक थी।
- xiii. भारत में मांग और आपूर्ति के बीच किसी अंतर के बिना होने वाले आयातों से देश के व्यापार घाटे में वृद्धि हो रही है।
- xiv. शुल्क लगाया जाना समग्र जन हित में होगा।

ज.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

- 126. प्राधिकरण यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का प्राथमिक उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार प्रथाओं से घरेलू उद्योग को हुई क्षति को ठीक करना है, जिससे भारतीय बाजार में खुली और समान प्रतिस्पर्धा की स्थिति तैयार हो सके। पाटनरोधी उपायों को लागू करना संबद्ध देशों से आयातों को कम करने के लिए नहीं है। बल्कि, यह एक समान स्थिति सुनिश्चित करने के लिए एक व्यवस्था है। प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों के जारी रहने से भारत में उत्पाद के कीमत स्तर पर प्रभाव पड़ सकते हैं। तथापि, यह ध्यान दिया जाना महत्वपूर्ण है कि इन उपायों के जारी रहने से भारतीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति मौजूद रहेगी। प्रतिस्पर्धा को कम करने के बजाय, पाटनरोधी उपायों को लागू किए जाने से पाटन की प्रथाओं के माध्यम से अनुचित लाभों को रोकने का कार्य किया जाता है। इससे सबद्ध वस्तुओं के व्यापक चयन तक उपभोक्ताओं की पहुंच सुरक्षित रहती है। इस प्रकार, पाटनरोधी शुल्क कोई रुकावट नहीं हैं, बल्कि निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं के लिए सुविधा प्रदान करते हैं।
- 127. प्राधिकारी ने आयातों, प्रयोक्ताओं और उपभोक्ताओं सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों से विचार आमंत्रित करते हुए जांच शुरुआत अधिसूचना जारी की थी। घरेलू उद्योग, उत्पादकों/ निर्यातकों और आयातकों/ प्रयोक्ताओं/ उपभोक्ताओं सहित विभिन्न हितधारकों को वर्तमान जांच के संबंध में उनके संचालनों पर पाटनरोधी शुल्क के संभावित प्रभाव सहित संगत सूचना प्रदान करने की अनुमति देने के लिए एक आर्थिक हित प्रश्नावली भी निर्धारित की गई थी।
- 128. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं के किसी भी प्रयोक्ता ने प्राधिकारी के समक्ष जांच में भाग लेने अथवा आर्थिक हित प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए आगे कदम नहीं उठाया है। इसके अलावा, किसी भी पक्षकार ने लागू शुल्कों के प्रतिकूल प्रभाव को दर्शनि के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है।

129. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादकों ने संबद्ध वस्तुओं के विनिर्माण और भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए संयंत्र में अत्यधिक निवेश किया है। भारतीय उत्पादकों द्वारा स्थापित नई अतिरिक्त क्षमता से पहले, देश में मांग-आपूर्ति का अंतर था। तथापि, भारतीय उत्पादकों ने देश को आत्मनिर्भर बनाने और आयातों पर निर्भरता को कम करने के लिए निवेश किया है।

130. घरेलू उद्योग ने इस बात पर बल दिया है कि अंतिम उत्पाद पर शुल्कों का कम प्रभाव होने के कारण उपभोक्ताओं पर शुल्कों का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि अंतिम उपभोक्ताओं पर उपायों का प्रभाव इस प्रकार है: -

क्र. सं.	उत्पाद	एसिटोनाइट्राइल अंश (एसआईओन)	एसिटोनाइट्राइल लागत	उत्पाद कीमत (रुपए/ कि ग्रा)	यदि कीमत वृद्धि 10% तक है तो उसका प्रभाव
1	एम्पीसिलीन सोडियम स्टेराइल	1.41	***	***	0.10%
2	मोटेलुकास्ट सोडियम	9.47	***	***	0.36%
3	सेफिक्साइम	3.07	***	***	0.47%
4	1,2-डाइमिथाइल 1, 4, 5, 6 टेट्रा हाइड्रो पाइरीमिडीन	0.45	***	***	0.73%
5	साइपरमेश्न टेक्नीकल 92% न्यूनतम	0.274	***	***	0.61%

131. उपरोक्त से यह देखा जा सकता है कि शुल्कों का प्रभाव बहुत ही कम है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने यह बताया है कि चूंकि संबद्ध वस्तुओं का उपयोग केवल सोल्वेंट के रूप में किया जाता है, अतः यह प्रयोक्ता उद्योग के लिए कोई बड़ी लागत नहीं है। जबकि अन्य पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग द्वारा गणना किया गया प्रभाव गलत है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि दावों को प्रमाणित करने के लिए कोई साक्ष्य और गणना प्रदान नहीं की गई है।

132. इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि सोल्वेंट के रूप में, संबद्ध वस्तुओं को प्रतिक्रिया प्रक्रिया समाप्त होने के बाद प्रतिक्रिया मिश्रण से रिकवर किया जाता है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान किए गए साक्ष्य से यह पता चलता है कि अरबिंदो फार्मा लिमिटेड लागू सोल्वेंट का 95% रिकवर करने में सक्षम था। दासामी लैब्र प्राइवेट लिमिटेड, एसएमएस फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड और ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड सहित अन्य प्रयोक्ताओं ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई पर्यावरण प्रबंधन योजनाओं में करीब 90-95% एसिटोनाइट्राइल रिकवर करने की सूचना दी है।

133. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से भारत में संबद्ध वस्तुओं की कमी नहीं होगी। यह भी बताया गया है कि पाटनरोधी शुल्क से आयातों पर प्रतिबंध नहीं होता है, बल्कि यह सुनिश्चित होता है कि आयात उचित कीमतों पर उपलब्ध हों। अतः शुल्क लगाने से उत्पाद की उपलब्धता पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। बहरहाल, भारत में संबद्ध वस्तुओं के तीन अन्य भारतीय उत्पादक हैं। भारत में आपूर्ति मौजूदा मांग से अधिक है।

ट. प्रकटीकरण के बाद प्रस्तुतियाँ।

ट.1. अन्य इच्छुक पक्षों द्वारा प्रस्तुतियाँ

134. अन्य इच्छुक पक्षों ने प्रकटीकरण विवरण पर निम्नलिखित टिप्पणियां की हैं:

- क. विनिर्माण प्रक्रियाओं में अंतर, वाणिज्यिक प्रतिस्थापना की कमी, उपभोक्ता आधार भेद, उत्पाद गुणों और रूपांतरण प्रक्रिया में अंतर के कारण 98% या उससे कम शुद्धता वाले एसीटोनिट्राइल को इस जांच में पीयूसी के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।
- ख. घरेलू उद्योग ने कम शुद्धता वाले एसीटोनाइट्राइल को 99.9% शुद्धता में बदलने के लिए गलत रूपांतरण पद्धति अपनाई है। प्रकटीकरण वक्तव्य में इस बात पर स्पष्टता का अभाव है कि प्राधिकरण ने कम शुद्धता वाले एसीटोनाइट्राइल के लिए रूपांतरण पद्धति को लागू किया है या नहीं।
- ग. प्राधिकरण से अनुरोध है कि वह केसीआईएल द्वारा अपने उपयोगकर्ता प्रश्नावली प्रतिक्रिया में दी गई वास्तविक मात्रा हानि और रूपांतरण लागत पर विचार करें। 99.9% शुद्धता वाले एसीटोनिट्राइल के उत्पादन के लिए शुद्ध अचल संपत्तियों पर रिटर्न को 98% शुद्धता वाले एसीटोनिट्राइल के लिए एनआईपी में शामिल नहीं किया जाना चाहिए।
- घ. रूस के निर्यात मूल्य और आयात मूल्य के लिए किए गए समायोजन के बावजूद, 98% शुद्धता वाले एसीटोनाइट्राइल के लिए एनआईपी की गणना 99.9% शुद्धता वाले उत्पादन के लिए घरेलू उद्योग की शुद्ध अचल परिसंपत्तियों का उपयोग करके की गई है, जो 98% शुद्धता वाले एसीटोनाइट्राइल की लागत संरचना को सटीक रूप से प्रतिबिंबित नहीं करता है।
- ङ. लाभप्रदता में गिरावट दाहेज संयंत्र की स्थापना और अन्य घरेलू उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा के कारण है, आयात के कारण नहीं।
- च. घरेलू उद्योग ने कथित प्रभाव को कम करने के लिए कम एसीटोनिट्राइल उपयोग वाले महंगे दवा उत्पादों का चयन किया। हालांकि, कैप्टोप्रिल यूएसपी और लोराटाइड जैसे उत्पादों के लिए केसीआईएल द्वारा प्रदान किए गए डेटा, जिनमें एसीटोनिट्राइल की महत्वपूर्ण मात्रा का उपयोग किया जाता है, से पता चलता है कि वास्तविक प्रभाव काफी बड़ा होगा।
- छ. एक समान 22% ROCE अपनाने से गैर-हानिकारक मूल्य में वृद्धि होती है और क्षति मूल्यांकन विकृत होता है, जैसा कि CESTAT द्वारा आलोचना की गई है। सामान्य प्रतिस्पर्धा के तहत मुनाफे पर आधारित यूरोपीय संघ का दृष्टिकोण इस दृष्टिकोण का समर्थन करता है।
- ज. कच्चे माल की लागत में उतार-चढ़ाव, उपभोक्ता की बदलती प्राथमिकताएं और बढ़ती प्रतिस्पर्धा जैसे बाह्य कारकों ने लाभप्रदता को सीधे प्रभावित किया हो सकता है।

ट.2 घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुतियाँ

135. घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटीकरण के बाद निम्नलिखित टिप्पणियां की गई हैं।

- क. रूस से आयातित 98% शुद्धता वाले उत्पाद को भारत में संसाधित किया गया है और उसके बाद 99.9% शुद्धता वाली सामग्री के रूप में बेचा गया है। भारत में ग्राहक भारतीय उद्योग और संबंधित देशों के

उत्पादकों द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद का परस्पर उपयोग कर रहे हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि किसी भी रूप में एसीटोनिट्राइल के आयात को जांच के दायरे में माना जाए।

ख. आवेदक ने कच्चे तेल की अवस्था (लगभग 40% शुद्धता) से 99.9% शुद्धता अवस्था तक की आसवन लागत प्रदान की है, जिसे प्राधिकरण द्वारा सत्यापित किया गया है। कैरब द्वारा की गई उत्पादन प्रक्रिया के परिणामस्वरूप उच्च रूपांतरण लागत नहीं हो सकती है।

ग. केवल अपरिष्कृत डेटा को शुद्ध रूप में परिवर्तित करने से इतनी बड़ी मात्रा में हानि नहीं हो सकती। प्राधिकरण ने मानदंड समिति के कार्यवृत्त पर अपना भरोसा जताया। हालांकि, कार्यवृत्त में ही कहा गया है कि मानदंड कम हो सकते हैं।

घ. यदि मात्रा हानि के दावे को स्वीकार किया जाए तो घरेलू उद्योग का कहना है कि ऐसी मात्रा हानि के परिणामस्वरूप ऐसी अशुद्धियों की विक्री से आय भी उत्पन्न होती है और उसे भी रूपांतरण लागत की गणना में समायोजित किया जाना चाहिए।

ङ. एनआईपी के संदर्भ में प्राधिकरण एसआईओएन के तहत दिए गए मानदंडों को स्वीकार नहीं करता है। प्राधिकरण को वास्तविक मात्रा हानि और रूपांतरण लागत को अपनाना चाहिए।

च. प्रकटीकरण विवरण में यह उल्लेख नहीं है कि कैरब के डेटा को सत्यापित किया गया है। प्राधिकरण असत्यापित डेटा पर भरोसा नहीं कर सकता।

छ. घरेलू उद्योग को बताई गई क्षति रहित कीमत की गणना के अवलोकन से यह देखा गया है कि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई क्षति रहित कीमत में काफी कमी की है।

ज. आवेदक द्वारा दावा किया गया कि कच्चे माल की लागत और रूपांतरण लागत में काफी कमी की गई है, लेकिन घरेलू उद्योग को इसका कोई कारण नहीं बताया गया है।

झ. प्राधिकरण द्वारा विचारित पूँजी पर प्रतिफल सुसंगत अभ्यास के अनुसार नहीं है। गैर-क्षतिग्रस्त मूल्य की गणना के लिए विचारित कुल विक्री लागत को तिमाही आधार पर लिया गया है और फिर प्रतिफल की गणना तिमाही आधार पर की गई है। प्राधिकरण की यह सुसंगत प्रथा रही है कि वह जांच की पूरी अवधि के लिए प्रतिफल की गणना करे।

ज. प्राधिकरण से अनुरोध है कि वह पांच वर्ष की अवधि के लिए एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश करें। इससे कम अवधि में घरेलू उद्योग को डंप किए गए आयातों से होने वाली भारी क्षति से उबरने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलेगा।

ट.3 प्राधिकरण द्वारा जांच।

136. प्राधिकारी ने इच्छुक पक्षों द्वारा किए गए प्रकटीकरण पश्चात प्रस्तुतियों की जांच की है। यह देखा गया है कि इनमें से अधिकांश प्रस्तुतियाँ उन तर्कों और विवादों की पुनरावृत्ति हैं जिनकी पहले ही जांच की जा चुकी है और इन अंतिम निष्कर्षों के प्रासंगिक पैराग्राफों में आवश्यकतानुसार संबोधित किया गया है। संक्षिप्तता के लिए, प्राधिकारी ने इस प्रकटीकरण पश्चात जांच में ऐसे मुद्दों पर प्रतिक्रियाओं को दोहराने से परहेज किया है। हालांकि, प्रकटीकरण

पश्चात प्रस्तुतियों में पहली बार उठाए गए किसी भी नए मुद्दे, साथ ही वे मुद्दे जिन्हें पहले संबोधित किया गया था लेकिन जिन्हें प्राधिकारी ने आगे की जांच की आवश्यकता समझी, की जांच की गई है और उनका समाधान किया गया है।

137. इस टिप्पणी पर कि लाभप्रदता में गिरावट दहेज संयंत्र की स्थापना और अन्य घरेलू उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा के कारण हुई, प्राधिकारी ने नोट किया कि उन्होंने प्रकटीकरण विवरण में जांच की है कि दहेज संयंत्र की लाभप्रदता अन्य संयंत्र की तुलना में अधिक है। इसके अलावा, परस्पर प्रतिस्पर्धा से संबंधित दावे का किसी भी साक्ष्य द्वारा समर्थन नहीं किया गया है। प्राधिकारी ने नोट किया कि सभी संबद्ध देशों के संबंध में डंपिंग मार्जिन सकारात्मक पाया गया है। इसलिए, यह नहीं माना जा सकता है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति परस्पर प्रतिस्पर्धा के कारण हुई है।

138. विचाराधीन उत्पाद के दायरे में 98% शुद्धता वाले एसीटोनिट्राइल को शामिल करने के संदर्भ में, प्राधिकरण नोट करता है कि उपलब्ध रिकॉर्ड स्पष्ट रूप से 98% शुद्धता वाले एसीटोनिट्राइल को दायरे में शामिल करने को उचित ठहराते हैं, जिसे पहले ही प्रकटीकरण विवरण में समझाया गया था। जबकि केसीआईएल ने कम शुद्धता के उच्च शुद्धता वाले एसीटोनिट्राइल में रूपांतरण के दौरान 19% मात्रा की हानि का दावा किया है, डेटा कम वास्तविक मात्रा हानि का संकेत देता है। घरेलू उद्योग ने [***]% की मात्रा हानि की सूचना दी। हालांकि, प्राधिकरण भारत सरकार की मानदंड समिति द्वारा निर्धारित मानदंडों का उल्लेख करता है, जिन्हें मात्रा हानि का निर्धारण करने के लिए उपयुक्त माना गया है। रूपांतरण लागतों के संबंध में, केसीआईएल द्वारा दावा की गई लागत को ध्यान में रखा गया था। यह नोट किया गया कि केसीआईएल की गणना में अशुद्धियों की विक्री से आय को शामिल नहीं किया गया परिणामस्वरूप, रूस के लिए सामान्य मूल्य और गैर-हानिकारक मूल्य निर्धारित करने के लिए केसीआईएल द्वारा रिपोर्ट की गई अशुद्धियों से आय को शामिल करने के लिए रूपांतरण लागत को समायोजित किया गया था। केसीआईएल ने यह भी तर्क दिया कि 99.9% शुद्धता वाले एसीटोनिट्राइल के उत्पादन के लिए शुद्ध अचल संपत्तियों पर रिटर्न को 98% शुद्धता वाले एसीटोनिट्राइल के लिए गैर-हानिकारक मूल्य में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, उपयोगकर्ता द्वारा कोई सहायक जानकारी प्रदान नहीं की गई है।

139. केसीआईएल ने आरोप लगाया है कि घरेलू उद्योग ने जानबूझकर उच्च लागत वाले फार्मास्यूटिकल उत्पादों और दवाओं का चयन किया है, जो कम मात्रा में एसीटोनिट्राइल का उपभोग करते हैं, ताकि न्यूनतम प्रभाव दिखाया जा सके। केसीआईएल ने कैप्टोप्रिल यूएसपी (पाउडर) और लोराटाडाइन के लिए SION (मानक इनपुट आउटपुट मानदंड) प्रस्तुत किया। जबकि केसीआईएल ने इन उत्पादों के लिए SION विवरण प्रदान किए, इसने एंटी-डंपिंग शुल्क के प्रभाव के बारे में कोई डेटा प्रस्तुत नहीं किया। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने यह संकेत देते हुए साक्ष्य प्रस्तुत किए कि फार्मास्यूटिकल कंपनियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले एसीटोनिट्राइल को प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रतिक्रिया मिश्रण से निकाला जाता है और इसका पुनः उपयोग किया जा सकता है।

140. अन्य हितबद्ध पक्षों की टिप्पणियों के संबंध में कि घरेलू उद्योग को क्षति कर्त्ता माल की अस्थिर लागतों, उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण हुई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षों ने केवल वयान दिए हैं और अपने दावों को प्रमाणित करने के लिए कोई सत्यापन योग्य दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। जांच की अवधि में घरेलू बाजार में मांग में वृद्धि दिखाई देती है; और इसलिए, यह तर्क कि क्षति “उपभोक्ता वरीयता में बदलाव” के कारण हुई है, पर विचार नहीं किया जा सकता है। प्राधिकारी चीन एक्स-रेउपकरण में डब्ल्यूटीओ पैनल रिपोर्ट का भी संदर्भ देते हैं, जिसमें पैनल ने माना है कि जहां कोई हितबद्ध पक्ष क्षति का कारण बनने वाले पाटित आयातों के अलावा किसी अन्य कारक की पहचान करता है, लेकिन यह दिखाने के लिए साक्ष्य प्रदान नहीं करता है कि यह कारक घरेलू उद्योग को किस प्रकार क्षति पहुंचा रहा है, जांच प्राधिकारी को उस कारक के संबंध में निर्धारण करने की आवश्यकता नहीं है।

141. इच्छुक पक्षों द्वारा दायर की गई टिप्पणी पर कि अशुद्ध रूप में एसीटोनाइट्राइल के आयात के लिए अंतिम उपयोगकर्ता आधारित छूट प्रदान की जानी चाहिए, प्राधिकरण ने नोट किया कि अशुद्ध रूप में एसीटोनाइट्राइल का कोई स्वतंत्र उपयोग नहीं है। उत्पाद को घरेलू उद्योग की आपूर्ति और संबद्ध देशों से आयातित एसीटोनाइट्राइल के शुद्ध रूप के साथ प्रतिस्पर्धा में आयातित, शुद्ध और बेचा जाता है। घरेलू उद्योग ने सबूत दिए हैं कि केसीआईएल द्वारा आपूर्ति की गई एसीटोनाइट्राइल उसके उत्पाद के साथ प्रतिस्पर्धा करती है। इसके मद्देनजर, अशुद्ध रूप में एसीटोनाइट्राइल के आयात के लिए कोई अंतिम उपयोगकर्ता आधारित छूट देना उचित नहीं पाया गया।

ठ. निष्कर्ष

142. उठाए गए तर्कों, उपलब्ध कराई गई सूचना तथा हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए निवेदनों और प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों, जैसा कि उपर्युक्त निष्कर्षों में दर्ज है, तथा घरेलू उद्योग के साथ पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्ष निकालते हैं:

- विचाराधीन उत्पाद एसीटोनिट्राइल है। इसके दायरे में किसी भी शुद्धता में एसीटोनिट्राइल का आयात शामिल है।
- भारत में आयातित 98% या उससे कम शुद्धता वाला एसीटोनाइट्राइल, घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले 99% शुद्धता वाले एसीटोनाइट्राइल के साथ प्रतिस्पर्धा करता है, और इसलिए इसे विचाराधीन उत्पाद का हिस्सा माना जाना आवश्यक है।
- आवेदक द्वारा आपूर्ति उत्पाद विषयगत देशों से आयातित उत्पाद के समान वस्तु है।
- आवेदक नियम 2(बी) के अर्थ में घरेलू उद्योग है और नियम 5(3) के अनुसार मानदंडों को पूरा करता है।
- इस आवेदन को बालाजी एमाइंस लिमिटेड और जिंदल स्पेशियलिटी केमिकल द्वारा भी समर्थन दिया गया है।
- चीन के तीन उत्पादकों ने वर्तमान जांच में भाग लिया लेकिन किसी ने भी बाजार अर्थव्यवस्था उपचार का दावा नहीं किया। इसलिए, चीनी उत्पादकों की लागत और कीमत को स्वीकार नहीं किया गया है।

छ. रूस और ताइवान के उत्पादकों ने वर्तमान जांच में पंजीकरण कराया लेकिन कोई प्रतिक्रिया दर्ज नहीं की। इसलिए उपलब्ध तथ्यों के अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य निर्धारित किया गया है।

ज. विषयगत वस्तुओं के सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए, विषयगत देशों से विषयगत वस्तुओं के लिए डंपिंग मार्जिन निर्धारित किया गया है और मार्जिन सकारात्मक है।

झ. जांच अवधि में संबद्ध देशों से आयात में पिछले वर्ष की तुलना में निरपेक्ष एवं सापेक्ष दोनों दृष्टियों से काफी वृद्धि हुई है।

ज. आयात मूल्य आवेदक के विक्रय मूल्य से कम है, जिसके परिणामस्वरूप सकारात्मक मूल्य कटौती हुई है।

ट. जांच अवधि में बिक्री लागत में कमी आई है, लेकिन बिक्री मूल्य में गिरावट अधिक है। घरेलू उद्योग की कीमतें कम हुई हैं।

ठ. घरेलू उद्योग ने 150 करोड़ रुपये के निवेश से 16,500 मीट्रिक टन का नया संयंत्र स्थापित किया है। आवेदक स्थापित क्षमता में वृद्धि के अनुरूप अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में सक्षम नहीं है। जांच अवधि में आवेदक की बाजार हिस्सेदारी कम हो गई है, जबकि संबद्ध देशों की हिस्सेदारी बढ़ गई है।

ड. आवेदक को वित्तीय घाटा हुआ है। आवेदक को नकद लाभ में कमी आई है, तथा नियोजित पूंजी पर प्रतिफल में भी उल्लेखनीय कमी आई है। तिमाही आधार पर आवेदक की लाभप्रदता में लगातार गिरावट आई है। आवेदक पहली दो तिमाहियों में लाभ में था (जो कम थी)। जांच अवधि की अंतिम दो तिमाहियों में वे गंभीर घाटे में चले गए।

ढ. आवेदक की वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, क्योंकि अधिकांश मात्रा मापदंडों में सुधार हुआ है, लेकिन वे अपेक्षित स्तर से नीचे हैं और मूल्य मापदंडों में भी महत्वपूर्ण गिरावट आई है।

ण. ब्याज से पहले लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर रिटर्न जांच अवधि में मामूली रूप से सकारात्मक है, लेकिन तिमाही आधार पर देखा जाए तो वे पिछली दो तिमाहियों में नकारात्मक हो गए हैं।

त. पूंजी जुटाने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

थ. जांच में ऐसा कोई अन्य कारक सामने नहीं आया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो।

द. घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए साक्ष्यों से पता चलता है कि विषयगत वस्तुएँ प्रतिक्रिया प्रक्रिया के अंत के बाद प्रतिक्रिया मिश्रण से निकल जाती हैं। इसलिए, उत्पाद की खपत कम है।

ध. यह देखा गया है कि शुल्कों का प्रभाव महत्वपूर्ण नहीं होगा।

ड. सिफारिशों

143. प्राधिकारी ने नोट किया कि जांच शुरू की गई थी और सभी इच्छुक पक्षों को सूचित किया गया था तथा घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों और अन्य इच्छुक पक्षों को डंपिंग, क्षति, कारण संबंध और अनुशंसित उपायों के प्रभाव के पहलू पर सकारात्मक जानकारी प्रदान करने के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया था। डंपिंग, क्षति और कारण संबंध की जांच शुरू करने और एंटी-डंपिंग नियमों के तहत निर्धारित प्रावधानों के अनुसार करने के बाद,

प्राधिकारी का मानना है कि डंपिंग और क्षति की भरपाई के लिए एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना आवश्यक है। प्राधिकारी इसे आवश्यक मानते हैं और विषय देशों से विषय वस्तुओं के आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

144. प्राधिकरण द्वारा अपनाए गए कम शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकरण कम डंपिंग मार्जिन और क्षति मार्जिन के बराबर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश करता है, ताकि घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार, प्राधिकरण विषयगत देशों में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित विषयगत वस्तुओं के आयात पर केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से 5 वर्ष की अवधि के लिए एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश करता है, जो नीचे संलग्न शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	शीर्ष/ उप शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूलता का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	धनराशि	मापने की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	292690	एसिटोनाइट्राइल*	चीन जन. गण	चीन जन. गण. सहित कोई देश	नानटोंग लियांग केमिकल कंपनी लिमिटेड	202	मी. टन	यूएस डॉलर
2	वही	वही	चीन जन. गण	चीन जन. गण. सहित कोई देश	शेडोंग कुंडा बायोटेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	292	मी. टन	यूएस डॉलर
3	वही	वही	चीन जन. गण	चीन जन. गण. सहित कोई देश	वेफांग झोंगहुई केमिकल कंपनी लिमिटेड	260	मी. टन	यूएस डॉलर
4	वही	वही	चीन जन. गण	चीन जन. गण. सहित कोई देश	क्र.सं. 1,2, और 3 के अलावा कोई उत्पादक	481	मी. टन	यूएस डॉलर
5	वही	वही	चीन जन. गण, ताइवान और रूस के अलावा कोई भी देश	चीन जन. गण	कोई भी उत्पादक	481	मी. टन	यूएस डॉलर
6	वही	वही	रूस	रूस सहित कोई भी देश	कोई भी उत्पादक	292	मी. टन	यूएस डॉलर
7	वही	वही	चीन जन. गण., ताइवान	रूस	कोई भी उत्पादक	292	मी. टन	यूएस डॉलर

			और रूस के अलावा कोई भी देश					
8	वही	वही	ताइवान	ताइवान सहित कोई भी देश	कोई भी उत्पादक	233	मी. टन	यूएस डॉलर
9	वही	वही	चीन जन. गण., ताइवान और रूस के अलावा कोई भी देश	ताइवान	कोई भी उत्पादक	233	मी. टन	यूएस डॉलर

#सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है तथा विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर वाध्यकारी नहीं है।

* एसिटोनाइट्राइल को *MeCN* (मिथाइल साइनाइड), सायनो मीथेन, इथेन नाइट्राइल, एथिल नाइट्राइल और मीथेन कार्बोनिट्राइल के नाम से भी जाना जाता है। विचाराधीन उत्पाद में किसी भी नाम से और किसी भी स्तर की शुद्धता वाले एसिटोनिट्राइल शामिल हैं।

३. आगे की प्रक्रिया

145. इस अंतिम निष्कर्ष में निर्दिष्ट प्राधिकारी के निर्धारण/समीक्षा के विरुद्ध अपील अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

दर्पण जैन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

FINAL FINDINGS

New Delhi the 21st March, 2025

CASE NO. AD(OI)- 04/2024

Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of “Acetonitrile” originating in or exported from China PR, Russia and Taiwan.

F. No. 06/04/2024-DGTR.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended from time to time (hereinafter referred as “the Act”) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Antidumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 thereof, as amended from time to time (hereinafter referred as the “Anti-Dumping Rules” or “the Rules”);

A. BACKGROUND OF THE CASE

1. Whereas Alkyl Amines Chemicals (hereinafter referred to as the “applicant” or “domestic industry”) filed an application, before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the “Authority”) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 and the Anti-Dumping Rules for initiation of anti-dumping investigation concerning imports of Acetonitrile (hereinafter also referred to as the “product under consideration” or the “subject goods”) from China PR, Russia and Taiwan.
2. And whereas, in view of the duly substantiated application filed by the applicant, the Authority issued a public notice vide Notification F. No. 6/04/2024-DGTR, dated 26th March, 2024, published in the Gazette of India, initiating anti-dumping investigation into imports of the product under consideration from China PR, Russia and Taiwan (hereinafter referred to as the “subject countries”) in accordance with Rule 5 of the Anti-Dumping Rules to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping of the subject goods and to recommend the amount of anti-dumping duty, which if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

B. PROCEDURE

3. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
 - i. The Authority notified the Embassy of the subject countries in India about the receipt of the present anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with Rule 5(5) of the Anti-Dumping Rules.
 - ii. The Authority issued a public notice dated 26th March 2024, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of subject goods from the subject countries.
 - iii. The Authority sent a copy of the initiation notification dated 26th March 2024, to the Governments of the subject countries, through their Embassies in India, known producers and exporters from the subject countries, known importers / users as well as other interested parties,

as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within the prescribed time limit.

- iv. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Governments of the subject countries, through their Embassies in India, in accordance with Rule 6(3) of the Anti-Dumping Rules. A copy of the non-confidential version of the application was made available to other interested parties, wherever requested.
- v. The embassy of the subject countries in India was also requested to advise the exporters/producers to submit their responses to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the known producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from the subject countries.
- vi. The Authority sent exporter's questionnaire to the following known producers/ exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4) of the Rules:

SN	Country	Name of producers of the product under consideration
1	China	BTP Pharmaceutical Company Limited
2	China	Farmasino Pharmaceutical Jiangsu Company Limited
3	China	Formosa Plastics Corporation
4	China	Hangzhou Insure Chemical Company Limited
5	China	Identity Science Company Limited
6	China	Imperial Chemical Corporation
7	China	Jiangsu Gtig Huatai Company Limited
8	China	Levachem Co Limited
9	China	Microchem Specialites Trade Limited
10	China	Mitsubishi Gas Chemical Trading Inc.
11	China	Mitsuya Boeki Limited
12	China	Nagase Company Limited
13	China	Nanjing Beinuo Pharmaceutical Company Limited
14	China	Nantong Liyang Chemicals Company Limited
15	China	Qingdao Brightfuture Healthcare Company Limited
16	China	Qingdao Shida Chemical Company Limited
17	China	Rich Up (Hk) Trading Limited
18	China	Shandong Kunda Biotechnology Company
19	China	Shanghai Covon Chemical Company Limited
20	China	Shanghai Freemen Chemicals HK Company Limited
21	China	Shanghai Yancui Import And Export Corporation
22	China	Sinochem Pharmaceutical Company Limited
23	China	Weifang Zhonghui Chemical Co
24	China	Xian Yuanfar International Trade Company
25	China	Zhejiang Chemicals Import & Export Corporation
26	China	Zhejiang Hengdian Apeloa Import and Export Company Limited
27	China	Zhejiang Huakang Pharmaceutical Co.
28	China	Zhejiang Medicines Health Products Imp Exp Company Limited
29	Russia	Akdeniz Chemson Additives AG
30	Russia	Atlas Chem AG
31	Russia	Avestra Chemical DMCC

32	Russia	Avestra Chemical (Suisse) SA
33	Russia	Interchim Limited
34	Russia	Ksan SIA
35	Russia	Petrokim Trading Middle East and Asia DMCC
36	Russia	Wel International Trading DMCC
37	Russia	Yancui Keemia Grupp OU
38	Taiwan	Ascus International (s) Pte Ltd.
39	Taiwan	Formosa Plastic Corporation
40	Taiwan	Imperial Chemical Corporation

vii. In response to the initiation notification, the following producers/exporters from the subject countries registered themselves as interested parties in the investigation:

SN	Country	Name of producers of the product under consideration
1	China	Nantong Liyang Chemical Co., Ltd
2	China	Weifang Zhonghui Chemical Co., Ltd.
3	China	Shandong Kunda Biotechnology Co., Ltd
4	Russia	Saratovorginzez LLC
5	Taiwan	Formosa Plastics Corporation

viii. The Embassies of the subject countries in India were requested to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time limit.

ix. The Authority sent Importer's / User's Questionnaire to the following known importers of the subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules.

SN	Name of known users and importers of the product under consideration
1	Advent Chembio Private Limited
2	Aurobindo Pharma Limited
3	Avantor Performance Materials India Limited
4	Biocon Biologics India Limited
5	Chemical Corp Private Limited
6	Deccan Fine Chemicals (India) Private Limited
7	Divi'S Laboratories Limited
8	Dr. Reddys Laboratories Limited
9	Finar Limited
10	Glenmark Life Sciences Limited
11	Hetero Drugs Limited
12	K. Uttamlal & Company Private Limited
13	Kairav Chemofarbe Industries Limited
14	Laurus Labs Limited
15	Merck Life Science Private Limited
16	Mylan Laboratories Limited
17	Nacl Industries Limited
18	Neuland Laboratories Limited
19	Paarichem Resources LLP

20	PL Industries Limited
21	R. Nandlal & Sons
22	RR Innovative Private Limited
23	Sai Life Sciences Limited
24	Sanjay Chemicals (India) Private Limited
25	Shah C J World LLP
26	Shakti Chemicals
27	SRF Limited
28	Ujin Pharmachem
29	Urmil Chemicals

x. In response to the initiation of notification, following importers/users registered themselves as interested parties:

SN	Name of known users and importers of the product under consideration
1	Sandeep Organics
2	Satyan Pharmaceuticals Pvt Ltd.
3	Kairav Chemofarbe Industries Ltd

xi. A copy of the initiation notification and non-confidential version of the application was sent to the known associations.

xii. Exporters, foreign producers and other interested parties who have not responded to or not supplied relevant information to this investigation, have been treated as non-cooperating interested parties.

xiii. The Authority issued an Economic Interest Questionnaire to all the known producers and exporters, importers, and the applicant. The economic interest questionnaire was also shared with the administrative line ministry. Only the applicant and Kairav Chemofarbe Industries Ltd have filed the economic interest questionnaire. No other interested party has filed an economic interest questionnaire.

xiv. The period of investigation (POI) for the purpose of the present investigation is 1st October 2022 to 30th September 2023 (12 months). The injury period will cover the period of investigation and the three preceding financial years 2020-21, 2021-22, 2022-23.

xv. A request was made to the DGCI&S to provide the transaction-wise details of imports of subject goods for the injury period and also the period of investigation. The Authority has relied upon the DGCI&S data for computation of the volume of imports and required analysis after due examination of the transactions.

xvi. A list of all the interested parties was uploaded on the DGTR website along with the request to all of the interested parties to email the non-confidential version of their submissions to all the other interested parties.

xvii. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, to the extent supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority, in this final finding.

xviii. The Authority sought further information to the extent deemed necessary. The verification of the data provided by the domestic industry was conducted to the extent considered necessary for the purpose of the present investigation. The Authority has considered the verified data of the domestic industry in its analysis in the present case.

- xix. The Authority sought further information from the other interested parties to the extent deemed necessary. The verification of the data provided by the other interested parties was conducted to the extent considered necessary for the purpose of the present investigation.
- xx. The non-injurious price (NIP) has been determined based on the actual data/information furnished by the domestic industry. Optimization is done on the basis of the maximum capacity utilization projected to be achieved by the domestic industry. NIP based on the optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry and in accordance with the Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Rules has been worked out so as to ascertain whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xxi. In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority provided opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 16th October 2024. The parties presented their views in the oral hearing and were requested to file written submissions of the views expressed orally, followed by rejoinder submissions.
- xxii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xxiii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the views/observations on the basis of the facts available.
- xxiv. The Authority has considered all the arguments raised and information provided by all the interested parties at this stage, to the extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation.
- xxv. The Authority circulated the disclosure statement containing all essential facts under consideration for making the final recommendations to the Central Government to all interested parties on 12th February 2025. The Authority has examined all the post-disclosure comments made by the interested parties in these final findings to the extent deemed relevant. Any submission which was merely a reproduction of the previous submission, and which had been adequately examined by the Authority has not been repeated for the sake of brevity.
- xxvi. ‘***’ in this final finding represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xxvii. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US\$ = Rs. 83.21.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

- 4. At the stage of initiation, the product under consideration was defined as under:

“3. The product under consideration in the present investigation is Acetonitrile. Acetonitrile is also known as MeCN (Methyl Cyanide), Cyano methane, Ethane Nitrile, Ethyl Nitrile and Methane Carbonitrile. The product under consideration covers Acetonitrile known by any name. The product under consideration is produced and sold in the form of a clear and colourless liquid.

4. *The product under consideration does not have a dedicated tariff code. The product under consideration is however imported under Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975 under subheading 292690 of the Tariff Classification.*

5. *The product is imported with different purities. Purity of the product under consideration is nothing but the content of Acetonitrile in the imported solution. First, low purity Acetonitrile is produced, and it is then processed to make high purity Acetonitrile. The low purity Acetonitrile of various ranges are imported to India by importers who then undertake a small distillation process to convert into high purity Acetonitrile (99.9%). For the purpose of the investigation, Acetonitrile imported in different purities has been converted to arrive at Acetonitrile of 99.9% purity.”*

C.1 Submissions by other interested parties

5. The other parties have made the following submissions with regards to the product under consideration:
 - i. 98% or lower purity acetonitrile is not a like article to 99.9% purity acetonitrile produced by the domestic industry and should be excluded.
 - ii. The methodology undertaken by the domestic industry to convert low purity acetonitrile to high purity acetonitrile is improper.
 - iii. The applicant produces and sells only 99.9% purity Acetonitrile through synthetic route. 98% or lower purity Acetonitrile is not manufactured on a separate line like in the case of domestic industry. 98% or lower purity Acetonitrile is obtained as a by-product in the manufacturing of Acrylonitrile.
 - iv. The applicant does not have the facility to extract 98% purity Acetonitrile, and they directly get 99.9% purity Acetonitrile as the final output.
 - v. The 98% or lower purity Acetonitrile is not commercially substitutable with 99.9% purity Acetonitrile. 98% or lower purity Acetonitrile is a raw material used to manufacture 99.9% or higher purity Acetonitrile and does not have any use by itself.
 - vi. Raw materials and catalysts used in manufacturing 99.9% purity Acetonitrile obtained through synthetic route, and 98% or lower purity Acetonitrile obtained as byproduct in manufacturing of Acrylonitrile are different
 - vii. 98% or lower purity Acetonitrile is not easily convertible to 99.9% purity Acetonitrile. Producers have patented technology and methodology of distilling 98% or lower purity Acetonitrile to 99% purity Acetonitrile.
 - viii. A volume loss of 19% and a conversion cost of 20% is incurred when converting 98% purity Acetonitrile to 99.9% purity Acetonitrile
 - ix. KCIL should be provided with a bona fide user based exemption to import 98% purity Acetonitrile to manufacture 99.9% or higher purity Acetonitrile. The Authority has in the anti-dumping investigation of Dimethylacetamide' [N, N-Dimethylacetamide] (DMAC) from China PR and anti-circumvention investigations concerning imports of Cold Rolled Flat Products of Stainless-Steel originating in or Exported from China PR, Korea, European Union, South Africa, Taiwan, Thailand and USA granted user-based exemption.

C.2 Submissions by the domestic industry

6. The domestic industry has made the following submissions with regards to the product under consideration.
 - i. The applicant has the ability to produce 98% or lower purity acetonitrile.

- ii. The applicant can supply the product in any purities between first stage, i.e., 42-44% to 99.9%.
- iii. The applicant has set up plant to supply 99.9% purity material since the ultimate product used is acetonitrile of 99.9%.
- iv. 98% purity of acetonitrile is nothing but an unfiltered/unpurified stage of acetonitrile.
- v. The conversion from 98% to 99.9% purity or a greater percentage of purity involves minimal value addition and a number of distillation processes are followed to remove impurities.
- vi. The production process first results in production of the product in 42-44% purity. Company follows a number of distillation processes to remove impurities along with water generated in the reaction and increase the purity. The distillation at the last stage gives 99.9%. The product can be extracted from the penultimate stage to get 98% purity product.
- vii. There is no market for the product with 98% purity. The importer in India is using its facility to distil the impure form of the product being imported from Russia and sells the same.
- viii. Applicant has reported distillation cost below [***] %. These are on the basis of distillation cost involved from 98% to 99.9%. Barring distillation, there is no other cost incurred. Entire purification cost involved from the first stage crude product to the last stage 99.9% product is around 10%.
- ix. The product can be extracted from the penultimate stage to get 98% purity product. Impure and pure stage products cannot be termed as different product.
- x. The product supplied by the Indian industry, including the applicant is a like article to acetonitrile imported from Russia since the only purpose of Acetonitrile of 98% purity is to be converted into 99.9% or higher percentage purity.
- xi. The importer imports acetonitrile with 98% purity and converts it to make 99.9% acetonitrile.
- xii. The customers are using the product supplied by the Indian producers and producers in other countries interchangeably.
- xiii. The importer has not disputed that its product competes with the product supplied by domestic producers.
- xiv. Since no producer in India supplies 98% pure material, acetonitrile with 99.99% has characteristics most closely resembling to the imported product.
- xv. As regards to the reliance placed by interested parties on anti-dumping investigation concerning imports of Dimethylacetamide' [N, N-Dimethylacetamide] for seeking end-user based exemption on the import of 98% purity Acetonitrile, the request for exclusion was for a product not produced by the domestic industry and at the same time had applications in an industry different from the industry for the product under consideration. However, in the present case, low-purity acetonitrile is only to be converted to high-purity and used in the same pharma industry.
- xvi. As regards to the reliance placed by interested parties on the anti-circumvention investigation on Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel for end-user based exemption, the Authority in this case had found that exporters were circumventing the existing anti-dumping duty by exporting products of larger widths (not covered by the anti-dumping measure in place) and thereafter slitting it to narrower widths which were within the scope of the product under consideration. The Authority had however provided exemption to certain interested parties that were not resorting to any circumvention and were not slitting for the purpose of using it at widths of lower sizes for the product under consideration. In the present case, however, low purity acetonitrile is being imported to eventually get converted to high-purity acetonitrile, which the applicant has the ability to produce.
- xvii. Production of low purity acetonitrile is not restricted to Russian producer alone. Every global producer first produces low purity acetonitrile.

C.3 Examination by the Authority

7. The product under consideration in the present investigation is Acetonitrile. Acetonitrile is also known as MeCN (Methyl Cyanide), Cyano methane, Ethane Nitrile, Ethyl Nitrile and Methane Carbonitrile. The product under consideration covers Acetonitrile known by any name. The product under consideration is produced and sold in the form of a clear and colourless liquid.
8. An opportunity was provided to all interested parties to comment on the scope of the product under consideration and PCN methodology. Comments with regard to product under consideration and PCN were filed, and a meeting was held on 29th April 2024 to allow interested parties to explain their submissions. The interested parties elaborated their submissions with regard to the PCN methodology. The interested parties were afforded further opportunity to provide relevant supporting evidence. All the parties who presented their views at the time of deliberation were asked to file their submissions in writing.
9. The scope of the product under consideration was clarified the same as considered in the initiation notification. Following PCN methodology was adopted for fair comparison.

SN	PCN Criteria	Description	PCN Code
1	Purity of Acetonitrile	99.9% purity	A
		98% purity	B
		Any other purity	C

10. The interested parties were given time till 31st May 2024 to submit the information.
11. Kairav Chemofarbe Industries Limited, an importer of the subject goods, has imported the subject goods from Russia in 98% purity and converted the imported goods to high purity Acetonitrile content of 99.9% or more. Kairav Chemofarbe Industries Limited has sought exclusion of the product on the ground that it is not produced by the domestic industry. The product is imported with different purities. Purity of the product under consideration is nothing but the content of Acetonitrile in the solution. First, low purity Acetonitrile is produced, and it is then processed to make a high purity Acetonitrile. The low purity Acetonitrile of various ranges are imported to India by importers who then undertake a small distillation process to convert into high purity Acetonitrile (99.9%). For the purpose of the investigation, Acetonitrile imported in different purities has been converted to arrive at Acetonitrile of 99.9% purity. It is not disputed that the low purity acetonitrile has no independent usage and is converted into high purity Acetonitrile for further use.
12. The domestic industry submitted that 98% purity of acetonitrile is an unfiltered / unpurified stage of acetonitrile, and, if required, it can supply acetonitrile with 98% purity. Impure and pure stage products cannot be termed as different product. It has further been noted that there is no market for the impure form of the product. Even the product imported from Russia is first purified and then sold for the intended use. It is therefore seen that a 98% purity of acetonitrile is nothing but an unfiltered/ unpurified stage of acetonitrile.
13. The domestic industry has demonstrated that the customers in India are using the product supplied by the Indian industry and producers from the subject countries interchangeably.

14. The domestic industry has submitted that production of low purity acetonitrile is not restricted to Russian producers alone, and every producer of the subject goods has to first produce low purity acetonitrile. The next step of purification is undertaken either by the producer itself or by any other party. The product under consideration imported from Russia is purified in India by the importer and then sold in the domestic market to compete with the locally available like article.
15. As regards end user-based exclusion is concerned, the Authority notes that having been satisfied that the acetonitrile of 98% purity is nothing but impure form of 99.9% acetonitrile, and has no independent use, no exclusion is warranted.
16. In view of the foregoing, the Authority confirms the scope of the product under consideration as below.

The product under consideration in the present investigation is Acetonitrile. Acetonitrile is also known as MeCN (Methyl Cyanide), Cyano methane, Ethane Nitrile, Ethyl Nitrile and Methane Carbonitrile. The product under consideration covers Acetonitrile known by any name.

17. It is seen that the product produced by the domestic industry and imported from the subject countries are comparable in terms of physical & chemical properties, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The imported goods and the goods produced by the domestic industry are used interchangeably. In view of the same, the product manufactured by the domestic industry is like article to the product imported into India.

D. SCOPE OF THE DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

D.1 Submissions by other interested parties

18. The other parties have made the following submissions with regards to the domestic industry and standing:
 - i. Balaji Amines Limited and Jindal Speciality Chemicals Limited cannot be termed as supporters in the present investigation. Mere filing a letter for supporting the application is not sufficient.
 - ii. The supporters expressing support to the application are mandatorily required to furnish information in the format notified vide Trade Notice No 13/2018 dated 27th September 2018 and Trade Notice No. 14/2018 dated 1st October 2018.

D.2 Submissions by the domestic industry

19. The domestic industry has made the following submissions with regards to the domestic industry and standing:
 - i. Besides the applicant, there are three other producers of the goods in India namely Balaji Amines Limited, Jindal Speciality Chemicals and Deepak Novochem Technologies Limited.
 - ii. Balaji Amines Limited and Jindal Speciality Chemicals have supported the application.
 - iii. The applicant has not imported the product under consideration from the subject countries nor is related to any exporter or importer of the alleged dumped article.
 - iv. Trade Notice 4/2021 dated 16th June 2021 has allowed supporters to express support after giving information concerning capacity, production and sales.
 - v. Even if the production of the supporters is to be excluded, the production of the applicant is sufficient to satisfy the requirement of standing under the rules.

D.3 Examination by the Authority

20. Rule 2(b) of the Anti-Dumping Rules defines domestic industry as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.

21. The present application was filed by Alkyl Amines Chemicals Limited. Apart from the applicant, there are three other Indian producers of the subject goods in the country. Balaji Amines Limited and Jindal Speciality Chemical are the two other producers who have supported the application. Deepak Novochem Technologies Limited is another producer in India. However, the producer has not expressed its opinion on the present application.

22. The other interested parties have contended that the letter filed by the supporters should be disregarded, as these do not comply with requirements laid down vide Trade Notices 13/2018 and 14/2018. The Authority considers that while Trade Notices 13/2018 and 14/2018 requires a domestic producer to provide certain information. The Authority, vide, Trade Notice 4/2021 dated 16th June 2021 has allowed supporters to express support after giving information concerning capacity, production, and sales. The supporters in the present case have provided such information. Therefore, the support extended cannot be disregarded.

23. The Authority has determined that production of the applicant accounts for a major proportion [***%] in the Indian production. Further, the applicant and supporters cumulatively account for [***%] share in the total Indian production.

24. The applicant has stated that it has not imported the product under consideration from the subject countries. Further, it is not related to any exporter in the subject countries nor to any importers in India. There is no allegation by any interested party on this account. Further, the investigation has not shown that the applicant is an importer or related to an importer or exporter of the product under consideration.

25. Based on the above, the Authority holds that applicant constitutes domestic industry as defined under Rule 2(b) of the Rules and the application satisfies the requirements of Rule 5(3) of the Rules.

E. CONFIDENTIALITY AND MISCELLANEOUS SUBMISSIONS.**E.1 Submissions by other interested parties**

26. The other interested parties have made the following submissions: -

- The applicant has used unreliable import data.
- The applicant has not submitted PCN wise data.

E.2 Submissions by the domestic industry

27. The domestic industry has made the following submissions: -

- The interested parties have not provided any evidence to show how the import data is unreliable. The Authority will anyways call upon import data from DGCI&S or DG Systems and rely on the same for the examination of volume and value of imports.

ii. As regards PCN wise data by the domestic industry, the applicant has already clarified that it has supplied the product with less than 99.9% purity and hence no PCN wise information was required to be provided.

E.3 Examination by the Authority

28. The Authority made available the non-confidential version of the information provided by the various parties to all the other interested parties as per Rule 6(7). No party has made any submissions on confidentiality. Therefore, the confidentiality as claimed by all the parties has been accepted.

29. The interested parties have contended that the domestic industry has relied on unreliable import data. The Authority relied on the DGCI&S transaction wise data for the purpose of initiation of the investigation and did not find material difference in the volume and price of imports reported in the application and quantified by the Authority at the stage of initiation. The volume and value of imports reported by the domestic industry and as per DGCI&S transaction wise data reconciled, thus showing sufficiency of evidence in the application on this account.

F. DETERMINATION OF NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

F.1 Submission by other interested parties

30. The other interested parties have made the following submissions with regard to the normal value, export price and dumping margin:

i. China PR should be granted market economy status and conduct normal value calculation as per Article 2 of the Anti-Dumping Agreement.

F.2 Submissions by the domestic industry

31. The domestic industry has made the following submissions with regard to the normal value, export price and dumping margin:

i. As per the Accession Protocol and practice of Authority, China should be treated as a non-market economy. Market economy treatment can be allowed only when the same is claimed and appropriateness thereof is demonstrated.

ii. 4 Chinese producers have participated, but none of the responding Chinese producers filed MET in the present investigation. The normal value should be determined as per Para 7 of Annexure I of the ADD Rules.

iii. Producers from Russia and Taiwan registered as interested party in the present investigation but did not file a response. As far as Russia and Taiwan are concerned, the claims of dumping margin are undisputed.

iv. The imports from the subject countries have increased and dumping has intensified over the period of investigation.

v. Average analysis will also be inappropriate as one of the participating producers has exported only in one month of the period of investigation.

vi. A comparison of normal value/non-injurious price for the whole period of investigation with the net export price and landed price for a particular period of investigation will be highly misleading.

G.3 Examination by the Authority

32. Under section 9A(1)(c), the normal value in relation to an article means:

- i) *The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or*
- ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:*
 - (a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 - the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling, and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);*
 - (b) *Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.*

33. The response to Exporters' Questionnaire has been filed by the following producers/exporters:

- i. Shandong Kunda Biotechnology Company Limited, China PR
- ii. Nantong Liyang Chemical Co., Ltd., China PR
- iii. Weifang Zhonghui Chemical Co., Ltd., China PR

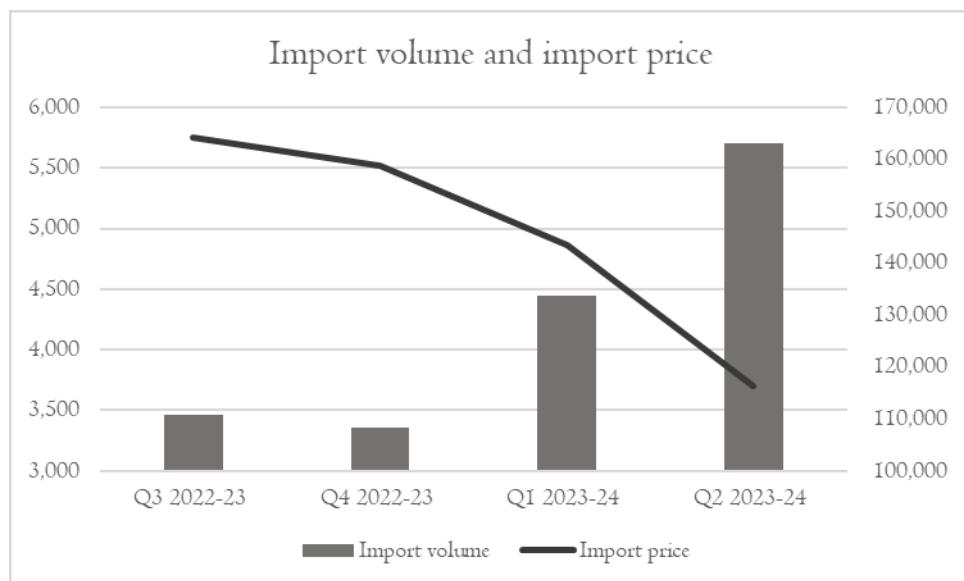
34. The domestic industry has requested for quarterly determination of dumping margin on following grounds: -

- i. Import price has steeply declined over the period of investigation.
- ii. One of the producers exported only in one month of the period of investigation and comparison with average normal value with average export price will not be appropriate.

35. The table below shows the quarterly import volume and import price over the period of investigation:

-

SN	Particulars	UOM	Q3 2022-23	Q4 2022-23	Q1 2023-24	Q2 2023-24
A	Import volume					
1	China PR	MT	2,579	2,080	2,314	3,770
2	Russia	MT	522	320	792	414
3	Taiwan	MT	38	466	498	740
B	Import price					
4	China PR	Rs/MT	170,241	159,658	139,656	118,832
5	Russia	Rs/MT	130,389	134,390	137,947	112,300
6	Taiwan	Rs/MT	178,797	178,098	135,856	118,968



36. It is seen that as the import price declined, import volume increased sharply. It is seen that there was significant change in the import price, with time period, over the period of investigation. The Authority has additionally examined the imports reported by the participating producers from the subject countries. It is seen that one of the producers has reported exports only in two months. Therefore, the Authority concludes that an analysis on average basis will not be appropriate.

SN	Quarters	UOM	Nantong Liyang	Shandong Kunda	Weifang Zhonghui
1	Q3 2022-23	MT	***	***	***
2	Q4 2022-23	MT	***	***	***
3	Q1 2023-24	MT	***	***	***
4	Q2 2023-24	MT	***	***	***

SN	Quarters	UOM	Nantong Liyang	Shandong Kunda	Weifang Zhonghui
1	Q3 2022-23	\$/MT	***	***	***
2	Q4 2022-23	\$/MT	***	***	***
3	Q1 2023-24	\$/MT	***	***	***
4	Q2 2023-24	\$/MT	***	***	***

37. There is sufficient justification for undertaking quarterly determination of dumping margin. Accordingly, the Authority has determined dumping margin and injury margin on quarterly basis.

I. Determination of normal value and export price for China PR.

a. Normal value for China PR

38. The Authority notes the following relevant provisions with regard to the determination of normal value for China PR. Provisions under Para 7 and Para 8 of Annexure I to the Anti- Dumping Rules are as under:

“7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, on any

other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner [keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question] and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of the selection. Account shall also be taken within time limits; where appropriate, of the investigation if any made in a similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without unreasonable delay of the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

“8. (1) The term “non-market economy country” means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in subparagraph (3).

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an antidumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three-year period preceding the investigation is a non-market economy country. Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)

(3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether: (a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values; (b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts; (c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and (d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate. Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph.

(4) Notwithstanding, anything contained in sub-paragraph (2), the designated authority may treat such country as market economy country which, on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub paragraph (3), has been, by publication of such evaluation in a public document, treated or determined to be treated as a market economy country for the purposes of anti-dumping investigations, by a country which is a Member of the World Trade Organization.”

39. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption of treating China PR as a non-market economy country. Upon initiation, the Authority advised the producers / exporters in China PR to respond to the notice of initiation and provide information on whether their data/information could be adopted for normal value determination. The Authority sent copies of the market economy treatment / supplementary questionnaire to all the known producers/ exporters in China PR to provide relevant information in this regard.
40. Article 15 of China's Accession Protocol in WTO provides as follows:

“(a) In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:

If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;

The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.

(b) In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.

(c) The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.

(d) Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the non-market economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector.”

41. The Authority notes that while the provisions of Article 15 (a)(ii) of China PR's Accession Protocol have expired with effect from 11th December 2016, the provision under Article 2.2.1.1 of the Anti-Dumping Agreement read with obligation under 15(a)(i) of the Accession Protocol require criterion stipulated in Para 8 of the Annexure 1 of Anti-Dumping Rules to be satisfied through the information/data to be provided in the supplementary questionnaire for claiming MET status.
42. The Authority notes that none of the producers/exporters from China PR has filed the supplementary questionnaire response to rebut the presumptions as mentioned in para 8 of Annexure – I of the Rules. Under these circumstances, the Authority has to proceed in accordance with para 7 of Annexure – I of the Rules.
43. It is noted that paragraph 7 of Annexure-I to the AD Rules stipulates three methods of calculating the normal value for non-market economies: (a) on the basis of price or constructed value in a market economy third country; (b) export price from a third country to other countries, including India; and (c) on any other reasonable basis. The Authority notes that under the provisions of paragraph 7 of Annexure-I to the AD Rules, the normal value must first be determined on the basis of the price or

constructed value in a surrogate country, or the price of the exports from such country to other countries, including India.

44. At the stage of filing the application, the domestic industry submitted that the normal value for China PR should be constructed based on the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, if necessary, to include a reasonable profit margin.
45. No information/evidence has been provided by the parties for the consideration of the normal value on the basis of the first and second methods. Therefore, the Authority has decided to construct normal value based on the third method, i.e., on any other reasonable basis. Under this, the normal value can be determined based on price actually paid or payable in India. For this purpose, the Authority has considered the optimized cost of production of the domestic industry, with a reasonable addition of selling, general and administrative expenses and profits. The normal value has been determined for each quarter of the period of investigation.

b. Export price for China PR

i. Weifang Zhonghui Chemical Co., Ltd

46. The producer has reported [***] MT of value [***] USD as exports of the product under consideration to India during the period of investigation. The producer has claimed that it has directly exported the product to India and no other related/ unrelated party is involved in the export of the product under consideration. The producer/exporter has claimed various adjustments to the export price. The Authority conducted a desk verification of the information provided by the producer. Additional/supplementary information was sought to the extent deemed necessary. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of these final findings. The net export price so determined is shown in the table below.

ii. Shandong Kunda Biotechnology Company Limited

47. The producer has reported [***] MT of value [***] USD as exports of the product under consideration to India during the period of investigation. The producer has claimed that it has directly exported the product to India and no other related/ unrelated party is involved in the export of the product under consideration. The producer/exporter has claimed various adjustments to the export price. The Authority conducted a desk verification of the information provided by the producer. Additional/supplementary information was sought to the extent deemed necessary. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of these final findings. The net export price so determined is shown in the table below.

iii. Nantong Liyang Chemical Co., Ltd.

48. The producer has reported [***] MT of value [***] USD as exports of the product under consideration to India during the period of investigation. The producer has claimed that it has directly exported the product to India and no other related/ unrelated party is involved in the export of the product under consideration. The producer/exporter has claimed various adjustments to the export price. The Authority conducted a desk verification of the information provided by the producer. Additional/supplementary information was sought to the extent deemed necessary. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of these final findings. The net export price so determined is shown in the table below.

iv. Export prices for all non-cooperative producers/exporters from China PR.

49. The export price for other non-cooperative producers/exporters from China has been determined based on facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules.

II. Determination of normal value and export price for Russia.

50. Saratovorginzez LLC, a producer from Russia had registered but did not file any response. In the absence of response from Russia, the normal value and export price for Russia has been determined based on facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules.

51. The interested parties have contended that imports from Russia are of low purity Acetonitrile which the domestic industry has not supplied. Kairav Chemofarbe Industries Limited has claimed processing cost of Rs [***] per KG in converting Acetonitrile from low purity to high purity (i.e., from 98% to 99.9% purity) while the applicant has provided distillation cost of Rs [***] per KG incurred for a similar conversion. Further, Kairav Chemofarbe Industries Limited has claimed a volume loss of [***] % in the conversion of acetonitrile from low purity to high purity. The applicant has disputed this contention and claimed the volume loss in the entire distillation (purification) operation to be [***]%, and less than [***] % from 98% to 99.9% purity. Kairav Chemofarbe Industries Limited has placed reliance on the minutes of the norms committee of the Government of India which provide ad hoc norms for the conversion of acetonitrile from low purity to high purity. The Authority has based its analysis on the norms used by the norms committee of the GOI.

52. The domestic industry produces only 99.9% purity Acetonitrile. Therefore, the data of 98% purity Acetonitrile is not available with the domestic industry and normal value for 98% purity Acetonitrile cannot be calculated. For the purposes of fair comparison, the Authority has adjusted volume loss and conversion cost incurred from 98% to 99.9% purity acetonitrile in the import price of Russia which is 98% purity Acetonitrile.

53. The net export price has been calculated from the DGCI&S transaction wise data. Since the data reported is at CIF level, adjustments have been made for ocean freight, marine insurance commission, inland freight, port expenses and bank charges. Further, adjustments as explained above have been made in the export price calculation. The net export price so determined is mentioned in the dumping margin table below.

III. Determination of normal value and export price for Taiwan.

54. Formosa Plastics Corporation, a producer from Taiwan had registered but did not file any response. In the absence of response from Taiwan, the normal value and export price for Taiwan has been determined based on facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. The normal value so determined are mentioned in the dumping margin table below.

IV. Determination of dumping margin.

55. The normal value, export price and dumping margin determined in the present investigation are as follows:

SN	Producer	Normal value	Export price	Dumping margin		
		USD/MT	USD/MT	USD/MT	%	(Range)
A	China					
1	Shandong Kunda	***	***	***	***	10-20%

	Biotechnology Company Limited					
2	Nantong Liyang Chemical Co., Ltd.	***	***	***	***	10-20%
3	Weifang Zhonghui Chemical Co., Ltd.	***	***	***	***	20-30%
4	Any other producer	***	***	***	***	20-30%
B	Russia					
1	Any producer	***	***	***	***	20-30%
C	Taiwan					
1	Any producer	***	***	***	***	20-30%

G. ASSESSMENT OF INJURY AND CAUSAL LINK

G.1 Submissions by other interested parties

56. The following submissions have been made by other interested parties with regard to injury and causal link.

- i. 2021-22 was an abnormal period and should not be considered for determining injury because of disruptions caused in supply chain.
- ii. Landed prices of imports declined because of reduction in the price of acetic acid from 2022 to 2024.
- iii. Performance of the applicant is impacted because of capacity expansion.
- iv. The Authority should investigate why the applicant has undertaken capacity expansions in 2022-23, which significantly escalated fixed production costs.
- v. The Authority should adopt ROCE earned by the industry when there was no allegation of dumping as reasonable profit margin and not 22% ROCE.
- vi. Exports from Russia should not be cumulated for injury analysis as the last requirement under the anti-dumping rules regarding conditions of competition is not met. There is no direct competition between Russian produced 98% purity Acetonitrile and 99% purity Acetonitrile sold by the domestic industry and imported from China and Taiwan.
- vii. Consumers are not using the product imported from Russia and the product supplied by the applicant interchangeably. 99% purity Acetonitrile is being sold to the pharmaceutical industry whereas 98% purity acetonitrile is being used as a raw material by manufacturers who further distil it to produce 99% or higher purity of Acetonitrile.
- viii. The Russian import price is continuously below the prices from other countries. WTO Panel in European Communities – Anti Dumping Duties on Malleable Cast Iron Tube or Pipe Fittings from Brazil, held that a parallel increase or decrease in prices is not a necessary indicator for determining conditions of competition. Therefore, Russian import price cannot be cumulated.
- ix. Sales of the domestic industry have only increased throughout the injury period and have not been affected or influenced by the subject imports.
- x. Domestic industry has been able to expand its capacity during the injury period independent of the imports from the subject countries.
- xi. Production and capacity utilization have again increased in the period of investigation compared to the previous year, even when the imports from subject countries have increased, which shows there is no relation between imports and production.
- xii. The decline in profits in 2021-22 is only because of the increase in the cost of sales on account of increase in depreciation, interest and other fixed costs due to the expansion of the capacity.
- xiii. The domestic industry in the oral hearing admitted that the old plant at Kurkumnh is inefficient due to older technology and the old plant has been shut down and the newer plant has been used for production.

- xiv. The Authority should duly adjust the depreciation, interests and other fixed expenses of the new plant by the capacity utilization projected in the project report to calculate the profitability of the domestic industry.
- xv. Decline in landed prices can be attributed to the global decrease in raw material costs, particularly in acetic acid prices.
- xvi. The applicant has expanded its production capacity year on year without a corresponding increase in demand, leading to inefficiencies.
- xvii. Overcapacity has resulted in higher fixed costs and lower utilization rates, which has negatively impacted profitability.

G.2 Submissions by the domestic industry

57. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to injury and causal link.

- i. The imports increased in 2021-22 but declined in 2022-23. This decline was due to (a) decline in demand and (b) capacity expansion. The imports have increased again in the period of investigation.
- ii. Imports in relation to consumption have declined because of capacity addition undertaken by the applicant and other producers.
- iii. The import price is below the selling price of the applicant, resulting in positive price undercutting.
- iv. Even though the variable cost of the domestic industry has increased over the injury period, the landed price has declined. As the import price has declined, the import volume has increased.
- v. Both import price and cost of sales have declined but the decline in the import price is much higher. The import price is below the cost of sales of the domestic industry.
- vi. The low-priced imports have forced the domestic industry to consistently sell at prices below the price list. In 8 months over the period of investigation, the applicant has been forced to sell even below the price decided on the price list.
- vii. Consumers had entered into contracts with the domestic industry for fixed supply but ultimately purchased from exporters which offered at lower prices.
- viii. The applicant is increasingly losing its opportunity to sell in the domestic market.
- ix. The production and capacity utilization of the applicant are significantly below the installed capacity. The capacity utilization has been less than [***%] in atleast [***] months of the period of investigation.
- x. The Kurkumbh plant has faced [***] days shutdown solely due to market constraints.
- xi. While the interested parties have claimed that the injury is due to new plant, the applicant has performed better in the new plant as compared to the old plant.
- xii. While the applicant's market share declined in the period of investigation, the market share of the subject countries increased.
- xiii. The applicant is unable to increase its market share commensurate with respect to its installed capacity.
- xiv. The applicant is left with significant idle inventory despite suspension of production.
- xv. The applicant has seen a decline in cash profit and loss before interest followed by a significant decline in return on capital employed.
- xvi. Even though most of the volume parameters of the applicant have improved, they are below the expected level and the price parameters have suffered a huge decline.
- xvii. The market share of the Indian industry has declined because of the capacity expansions undertaken in the Indian market.

- xviii. The domestic sales of the other producer increased in 2021-22, declining thereafter in the period of investigation.
- xix. The Chinse producers are significantly export oriented and export at whatever prices are offered.
- xx. The difference between the import price into India from China and the international raw material prices has declined by a staggering level of 90% over the injury period. Even when the difference is calculated considering the Chinese prices, it can be seen that the difference between the import price and raw material prices has declined sharply. This shows the degree of dumping resorted to be the Chinese producers.
- xxi. It can be seen from the applicant's internal feasibility report that it anticipated domestic sales of around [***] MT by 2023-24 but it has also been able to sell [***] MT in the domestic market in the period of investigation.
- xxii. The applicant had expected profits of [Rs ***cr.] but the current profit is only [Rs ***lakhs].
- xxiii. The performance of the domestic industry has consistently declined over the period of investigation and there is a need for quarterly examination of injury.
- xxiv. The interested party has not provided any reason as to why 2021-22 was an abnormal period.
- xxv. The capacity expansion was undertaken by the applicant considering the demand and supply gap prevalent in the country
- xxvi. As regards the submission that return of 22% should not be considered, the domestic industry agrees that the Authority should consider the return on capital employed earned by the applicant when there was no dumping. The Authority can consider the average return on capital employed earned by the applicant during 2021-22 and 2020-21.
- xxvii. As regards the submission that cumulative assessment should not be undertaken, the Russian imports compete with the product supplied by the domestic industry and imports from other subject countries and the cumulative assessment conditions are satisfied.

H.3 Examination by the Authority

- 58. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “... *taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on the domestic producers of such articles...*”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, inventory, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Anti-Dumping Rules.
- 59. The Authority has examined the arguments and counterarguments of the interested parties with regard to injury to the domestic industry. The injury analysis made by the Authority hereunder addresses the various submissions made by the interested parties.
- 60. It has been contended by the interested parties that the claimed injury is due to new capacity which is not operating at optimum level. The table below shows the per unit profitability of the domestic industry for the two plants. While the Authority is required to examine injury to the domestic

industry's operations for domestic like product as a whole, it is seen that the domestic industry has suffered significant decline in profitability in both the plants. It is also seen that domestic industry has performed better in the new plant as compared to the old plant. Therefore, the argument is not accepted.

SN	Particulars	UOM	2020-21	2021-22	2022-23	POI
1	Kurkumbh plant	₹/MT	***	***	***	(***)
2	Dahej plant	₹/MT	***	***	***	***

61. It has also been contended by the interested parties that the claimed injury is due to capacity expansion which has resulted in high depreciation and interest cost. The table below shows the interest cost, profit before interest, depreciation, cash profit and profit before depreciation and interest. It is seen that the interest and depreciation cost declined in 2021-22, increased in 2022-23 when the applicant expanded capacity but has declined again in the period of investigation. It is also seen that the profit before interest and cash profit have also declined in the period of investigation. Therefore, the argument that capacity expansion is the cause of injury to the domestic industry is not supported by the data.

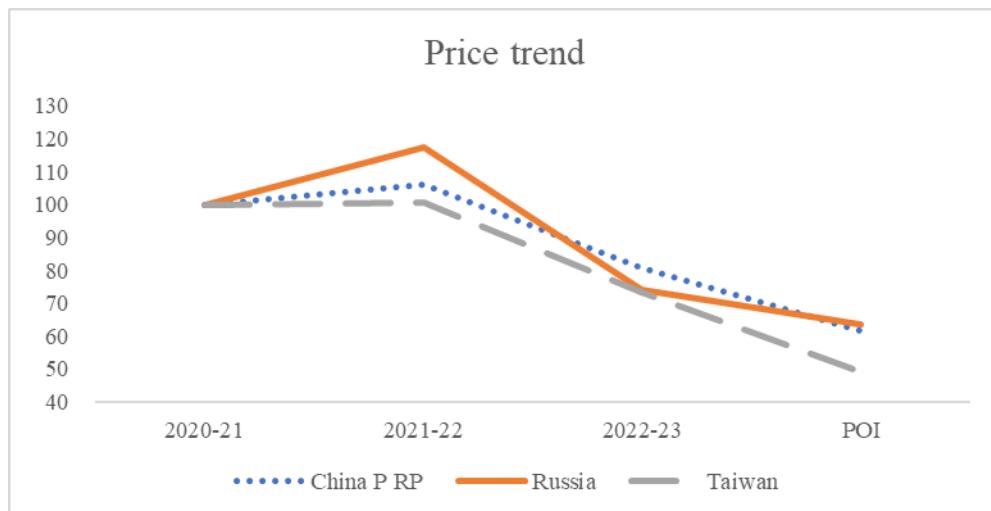
SN	Particulars	UOM	2020-21	2021-22	2022-23	POI
1	Interest Cost	₹/MT	***	***	***	***
2	Trend	Index	100	49	57	50
3	Profit before interest	₹/MT	***	***	***	***
4	Trend	Index	100	16	8	0
5	Depreciation	₹/MT	***	***	***	***
6	Trend	Index	100	116	235	183
7	Cash profit	₹/MT	***	***	***	***
8	Trend	Index	100	19	14	5
9	Profit before depreciation and interest	₹/MT	***	***	***	***
10	Trend	Index	100	19	15	5

62. The interested parties have contended that 22% return on capital employed should not be considered for determination of non-injurious price. The domestic industry requested the Authority to consider the return earned by the domestic industry during the period when there was no dumping. The Authority notes that relevant guidelines in this regard are well laid down under Annexure III of the Anti-Dumping Rules. The Authority has consistently allowed 22% return on capital employed and as it does not see any justifiable reasons to deviate from its established practice, the same has been adopted in the present investigation as well.

63. Article 3.3 of the WTO agreement and para (iii) of Annexure II of the Rules provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:

- The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two per cent expressed as a percentage of export price and the volume of the imports from each country is three per cent (or more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three per cent, the imports collectively account for more than seven per cent of the import of like article, and
- Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

64. With regard to conditions of competition in Russia, the Authority has found that the product under consideration imported from Russia, after processing is sold in competition to the product produced by the domestic industry. It is a like article to the product produced by the domestic industry and the two are comparable technically and commercially. The information on record shows that the imported product is purified and then sold in competition with the product sold by the domestic industry, other producer in India and imports from other subject countries. Further, the Authority notes that the import price from all the subject countries has moved in tandem as shown in graph below.



65. The Authority notes that:

- The subject goods are being dumped into India from the subject countries. The margin of dumping from each of the subject countries is more than *de minimis* limits prescribed under the Rules.
- The volume of imports from each of the subject countries is individually more than 3% of the total volume of imports.
- Cumulative assessment of the effects of import is appropriate as the imports from the subject countries not only directly compete with the like articles offered by each of them but also the like articles offered by the domestic industry in the Indian market.

66. In view of the above, the Authority considers that it is appropriate to cumulatively assess the effect of dumped imports of the subject goods from China PR, Russia and Taiwan on the domestic industry.

H.3.1 Volume effect of the dumped imports

a) Assessment of demand / apparent consumption

67. The Authority has defined demand or apparent consumption of the product concerned in India as the sum of the domestic sales of the domestic industry, domestic sales of supporters, estimated sales of other Indian producer and imports from all sources. The import volume for Russia has been considered after considering the volume loss as reported by Kairav Chemofarbe Industries Limited. Even for imports of low purity from other countries, since no information has been provided, the same volume loss has been considered.

68. The demand so assessed is given in the table below.

SN	Particulars	UOM	2020-21	2021-22	2022-23	POI
1	Sale of domestic industry	MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	111	135	163
2	Sales of supporters	MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	55	38	31
3	Other producers	MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	678	374	329
4	Imports from subject countries	MT	13,192	13,499	9,960	14,700
5	Imports from other countries	MT	3,954	4,342	2,259	3,551
6	Total Demand	MT	***	***	***	***

69. It is seen that the demand increased in 2021-22, declined in 2022-23, and increased again in the period of investigation. The domestic industry stated that while some consumption increased in 2021-22 due to post-Covid recovery, there was also some over purchases by the parties in 2021-22, and the actual consumption did not increase to the extent reflected in the data. The domestic industry contended that some material remained in stocks with the consumers towards the end of 2021-22, which was consumed in 2022-23, leading to lower figures of consumption in 2022-23. The interested parties have not disputed the submission made by the domestic industry. The Authority notes the demand has increased over the injury period.

b) Import volumes from the subject countries

70. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the transaction wise import data procured from DGCI&S transaction wise data. The import volumes of the subject goods from subject countries and share of the dumped import during the injury investigation period are as follows:

SN	Particulars	UOM	2020-21	2021-22	2022-23	POI
1	Subject Countries	MT	13,192	13,499	9,960	14,700
a	China PR	MT	9,851	9,853	7,278	10,743
b	Russia	MT	1,276	1,798	1,732	2,215
c	Taiwan	MT	2,065	1,847	951	1,742
2	Other countries	MT	3,954	4,342	2,259	3,551
3	Imports in relation to					
a	Indian production	%	***	***	***	***
b	Indian demand	%	***	***	***	***
c	Total Imports	%	***	***	***	***

71. It is seen that imports from the subject countries increased in 2021-22. The increase in imports was in line with the increase in demand. The imports declined in 2022-23 but have increased again in the period of investigation. This increase in imports is more than the increase in the demand for the product under consideration. While the demand increased by ***%, the imports increased by ***%.

72. It has been stated that the import volume was high in 2020-21 and 2021-22 because of the presence of demand and supply gap in the country. From the information on record, it is seen that the capacity in

2020-21 was around [***MT]. The domestic industry has expanded its capacity by setting up a new plant of [***MT] with an investment of Rs [***cr.]. The supporter, Jindal Speciality Chemicals Private Limited too has invested more than Rs [***cr] and set up a new capacity for [***MT]. Thus, the imports from the subject countries have increased in the period of investigation, despite new and sufficient capacities being set up in the country.

73. It is also seen that imports in relation to production and consumption declined in 2021-22 and further declined in 2022-23 and increased again in the period of investigation. While imports in relation to consumption have declined as compared to base year, it is because of capacity addition done by the domestic industry and other producers. As compared to immediately preceding year, imports from subject countries have increased in relation to production by ***%, in comparison to consumption by ***%.

H.3.2 Price effect of the dumped imports

74. In terms of Annexure II (ii) of the Rules, with regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

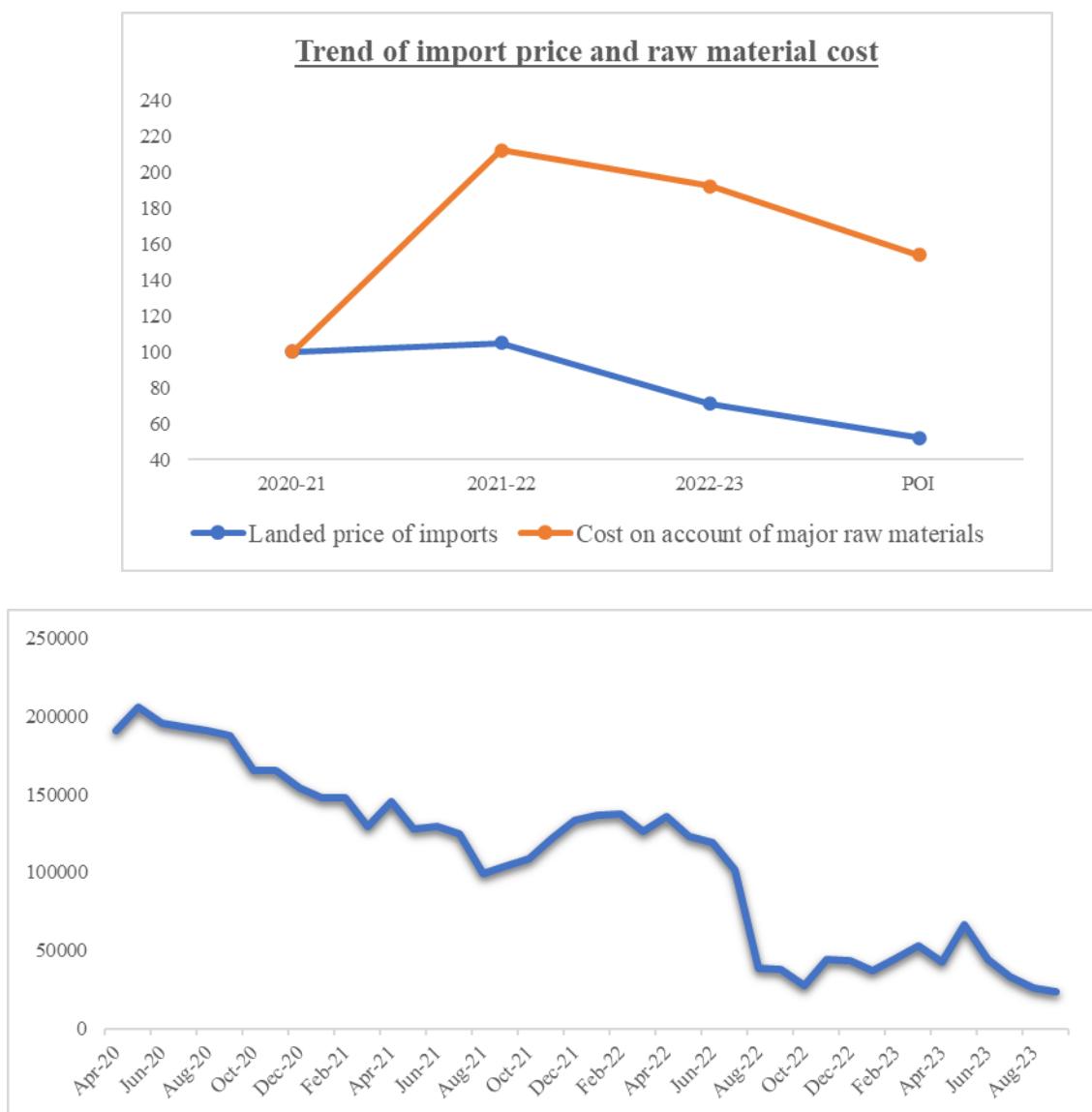
a) Evolution of price

75. The table below shows the information on import price into India and global prices of the two major raw materials.

SN	Particulars	UOM	2020-21	2021-22	2022-23	POI
1	Landed price of imports	USD/MT	3,378	3,586	2,480	1,822
2	Trend	Index	100	106	73	54
3	Global acetic acid prices	USD/MT	446	911	718	610
4	Trend	Index	100	204	161	137
5	Global anhydrous ammonia prices	USD/MT	268	699	1,033	709
6	Trend	Index	100	261	385	265
7	Cost on account of major raw materials	USD/MT	833	1,768	1,600	1,286
8	Trend	Index	100	212	192	154

Source – global import price as per Trademap data.

76. It is seen that in the year 2021-22, the raw material prices increased sharply, but the landed price of imports did not increase at the same rate. The raw material prices declined in 2022-23. However, the landed price has also declined. The declining trend has continued in the period of investigation. It is seen that over the injury period, the price of both raw materials has increased over the injury period, but the import price has declined sharply. It is therefore seen that the import price has not exactly followed the global price trend of the raw materials.



b) Price undercutting

77. Price undercutting has been determined by comparing the net sales realization of the domestic industry with the landed price of the imports for the period of investigation. The table below shows the price undercutting for each of the subject countries. Further, the price undercutting has been determined for each quarter of the period of investigation.

China

SN	Particulars	UOM	Q3 2022-23	Q4 2022-23	Q1 2023-24	Q2 2023-24	POI
1	Import volume	MT	2,579	2,080	2,314	3,770	10,743
2	Selling price	₹/MT	***	***	***	***	
3	Landed price	₹/MT	184,286	172,830	151,178	128,635	155,406
4	Price undercutting	₹/MT	***	***	***	***	***
5	Price undercutting	%	***	***	***	***	***
6	Price undercutting	Range	0-10%	0-10%	0-10%	0-10%	0-10%

Taiwan

SN	Particulars	UOM	Q3 2022-23	Q4 2022-23	Q1 2023-24	Q2 2023-24	POI
1	Import volume	MT	38	466	498	740	1,742
2	Selling price	₹/MT	***	***	***	***	
3	Landed price	₹/MT	193,548	192,791	147,064	128,783	152,557
4	Price undercutting	₹/MT	***	(***)	***	***	***
5	Price undercutting	%	***	(***)	***	***	***
6	Price undercutting	Range	(0-10) %	(0-10) %	0-10%	0-10%	0-10%

Russia

SN	Particulars	UOM	Q3 2022-23	Q4 2022-23	Q1 2023-24	Q2 2023-24	POI
1	Import volume	MT	564	372	921	482	2,339
2	Selling price	₹/MT	***	***	***	***	
3	Landed price	₹/MT	165,010	148,392	152,332	123,920	148,905
4	Price undercutting	₹/MT	***	***	***	***	***
5	Price undercutting	%	***	***	***	***	***
6	Price undercutting	Range	10-20%	10-20%	0-10%	0-10%	0-10%

Subject countries as a whole

SN	Particulars	UOM	Q3 2022-23	Q4 2022-23	Q1 2023-24	Q2 2023-24	POI
1	Import volume	MT	3,181	2,918	3,733	4,992	14,824
2	Selling price	₹/MT	***	***	***	***	
3	Landed price	₹/MT	180,983	172,900	150,914	128,202	154,046
4	Price undercutting	₹/MT	***	***	***	***	***
5	Price undercutting	%	***	***	***	***	***
6	Price undercutting	Range	0-10%	0-10%	0-10%	0-10%	0-10%

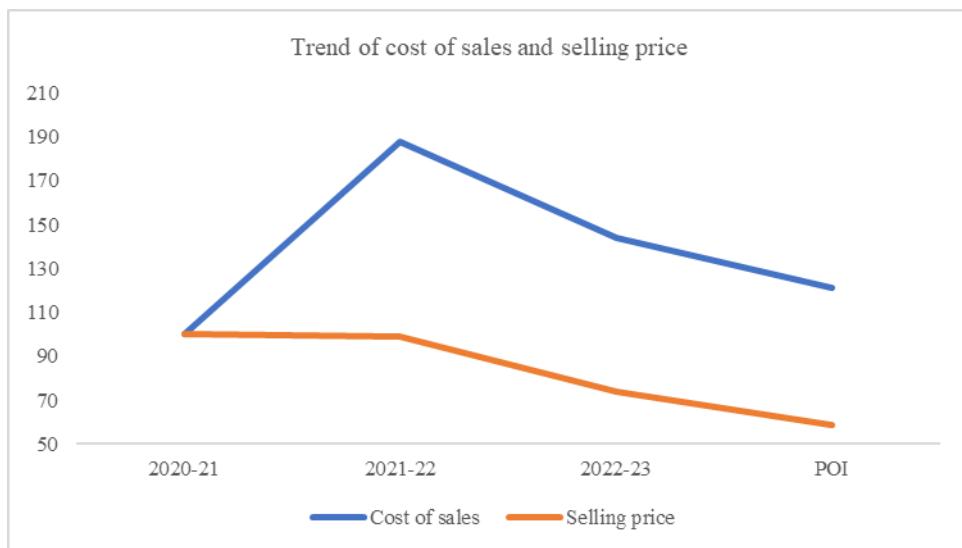
78. It is seen that the price undercutting has fluctuated over the period of investigation. On overall basis, it is seen that the price undercutting is positive.

c) Price suppression/depression

79. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the changes in the costs and prices over the injury period, are compared as below.

SN	Particulars	UOM	2020-21	2021-22	2022-23	POI
1	Cost of sales	₹/MT	***	***	***	***
2	Trend	Indexed	100	188	144	121
3	Change	₹/MT		***	(***)	(***)
4	Selling price	₹/MT	***	***	***	***
5	Trend	Indexed	100	99	74	59
6	Change	₹/MT		(***)	(***)	(***)

80. It is seen that in the year 2021-22, the cost of sales of the domestic industry increased by Rs [***] per MT, the selling price has declined by Rs [***] per MT. In the year 2022-23, the cost of sales declined by Rs [***] per MT and the selling price has further declined by Rs [***] per MT. The cost of sales has further declined in the period of investigation by Rs [***] per MT and the selling price has also declined by Rs [***] per MT. Over the injury period, the cost of sales has increased but the selling price has declined. Therefore, the imports have suppressed & depressed the prices of the domestic industry in the market over the injury period.



H.3.4 Economic parameters of the domestic industry

81. Annexure II to the Anti-Dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below.

a) Production, capacity, capacity utilization and sales volumes

82. Capacity, production, sales and capacity utilization of the domestic industry over the injury period were as below:

SN	Particular	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
1	Installed Capacity	MT	***	***	***	***
2	Trend	Index	100	147	245	238
3	Production	MT	***	***	***	***
4	Trend	Index	100	121	134	163
5	Capacity Utilization	%	***	***	***	***
6	Trend	Index	100	82	55	68

7	Domestic Sales	MT	***	***	***	***
8	Trend	Index	100	111	135	163
9	Export Sales	MT	***	***	***	***
10	Trend	Index	100	101	172	157

83. It is seen that:

- a. The domestic industry has set up a new plant of 16,500 MT with an investment of Rs 150 cr. It has been stated that the capacity was set up to cater to demand and supply gap in the country.
- b. The capacity utilization of the domestic industry declined till 2022-23 but increased in the period of investigation. The domestic industry has been operating with significant idle capacity in the period of investigation.
- c. The production of the domestic industry has increased consistently over the injury period. However, the increase in production is much lower than the levels that could have been achieved by the domestic industry, had it operated at the same level of capacity utilization as in base year.
- d. The domestic sales of the domestic industry have also shown an increase over the injury period. As compared to 2022-23, immediately preceding year, the domestic sales in the period of investigation have increased by [***] MT but the demand has increased by [***] MT. Further, the increase in domestic sales volumes in period of investigation as compared to preceding year is far lower than the increase in the subject imports.
- e. The domestic industry has stated that due to adverse market conditions, Kurkumbh plant has faced [***] days of shutdown and many customers shifted to exporters who are selling at dumped prices.

84. The table below shows the quarterly evolution of the capacity, production and domestic sales of the domestic industry over the period of investigation.

SN	Particular	Unit	Q3 2022-23	Q4 2022-23	Q1 2023-24	Q2 2023-24
1	Installed capacity	MT	***	***	***	***
2	Trend	Index	100	98	94	94
3	Production	MT	***	***	***	***
4	Trend	Index	100	111	103	101
5	Capacity Utilization	%	***	***	***	***
6	Trend	Index	100	113	109	108
7	Domestic Sales	MT	***	***	***	***
8	Trend	Index	100	117	106	103
9	Export Sales	MT	***	***	***	***
10	Trend	Index	100	64	120	97

85. It is seen that the production and domestic sales increased in quarter 4 of 2022-23 (which is the second quarter of the period of investigation). The production declined in the subsequent two quarters. The domestic sales have also followed a similar pattern.

b) Market share

86. Market share of the domestic industry, the supporters, other domestic producer, imports from subject countries and imports from other countries is given in the table below:

SN	Particular	Unit	2020-21	2021-22	2022-23	POI
1	Domestic Industry	%	***	***	***	***
2	Trend	Index	100	102	147	137
3	Supporters	%	***	***	***	***
4	Trend	Index	100	51	41	26
5	Other producers	%	***	***	***	***
6	Trend	Index	100	625	407	275
7	Subject countries	%	***	***	***	***
8	Other countries	%	13%	13%	8%	10%

87. It is seen that:

- The market share of the domestic industry increased in 2021-22 and 2022-23. The market share of the domestic industry has declined in the period of investigation in comparison to the preceding year.
- While market share of the domestic industry has shown an increase in the period of investigation over the injury period, the same is only because of the new plant set up by the domestic industry
- The market share of the supporters has consistently declined over the injury period.
- The market share of the Indian industry increased in 2021-22 and 2022-23 but has declined in the period of investigation, despite the capacity expansions undertaken in the Indian market. While the industry has the capacity to cater the entire demand in the country, the imports cater close to 50% of the demand.
- While the market share of the imports declined in 2021-22 and 2022-23, these have increased in the period of investigation.

88. The table below shows the quarterly market share over the period of investigation.

SN	Particular	Unit	Q3 2022-23	Q4 2022-23	Q1 2023-24	Q2 2023-24
1	Domestic Industry	%	***	***	***	***
2	Trend	Index	100	109	90	76
3	Supporters	%	***	***	***	***
4	Trend	Index	100	93	85	74
5	Other producers	%	***	***	***	***
6	Trend	Index	100	93	85	74
7	Subject countries	%	***	***	***	***
8	Other countries	%	6%	8%	12%	12%

89. It is seen that the market share of the applicant increased in quarter 4 2022-23, then declined in quarter 1 of 2023-24 and further declined in the Q2 of 2023-24. The market share of the imports is increasing significantly in the last quarter of the period of investigation.

c) Inventories

90. Inventory position of the domestic industry over the injury period is given in the table below:

SN	Particulars	UOM	2020-21	2021-22	2022-23	POI
1	Opening Inventory	MT	***	***	***	***
2	Closing Inventory	MT	***	***	***	***
3	Average Inventory	MT	***	***	***	***
4	Trend	Index	100	284	374	232

91. It is seen that the inventory held by the domestic industry increased in 2021-22 when it started the production for the new plant. The inventory increased in 2022-23, declined in POI vis-à-vis 2022-23 and has increased in the period of investigation.

92. The domestic industry has submitted that the increase in inventory is low due to the fact that it was forced to suspend production of one of the plants for [***] days due to lack of demand for its product.

93. The table below shows the quarterly evolution of inventory over the injury period.

SN	Particulars	UOM	Q3 2022-23	Q4 2022-23	Q1 2023-24	Q2 2023-24
1	Opening Inventory	MT	***	***	***	***
2	Closing Inventory	MT	***	***	***	***
3	Average Inventory	MT	***	***	***	***
4	Trend	Index	100	145	173	181

94. The average inventory of the domestic industry has increased over the period of investigation.

d) Profitability, cash profits and return on capital employed

95. Profitability, return on investment and cash profits of the domestic industry over the injury period is given in the table below:

SN	Particulars	UOM	2020-21	2021-22	2022-23	POI
1	Profit/(Loss)	₹ Lacs	***	***	***	(***)
2	Trend	Index	100	18	11	0
3	PBIT	₹ Lacs	***	***	***	***
4	Trend	Index	100	18	11	1
5	Cash Profit	₹ Lacs	***	***	***	***
6	Trend	Index	100	21	19	8
7	Return on investment	%	***	***	***	***
8	Trend	Index	100	9	5	0

96. It is seen that the profitability of the domestic industry declined during the injury period. The profitability of the domestic industry has declined significantly in the period of investigation resulting into losses.

97. It is also seen that the domestic industry has suffered a significant decline in the cash profits and the return on capital employed. While profit before interest and tax, cash profits and return on investment are positive, they are very low. The interested parties alleged that the losses suffered by domestic industry may be due to the capacity expansion undertaken by the domestic industry. As noted earlier, the profitability of industry even after removing the impact of depreciation and interest has significantly declined. Therefore, the losses suffered by the domestic industry cannot be attributed to the capacity expansion undertaken

98. The table below shows quarterly profitability over the injury period.

SN	Particulars	UOM	Q3 2022-23	Q4 2022-23	Q1 2023-24	Q2 2023-24
1	Profit/(Loss)	₹ Lacs	***	***	(***)	(***)
2	Trend	Index	100	110	-44	-170
3	PBIT	₹ Lacs	***	***	(***)	(***)
4	Trend	Index	100	110	-38	-159
5	Cash Profit	₹ Lacs	***	***	***	(***)
6	Trend	Index	100	113	8	-76
7	Return on investment	%	***	***	(***)	(***)
8	Trend	Index	100	110	-38	-159

99. It is seen that the domestic industry was profitable in quarter 3 and quarter 4 of 2022-23 (the first two quarters of the period of investigation). The losses turned negative in the quarter 1 of 2023-24 (third quarter of the period of investigation). The losses have increased towards the last quarter of the period of investigation.

100. It is also seen that the profit before interest and tax and cash profit were positive when seen over the period of investigation as a whole. They have turned negative towards the quarter 1 of 2023-24 (third quarter of the period of investigation) and the last quarter of the period of investigation. The return on capital employed is also significantly negative towards the end of the period of investigation.

e) Employment, productivity and wages

101. Employment, productivity and wages are given in the table below: -

SN	Particulars	UOM	2020-21	2021-22	2022-23	POI
1	Salaries & Wages	₹ Lacs	***	***	***	***
2	Trend	Index	100	87	80	74
3	No of employees	Nos.	***	***	***	***
4	Trend	Index	100	218	218	218
5	Productivity per day	MT/Days	***	***	***	***
6	Trend	Index	100	161	134	163
7	Productivity per employee	MT/Nos	***	***	***	***
8	Trend	Index	100	55	61	75

102. It is seen that with the increase in the production, the productivity per day and per employee has improved. Further, the capacity expansion by the applicant has led to creation of employment as the number of employees have increased. The domestic industry has not claimed injury on this account.

f) Growth

103. Information with regard to the growth is given in the table below:-

SN	Particulars	UOM	2021-22	2022-23	POI
1	Capacity	%	***	***	(***)
2	Plant production	%	***	***	***
3	Domestic sales	%	***	***	***
4	Average Inventory	%	***	***	(***)
5	Profit/(Loss) per unit	%	(***)	(***)	(***)
6	Profit/(Loss) Rs lakhs	%	(***)	(***)	(***)
7	Profit before tax Rs lakhs	%	(***)	(***)	(***)
8	Cash Profit Rs lakhs	%	(***)	(***)	(***)
9	Return on Capital Employed	%	(***)	(***)	(***)

104. It is seen that the price parameters including profitability, cash profit, PBIT and return on capital employed have recorded a negative growth.

g) Ability to raise capital investment.

105. It is seen that the domestic industry had set up a new plant for the subject goods at Dahej which commenced production in the third quarter of 2021-22. However, the performance of the applicant is adversely impacted due to imports. The return earned by the domestic industry is less than [***] % which shows that the ability of the domestic industry to raise capital has been impaired.

h) Factors affecting prices

106. It is seen that the subject imports are undercutting the prices and costs of the domestic industry. As a result, the imports have forced the domestic industry to sell at prices below their cost. The domestic industry is unable to fetch its target prices in India. The fact that the imports are entering Indian market below the selling price of the domestic industry and the domestic industry has suffered from significant decline in the profitability establishes the adverse impact of the dumped imports. Therefore, the imports from the subject countries have adversely affected the prices of the domestic industry.

i) The magnitude of dumping

107. The magnitude of dumping is an indicator of the extent to which the imports are being dumped into India. The investigation has shown that the dumping margin is positive and significant during the period of investigation.

H.3.5 Conclusion on injury

108. The examination of the imports of the subject product and performance of domestic industry shows that:

- a. The imports from subject countries have significantly increased in the period of investigation in comparison to the preceding year in both absolute and relative terms. The volume of imports shows a higher increase when seen over quarterly period of the period of investigation. Overall, imports from subject countries have marginally increased during injury period.
- b. The import price is below the selling price of the applicant resulting in positive price undercutting.
- c. While the cost of sales has declined in the period of investigation, the decline in the selling price is higher. The prices of the domestic industry are depressed.
- d. The production and capacity utilization of the applicant are significantly below the applicant's installed capacity.
- e. The applicant's market share has reduced in the period of investigation, and that of the subject countries has increased. The applicant is unable to increase its market share commensurate with its installed capacity.
- f. The applicant is left with significant idle inventory despite suspension of production.
- g. The applicant has suffered financial losses.
- h. The applicant has seen a decline in cash profit, and a significant decline in return on capital employed.
- i. The growth of applicant has been adversely affected as while most of the volume parameters have improved, they are below the expected level and the price parameters have suffered a significant decline.
- j. On quarterly basis, the applicant's profitability has consistently declined. The applicant was profitable in the first two quarters (which were low). They have turned into severe losses in the last two quarters of the period of investigation.
- k. The profit before interest, cash profit and return on capital employed are marginally positive in the period of investigation but when seen on a quarterly basis, they have turned negative in the last two quarters.
- l. The ability to raise capital has been adversely impacted.

H. NON-ATTRIBUTION ANALYSIS

109. As per the Rules, the Authority, inter-alia, is required to examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors may not be attributed to the dumped imports. The factors which may be relevant in this respect include, inter-alia, the volume and prices of the imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It has been examined below whether factors other than dumped imports could have contributed to the injury, which has caused injury to the domestic industry.

a. Volume and price of imports from third countries

110. The Authority notes that imports from non-subject countries are not significant in volume. Therefore, the injury is not attributable to imports from third countries.

b. Contraction of demand

111. The demand for the product under consideration has seen an increase. Therefore, decline in demand cannot be a cause of injury. Thus, the domestic industry has not suffered injury due to possible contraction in demand.

c. Changes in pattern of consumption

112. There has been no known material change in the pattern of consumption of the product under consideration.

d. Trade restrictive practices

113. The sales of the subject goods are not restricted in any manner and no restrictive practices have been brought to the notice of the Authority.

e. Developments in technology

114. The Authority notes that there has been no known material change in the technology for the production of the product under consideration.

f. Productivity

115. The Authority notes that the productivity of the domestic industry has increased over the injury period. Therefore, the domestic industry has not suffered injury on this account.

g. Export performance

116. The applicant has exported significantly less in comparison to domestic sales of the like product. The Authority has relied on segregated data for domestic and export operations for the purpose of injury analysis of the domestic industry. Thus, possible decline in export performance is not cause of the injury considered hereinabove.

h. Performance of other products

117. The Authority has only considered data relating only to the performance of the subject goods. Therefore, the performance of other products produced and sold is not a possible cause of injury to the domestic industry.

i. Conclusions on causal link

118. While other known factors listed under the Rules have not caused injury to the domestic industry, the Authority notes that the following parameters show that injury to the domestic industry is caused by the dumped imports.

- i. The import price has not followed the trend of changes in the raw material cost. While the costs on account of raw materials increased over the injury period, the import price has materially declined over the injury period.
- ii. When seen over the period of investigation, the import price has declined and the import volume has increased.
- iii. The export price to the Indian market is below the normal value.
- iv. The landed price of imports in the period of investigation has been below the selling price of the applicant resulting in positive price undercutting.
- v. The landed price of imports in the period of investigation is below the cost of sales of the domestic industry, which has prevented the domestic industry from selling at adequate remunerative prices.
- vi. As a result of the dumped imports, the financial performance of the domestic industry has been adversely impacted. The applicant has suffered losses in the period of investigation.
- vii. The market share of the imports has increased and that of the applicant has declined.
- viii. The production and capacity utilization of the applicant are significantly below the applicant's installed capacity.

- ix. As the import price declined on quarterly basis, the import volume has increased.
- x. With the increase in the import volume on quarterly basis, the market share of the domestic industry has declined.
- xi. With the steep decline in the import price, the profitability of the domestic industry has also deteriorated. The domestic industry has recorded losses, cash losses and negative return on capital employed in the last two quarters of the period of investigation.

119. The Authority therefore holds that the injury to the domestic industry is caused due to dumping.

I. MAGNITUDE OF INJURY MARGIN

120. The Authority has determined Non-Injurious Price for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules read with Annexure III, as amended. The non-injurious price of the product under consideration has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation. The non-injurious price has been considered for comparing the landed price from the subject countries for calculating the injury margin. For determining the non-injurious price, the best utilisation of the raw materials by the domestic industry over the injury period has been considered. The same treatment has been carried out with the utilities. The best utilisation of production capacity over the injury period has been considered. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses are charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e. average net fixed assets plus average working capital) for the product under consideration was allowed as pre-tax profit to arrive at the non-injurious price as prescribed in Annexure III of the Rules and being followed.

121. The landed price for the cooperative exporters has been determined on the basis of the data furnished by the exporters. For all the non-cooperative producers/exporters from the subject countries, the Authority has determined the landed price based on the facts available.

122. In case of Russia, the imported PUC is of 98% purity. Therefore, for the purposes of fair comparison, the Authority has adjusted adjustment of volume loss and conversion cost incurred from 98% to 99.9% purity acetonitrile in the import price of Russia and accordingly calculated the landed price.

123. Based on the landed price and non-injurious price determined as above, the injury margin for producers/exporters has been determined by the Authority and the same is provided in the table below:

SN	Producer	NIP	Landed	Injury margin		
		USD/MT	USD/MT	USD/MT	%	(Range)
A	China					
1	Shandong Kunda Biotechnology Company Limited	***	***	***	***	10-20%
2	Nantong Liyang Chemical Co., Ltd.	***	***	***	***	10-20%
3	Weifang Zhonghui Chemical Co., Ltd.	***	***	***	***	10-20%
4	Any other producer	***	***	***	***	20-30%
B	Russia					
1	Any producer	***	***	***	***	10-20%

C	Taiwan					
1	Any producer	***	***	***	***	10-20%

J. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

J.1. Submissions by other interested parties

124. The other interested parties have made the following submissions with regard to the Indian industry's interest:

- Impact quantification provided by the domestic industry is inaccurate as it has deliberately considered high priced downstream product.

J.2 Submissions by the domestic industry

125. The domestic industry has made the following submissions with regard to the Indian industry's interest:

- The purpose of anti-dumping has been well recognized by the Hon'ble Supreme Court in past cases.
- There are three other producers of the subject goods in India, apart from the applicant. Thus, there will be no monopolisation.
- There are imports from non-subject countries in India as well.
- Continuation of anti-dumping duty would only make this competition even more vibrant.
- The impact of anti-dumping duty on the downstream products is minuscule and within the range of 0.10% to 0.73%.
- The subject goods are not a basic raw material required to produce any product and is only added as a solvent in processing other products.
- Acetonitrile is ultimately recovered from the reaction mixture after end of the reaction process.
- The applicant has given evidence to show that the 95% of the applied solvent is recovered by the producer.
- Even if the prescribed consumption norms are considered, the impact of the anti-dumping duty will be insignificant.
- The applicant has expanded its capacity by setting up a new plant of *** MT with an investment of Rs ***crore and Jindal Speciality Chemicals Private Limited has invested more than Rs *** crore.
- The installed capacity of the applicant and supporters is more than the demand in India.
- The price of the subject imports in the past was higher in comparison to the price derived after adding anti-dumping duty to the import price of the period of investigation.
- The import, which is without any demand and supply gap in India is adding to the trade deficit of the country.
- The imposition of duty would be in the overall interest of the public.

K.3 Examination by the Authority

126. The Authority notes that the primary objective of anti-dumping duties is to rectify the injury inflicted upon the domestic industry by the unjust trade practices of dumping, thereby fostering an environment of open and equitable competition in the Indian market. The imposition of anti-dumping measures is not designed to curtail imports from the subject countries. Rather, it is a mechanism to ensure a level playing field. The Authority acknowledges that the persistence of anti-dumping duties may influence the price levels of the product in India. However, it is crucial to note that the essence of fair competition in the Indian market will remain unscathed by the continuation of these measures.

Far from diminishing competition, the imposition of anti-dumping measures serves to prevent the unfair advantages through dumping practices. It safeguards the consumers' access to a broad selection of the subject goods. Thus, anti-dumping duties are not a hindrance, but a facilitator of fair-trade practices.

127. The Authority issued the initiation notification, inviting views from all interested parties including importers, users and consumers. An Economic Interest Questionnaire was also prescribed to allow various stakeholders, including the domestic industry, producers/exporters and importers/users/consumers to provide relevant information concerning the present investigation, including the possible effect of anti-dumping duty on their operations.
128. The Authority notes that no user of the subject goods has stepped forward to participate before the Authority or furnished a response to the Economic Interest Questionnaire. Furthermore, no party has presented any evidence to indicate the adverse effect of the duties in force.
129. The Authority notes that the domestic industry and other Indian producers have heavily invested in the plant to manufacture the subject goods and make India self-reliant. Prior to the new additional capacity set up by the Indian producers, the country had a demand-supply gap. However, the Indian producers have invested to make the country Atma-Nirbhar and reduce reliance on imports.
130. The domestic industry has highlighted that the users will not be adversely impacted by the duties because of the low impact of the duties on the end product. The domestic industry has submitted that the impact of measures on the end-consumers is as below: -

SN	Product	Acetonitrile share (SION)	Acetonitrile cost	Product price (INR/kg)	Impact if price rise by 10%
1	Ampicillin Sodium Sterile	1.41	***	***	0.10%
2	Montelukast Sodium	9.47	***	***	0.36%
3	Cefixime	3.07	***	***	0.47%
4	1,2-Dimethyl 1,4,5,6 Tetra Hydro Pyrimidine	0.45	***	***	0.73%
5	Cypermethrin Technical 92% Minimum	0.274	***	***	0.61%

131. From the above, it is seen that the impact of the duties is quite minuscule. Moreover, the domestic industry has stated that since the subject goods are merely used as a solvent, it is not a major cost to the user industry. While the other parties have argued that the impact calculated by the domestic industry is inaccurate, the Authority notes that no evidence and calculations have been provided to substantiate the claims.
132. Moreover, the domestic industry has submitted that as a solvent, the subject goods are recovered from the reaction mixture after end of the reaction process. The Authority notes that the evidence provided by the domestic industry shows that Aurobindo Pharma Limited was able to recover 95% of the applied solvent. Other users including Dasami Lab Pvt. Ltd., SMS Pharmaceuticals Limited and Global Pharma Healthcare Private Limited have reported close to 90-95% of the acetonitrile as recovered in the environmental management plans submitted by the domestic industry.
133. The Authority further notes that the imposition of anti-dumping duty will not lead to scarcity of the subject goods in India. It is noted that anti-dumping duty does not restrict imports but ensures that imports are available at fair prices. The imposition of duty would, therefore, not affect the

availability of the product. In any case, there are three other Indian producers of the subject goods in India. The supply in India exceeds the current demand.

K. Post disclosure submissions.

K.1. Submissions by other interested parties

134. The other interested parties have made the following comments to the disclosure statement:

- a. 98% or lower purity Acetonitrile should be excluded from the scope of the PUC in this investigation due to difference differences in manufacturing processes, no commercial substitutability, consumer base distinction, differences in product properties and conversion process.
- b. Domestic industry has adopted an incorrect conversion methodology for lower purity Acetonitrile to 99.9% purity. The Disclosure Statement lacks clarity on whether the Authority has applied the conversion methodology for lower purity Acetonitrile.
- c. Authority is requested to consider the actual volume loss and conversion costs provided by KCIL in its user questionnaire response. Return on net fixed assets for producing 99.9% purity Acetonitrile should not be included in the NIP for 98% purity Acetonitrile.
- d. Despite adjustments made for landed price and export price of Russia, the NIP for 98% purity Acetonitrile has been calculated using the net fixed assets of the domestic industry for 99.9% purity production, which does not accurately reflect the cost structure of 98% purity Acetonitrile.
- e. The decline in profitability is due to the establishment of the Dahej plant and competition with other domestic producers, not subject imports.
- f. The domestic industry selected expensive pharmaceutical products with low Acetonitrile usage to minimize the perceived impact. However, KCIL's provided data for products like Captopril USP and Loratadine, which use significant amounts of Acetonitrile, shows the real impact would be substantial.
- g. Adopting a uniform 22% ROCE inflates the non-injurious price and distorts the injury assessment, as criticized by the CESTAT. The European Union's approach, based on profits under normal competition, supports this view.
- h. External factors like fluctuating raw material costs, changing consumer preferences, and increased competition may have directly impacted profitability.

K.2 Submissions by the domestic industry

135. The following post disclosure comments have been made by the domestic industry.

- a. Imported 98% purity product from Russia has been processed into India and thereafter sold as 99.9% purity materials. The customers in India are using the product supplied by the Indian industry and producers from the subject countries interchangeably. It is therefore essential that imports of Acetonitrile in any form are considered inside the scope of the investigation.
- b. The applicant has provided distillation cost incurred from crude stage (around 40% purity) to 99.9% purity stage which has been verified by the Authority. The production process undertaken by Kairav cannot result in high conversion cost.
- c. Mere conversion of unpurified data to a purified form cannot result in such high volume loss. The Authority placed its reliance on the Minutes of the Norms Committee. However, the minutes itself state that the norms can be lower.

- d. If the claim of volume loss is to be accepted, the domestic industry submits that such volume loss also results in income generated from the sale of such impurities and the same should also be adjusted in the calculation of conversion cost.
- e. In the context of NIP, the Authority does not accept the norms given under SION. The Authority should adopt actual volume loss and conversion cost.
- f. The disclosure statement does not mention that the data of Kairav has been verified. The Authority cannot place its reliance on unverified data.
- g. From the perusal of calculation of non-injurious price disclosed to the domestic industry, it is seen that Authority has significantly reduced the non-injurious price claimed by the domestic industry.
- h. The raw material cost and the conversion cost claimed by the applicant has been significantly reduced but no reason has been provided to the domestic industry.
- i. The return on capital employed considered by the Authority is not as per the consistent practice. Total cost of sales considered for calculation of non-injurious price has been taken on quarterly basis and then return has been calculated on quarterly basis. It has been the consistent practice of the Authority to calculate return for the period of investigation as a whole.
- j. The Authority is requested to recommend the imposition of anti-dumping duty for a period of five years. A shorter duration would not allow the domestic industry sufficient time to recover from the significant injury caused by the dumped imports.

K.3 Examination by the Authority.

- 136. The Authority has examined the post-disclosure submissions made by the interested parties. It is observed that the majority of these submissions are reiterations of arguments and contentions that have already been examined and addressed to the extent deemed necessary in the relevant paragraphs of these final findings. For the sake of brevity, the Authority has refrained from repeating the responses to such issues in this post-disclosure examination. However, any new issues raised for the first time in the post-disclosure submissions, as well as those previously addressed but deemed by the Authority to require further examination, are examined and addressed hereinunder.
- 137. On the comments that decline in profitability was due to the establishment of the Dahej plant and competition with other domestic producers, the Authority notes that it has examined in the disclosure statement that profitability of the Dahej plant is more than the other plant. Further the assertion related to inter-se competition is not supported by any evidence. The Authority notes that the dumping margin has been found to be positive in respect of all the subject countries. Therefore, it cannot be considered that the injury suffered by the domestic industry is due to inter-se competition.
- 138. With reference to the inclusion of 98% purity acetonitrile within the scope of the product under consideration, the Authority notes that the available records clearly justify the inclusion of 98% purity acetonitrile in the scope, which was already explained in the disclosure statement. While KCIL claimed a 19% volume loss during the conversion of low-purity to high-purity acetonitrile, the data indicates a lower actual volume loss. The domestic industry reported a volume loss of [***]%. However, the Authority refers to the norms set by the Government of India's norms committee, which have been deemed appropriate for determining volume loss. Regarding conversion costs, the cost claimed by KCIL was taken into account. It was noted that KCIL's calculation did not factor in the income from the sale of impurities. The Authority observes that when accounting for volume loss due to impurities has been considered, the associated income should also be included in the cost of production. This method was also applied in the calculation of the non-injurious price for the

domestic industry. Consequently, the conversion cost was adjusted to include the income from impurities reported by KCIL for determining the normal value and non-injurious price for Russia. KCIL also argued that the return on net fixed assets for producing 99.9% purity acetonitrile should not be factored into the non-injurious price for 98% purity acetonitrile. However, no supporting information has been provided by the user.

139. KCIL has alleged that the domestic industry intentionally selected high-cost pharmaceutical products and medicines, which consume smaller quantities of acetonitrile, to portray minimal impact. KCIL submitted the SION (Standard Input Output Norms) for Captopril USP (Powder) and Loratadine. While KCIL provided SION details for these products, it did not submit any data regarding the impact of anti-dumping duties. Furthermore, the domestic industry presented evidence indicating that the acetonitrile used by pharmaceutical companies is recovered from the reaction mixture after the completion of the process and can be reused.
140. With regard to the comments by other interested parties that the injury to the domestic industry is due to the fluctuating raw material costs, changing consumer preferences, and increased competition, the Authority notes that the interested parties have advanced mere statements and have not produced any verifiable documentary evidence to substantiate their claims. The demand in the domestic market shows an increase in the period of investigation; and, therefore, the contention that the injury is due to “changing consumer preference” cannot be considered. The Authority also draws reference to the WTO Panel Report in China X-Ray Equipment, wherein the Panel held that where an interested party identifies a factor other than dumped imports causing injury but does not provide evidence showing how this factor is causing injury to the domestic industry, the investigating authority is not required to make a determination with regard to that factor.
141. On the comment filed by the interested parties that end user based exemption should be provided for the imports of Acetonitrile in impure form, the Authority notes that Acetonitrile in impure form does not have any independent use. The product is imported, purified and sold in competition with the domestic industry’s supplies and pure form of acetonitrile imported from subject countries. The domestic industry has provided evidence that the acetonitrile supplied by KCIL competes with its product. In view of the same, it is not found appropriate to grant any end user based exemption to the imports of acetonitrile in impure form.

L. CONCLUSION

142. Having regard to the contentions raised, information provided, and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority, as recorded in the above findings, and on the basis of above analysis of the dumping, injury and causal link to the domestic industry, the Authority concludes as follows:
 - a. The product under consideration is Acetonitrile. The scope includes imports of Acetonitrile in any purity.
 - b. Acetonitrile of 98% or lower purity imported into India competes with 99% purity acetonitrile supplied by the domestic industry and is therefore required to be considered part of the product under consideration.
 - c. The product supplied by the applicant is a like article to the imported product from the subject countries.
 - d. The applicant constitutes domestic industry within the meaning of Rule 2(b) and satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3) of the Rules.
 - e. The application has also been supported by Balaji Amines Limited and Jindal Speciality Chemical.

- f. Three producers from China participated in the present investigation but no one claimed market economy treatment. Therefore, the cost and price of the Chinese producers have not been accepted.
- g. Producers from Russia and Taiwan registered in the present investigation but did not file a response. The normal value and export price has therefore been determined as per facts available.
- h. Considering the normal value and export price for the subject goods, dumping margin for the subject goods from the subject countries has been determined and the margin is positive.
- i. The imports from subject countries have significantly increased in the period of investigation in comparison to the preceding year in both absolute and relative terms.
- j. The import price is below the selling price of the applicant resulting in positive price undercutting.
- k. While the cost of sales has declined in the period of investigation, the decline in the selling price is higher. The prices of the domestic industry are depressed.
- l. The domestic industry has set up a new plant of 16,500 MT with an investment of Rs 150 cr. The applicant has not been able to increase its market share in line with the increase in the capacity installed. The applicant's market share has reduced in the period of investigation, and that of the subject countries has increased.
- m. The applicant has suffered financial losses. The applicant has seen a decline in cash profit, and a significant decline in return on capital employed. On quarterly basis, the applicant's profitability has consistently declined. The applicant was profitable in the first two quarters (which were low). They have turned into severe losses in the last two quarters of the period of investigation.
- n. The growth of applicant has been adversely affected as while most of the volume parameters have improved, they are below the expected level and the price parameters have suffered a significant decline.
- o. The profit before interest, cash profit and return on capital employed are marginally positive in the period of investigation but when seen on a quarterly basis, they have turned negative in the last two quarters.
- p. The ability to raise capital has been adversely impacted.
- q. The investigation has not shown any other factor which could have caused injury to the domestic industry.
- r. The evidence provided by the domestic industry shows subject goods are recovered from the reaction mixture after end of the reaction process. Therefore, the consumption of the product is low.
- s. It is seen that the impact of the duties will not be significant

M. Recommendations

143. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, exporters, importers, and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury, causal link and impact of recommended measures. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury, and causal link in terms of provisions laid down under the anti-dumping rules, the Authority is of the view that imposition of anti-dumping duty is required to offset the dumping and injury. The Authority considers it necessary and recommends imposition of anti-dumping duty on imports of the subject goods from the subject countries.

144. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends the imposition of an anti-dumping duty equal to the lesser margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries for a period of 5 years from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, equal to the amount mentioned in Col. 7 of the duty table appended below.

DUTY TABLE

SN	Heading/ subheading	Description of the goods	Country of origin	Country of export	Producer	Amount	UOM	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	292690	Acetonitrile*	China PR	Any country including China PR	Nantong Liyang Chemical Co., Ltd.	202	MT	USD
2	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Shandong Kunda Biotechnology Co., Ltd	292	MT	USD
3	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Weifang Zhonghui Chemical Co., Ltd	260	MT	USD
4	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Any producer other than mentioned in SN 1, 2 and 3.	481	MT	USD
5	-do-	-do-	Any country other than China PR, Taiwan and Russia	China PR	Any producer	481	MT	USD
6	-do-	-do-	Russia	Any country including Russia	Any producer	292	MT	USD
7	-do-	-do-	Any country other than China PR, Taiwan and Russia	Russia	Any producer	292	MT	USD
8	-do-	-do-	Taiwan	Any country including Taiwan	Any producer	233	MT	USD
9	-do-	-do-	Any country other than China PR, Taiwan and Russia	Taiwan	Any producer	233	MT	USD

#The customs classification is indicative only and not binding on the scope of the product under consideration.

* Acetonitrile is also known as MeCN (Methyl Cyanide), Cyano methane, Ethane Nitrile, Ethyl Nitrile and Methane Carbonitrile. The product under consideration covers Acetonitrile known by any name and with any level of purity.

N. Further procedure

145. An appeal against the determination/review of the Designated Authority in this final finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

DAR PAN JAIN, Designated Authority